शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

राज्य की सभी 28 सीटों पर मोदी का माहौल: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 06 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-96

प्रधानमंत्री मोदी ने 'घर' और 'बाहर' के दुश्मनों को दी सीधी चुनौती

नया भारत दुश्मन के घर में घुसकर मारता है

चूरू (राजस्थान), 05 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के चूरू में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज मैं जब चरू आया तो पुरानी यादें ताजा होने लगीं। इससे पहले मैं जब यहां आया था तब उसी समय देश ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी। तब मैंने जो शब्द कहे थे चूरू की धरती पर, मैं आज फिर एक बार इस वीरों की धरती पर आया हूं तो मैं उन भावों को दोहराता हूं। तब मैंने कहा था, सौगंध मुझे इस मिट्टी की मैं देश नहीं मिटने नहीं दूंगा, मैं देश नहीं रुकने दूंगा, मैं देश नहीं झुकने दूंगा, मेरा वचन है भारत मां को तेरा शीष नहीं झुकने दूंगा। पीएम ने कहा, कांग्रेस ने सेना का अपमान किया। एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांग रहे थे। सेना के हाथ बांध रखे थे। हमारे जवान वन रैंक वन पेंशन की बात करते थे। हमारी सरकार बनी तो हमने सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन का

यह 'घर' और 'बाहर' के दुश्मनों को भी अच्छी तरह पता है

जब भ्रष्टाचारियों का हिसाब हो रहा है, तो सब एक हो गए

अधिकार दिया और सीमा पर पलटवार करने की खुली छूट दे दी। आज दुश्मन का भी पता है कि नया भारत घर में घुसकर मारता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम राम सार से अपने उद्बोधन की शुरुआत की। राजस्थानी भाषा में जीण माता, सालासर बालाजी महाराज, बाबा खाटू श्यामजी और वीर गोगाजी महाराज ने म्हारो बारंबार प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान पराक्रम और परिश्रम की धरती है। ये वीर बेटों को जन्म देने वाली वीर वीरांगना माताओं की पवित्र भूमि है। इसलिए राजस्थान जो ठान लेता है वह पत्थर की लकीर बन जाता है। यही जज्बा मैं अपने सामने देख रहा हूं। गर्मी और धूप ने भी हिम्मत की परीक्षा लेना शुरू कर दिया है। आज परमात्मा की कृपा से मौसम जरा ठीक लग रहा है। जब कुदरत साथ देती है तो इशारा भी करती है कि हवा का रुख किस तरफ है।

पीएम मोदी ने कहा, ईडी ने भ्रष्टाचारियों की एक लाख करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब्त की है। मैं इन भ्रष्टाचारियों से कहना चाहता हूं कि कितना भी झूठ फैला लो ये मोदी डरने वाला नहीं है। इसी कांग्रेस ने बाबा अंबेडकर को दशकों तक भारत रत्न नहीं लेने दिया।

भाजपा ने देश को दलित राष्ट्रपति दिए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र यहां देवेंद्र के लिए वोट मांगने आया है। 19 अप्रैल को क्या करना है पता है न? राजस्थान में कहते हैं कि अक्लमंद ने इशारो ही घनो। उन्होंने कहा कि देवेंद्र के साथ मेरा बहुत पुराना निकट का नाता रहा है। मैं देवेंद्र को पहली बार मिला। मैंने उनके मां की बातें सुनी तो मेरे मन को छू गया।

दूसरी पार्टियां घोषणा-पत्र लाती हैं, हम संकल्प-पत्र लाते हैं

चुरू, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। चुरू की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दूसरी पार्टियों की तरह भाजपा घोषणा पत्र जारी नहीं करती, हम तो संकल्प पत्र लाते हैं। भाजपा जो कहती है वह जरूर करती है। दूसरी पार्टियों की तरह भाजपा घोषणा पत्र जारी नहीं करती। हम तो संकल्प पत्र लाते हैं। मोदी ने आपको जो वादा किया था वह वादा पूरा करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 खत्म हो गया। तीन तलाक पर कानून हमारी मुस्लिम बहनों की मदद कर रहा है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार बने कुछ ही महीने हुए हैं। लेकिन, हमने सात दशक पुरानी यमुना के पानी की योजना को मंजूरी दी है। पेपर लीक करने वाले को गिरफ्तार किया जा रहा है। अब तक 85 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

कांग्रेस ने जारी किया लुभावने वादों का पुलिंदा-पत्र

आरक्षण बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन करेंगे

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने लुभावने वादों से भरा पुलिंदा घोषणा-पत्र के नाम से जारी कर दिया। कांग्रेस ने दलितों-पिछड़ों को नौकरी में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण देने के लिए संविधान में संशोधन करने तक का वादा कर दिया, लेकिन सेना भर्ती की अग्निवीर योजना हटाने का वादा नहीं किया। जबकि अग्निवीर मसले पर सियासत की रोटी सेंकने में कांग्रेसी पीछे नहीं रहते। घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष पी. चिदंबरम और महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद थे। कांग्रेस ने घोषणा पत्र को न्याय-पत्र नाम दिया है।

दलित ओबीसी को लुभाने के लिए आरक्षण चॉकलेट

***

राहुल को अग्निवीर योजना पर न्याय याद नहीं रहा

48 पन्ने के न्याय पत्र में तमाम वर्गों और क्षेत्रों के लिए न्याय के 10 स्तंभों जोर दिया गया है। यह घोषणा पत्र पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की अध्यक्षता में तैयार किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने बताया कि 19 मार्च को कांग्रेस कार्य समिति ने इसे मंजूरी दी थी। न्याय पत्र जारी करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान न्याय के पांच स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इनमें युवा न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय की घोषणा की गईं थीं। इनमें 25 गारंटियां निकलती हैं। इन सभी को भी घोषणा पत्र में शामिल किया गया है।

कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में दलित, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा करने के लिए संविधान में संशोधन करने का वादा किया है।

न्यूयॉर्क और थाइलैंड की फोटो से सजा कांग्रेस का न्याय-पत्र!

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के घोषणा-पत्र को भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने झूठ का पुलिंदा बताया है। सुधांशु ने कहा कि घोषणा पत्र में न्यूयॉर्क और थाईलैंड की तस्वीरों को शामिल किया गया है। यह दिखाता है कि देश को लेकर कितने अगंभीर हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में जल प्रबंधन को लेकर एक तस्वीर है। यह तस्वीर न्यूयॉर्क राज्य में बफेलो नदी की है। अब तक वे यह पता नहीं लगा पाए हैं कि उनके सोशल मीडिया चेयरपर्सन के ट्विटर से कौन ट्वीट कर रहा था। और अब न उन्हें यह पता है कि उनका घोषणापत्र कौन बना रहा है। इसमें राहुल गांधी के पसंदीदा स्थान थाईलैंड की एक तस्वीर लगाई गई है। भाजपा नेता ने कांग्रेस के घोषणापत्र में विदेशी तस्वीरों के इस्तेमाल पर चिंता जताते हुए कहा कि यह शासन के प्रति कांग्रेस के दृष्टिकोण और वैश्विक मंच पर भारत की छवि के बारे में उनकी समझ पर खराब प्रभाव डालता है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पहले वे विदेशों में जाकर भारत और मोदी सरकार की छवि खराब करते थे, अब अपने लिए विदेशों की तस्वीरें उधार में ले रहे।

बंगाल के राज्यपाल ने सार्वजनिक की सनसनीखेज जानकारी

मिनी संदेशखाली बन गए हैं बंगाल के विश्वविद्यालय

कोलकाता, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उच्च शिक्षा के परिसरों में हो रहे कथित भ्रष्टाचार और हिंसा के मामलों को देखते हुए कहा है कि पश्चिम बंगाल में कई विश्वविद्यालय मिनी संदेशखाली बन गए हैं। राज्यपाल ने दावा किया है कि राज्य में कई विश्वविद्यालय परिसर मिनी संदेशखाली बन गए हैं। उन्होंने विश्वविद्यालयों में होने वाली कथित हिंसा, भ्रष्टाचार और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए विश्वविद्यालयों के दुरुपयोग की न्यायिक जांच का आदेश दिया है। बता दें कि सीवी आनंद बोस राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी विश्वविद्यालयों के चांसलर भी हैं।

राज्यपाल का कहना है कि इस मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के एक सेवानिवृत जज की अध्यक्षता में एक आयोग । गठन किया जाएगा। उन्होंने महसूस किया है कि राज्य के कई विश्वविद्यालय मिनी संदेशखाली बन गए हैं।

भारत-चीन सीमा पर जल्द दौड़ेगी भारतीय रेल

सीमा पर पहला भूमिगत रेलवे स्टेशन होगा तीस्ता

गुवाहाटी, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत-चीन सीमा पर भी भारतीय रेल दौड़ेगी। पूर्वोत्तर को देश की राजधानी से जोड़ने के लिए भारतीय रेलवे कई प्रोजेक्टों पर काम कर रहा है, उनमें से एक है सेवक (पश्चिम बंगाल)- रंगपो (सिक्किम) रंगपो प्रोजेक्ट। यह भारतीय रेलवे का सबसे महत्वपूर्ण और बड़े प्रोजेक्टों में से एक है। इसके बनते ही सिक्किम भी देश की राजधानी से जुड़ जाएगा। सिक्किम ही नहीं बल्कि चीन से सटे सीमावर्ती इलाकों जैसे नथुला तक पहुंच आसान हो जाएगी। इससे जहां स्थानीय लोगों को वैकल्पिक रास्ता मिल जाएगा, वहीं क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके बनने से सीमा पर तैनात भारतीय सेना तक उनकी जरूरत के सारे सामान तेजी से पहुंचाने में मदद मिलेगी। अब तक प्रोजेक्ट का काम 92 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि कलिम्पोंग जिला स्थित सेवक-रंगपो रेल

बंगाल से दो घंटे में सिक्किम, सेना को होगी सहूलियत

परियोजना (एसआरआरपी) की टनल संख्या टी-7 ने कुछ दिन पहले ही ब्रेक थ्रू हासिल किया। इस रूट की एक खासियत यह है कि भारतीय रेलवे नेटवर्क के अधीन पहला भूमिगत रेलवे स्टेशन तीस्ता बाजार स्टेशन इसी टनल में है। मुख्य टनल 3082 मीटर तक फैली हुई है, इसके साथ एक पहुंच टनल भी है। गुफा 650 मीटर तक फैली हुई है, इसके डिजाइन के हिस्से के रूप में एक सिंगल प्लेटफॉर्म है। 800 मीटर पहुंच वाले कुल अडिट लंबाई के साथ इस व्यापक गुफा में 6 क्रॉस पैसेज का एक नेटवर्क शामिल है, जो परियोजना के व्यापक पैमाने को प्रदर्शित करती है। यात्रियों की सुरक्षा और आराम की हर सुविधा का ख्याल रखा गया है।

सिक्किम ही नहीं, नाथुला तक पहुंच आसान हो जाएगी

गुवाहाटी, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। इस महत्वपूर्ण रेल प्रोजेक्ट के शुरू होते ही सिक्किम देश की राजधानी से जुड़ जाएगा। इससे केवल सिक्किम ही नहीं बल्कि चीन से सटे सीमावर्ती इलाकों जैसे नाथुला तक पहुंच आसान हो जाएगी। स्थानीय लोगों को वैकल्पिक रास्ता मिल जाएगा और क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके बनने से सीमा पर तैनात भारतीय सेना तक उनकी जरूरत के सारे सामान तेजी से पहुंचाने में मदद मिलेगी। अब तक प्रोजेक्ट का काम 92 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

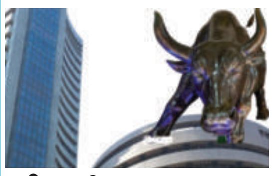

बीएसई : 74,248.22
+20.59 +0.03% ↑
एनएसई :22,513.70
-0.95 (0%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 39°
न्यूनतम : 25°

पूर्व कानून मंत्री ने लोकतंत्र बचाने के लिए आगाह किया

चुनावी बॉन्ड खत्म होने से काले धन का चलन बढ़ेगा

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व कानून मंत्री और कांग्रेस नेता अश्विनी कुमार ने कहा कि आम चुनाव के अवसर पर चुनावी बॉन्ड योजना को खत्म करने से काले धन की भूमिका बढ़ जाएगी। चुनावी बॉन्ड योजना पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि बॉन्ड पर काफी चर्चा हुई। इसकी सराहना की गई। इसकी आलोचना भी की गई लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि फैसले का प्रभाव क्या होगा।

योजना का संवैधानिक उद्देश्य चुनाव के वित्तपोषण में पार्दर्शिता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो रहा है। लोकतंत्र को संस्थाओं द्वारा नहीं बल्कि लोगों द्वारा बचाया जा सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपनी किताब ए डेमोक्रेसी इन रिट्रीट: रीविजिटिंग द एंड्स ऑफ पावर पर चर्चा करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव लड़ने में 15 से 20 करोड़ रुपए का खर्च आता है। वह व्यक्ति, जो राजनीति के बारे में थोड़ा भी जानता है, उसे पता होगा कि तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में यह राशि काफी ज्यादा हो जाती है। लेकिन 15 से 20 करोड़ से कम में आप चुनाव नहीं लड़ सकते।

बीती 15 फरवरी को पांच जजों की संविधान पीठ ने केंद्र की इलेक्टोरल बॉन्ड्स योजना को असंवैधानिक बताते हुए इस पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना के एकमात्र फाइनेंशियल संस्थान एसबीआई बैंक को 12 अप्रैल 2019 से अब तक हुई इलेक्टोरल बॉन्ड की खरीद की पूरी जानकारी 6 मार्च तक देने का आदेश दिया था।

केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को नोटिफाई किया था। इस योजना के तहत राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने के लिए कोई भी व्यक्ति अकेले या किसी के साथ मिलकर इलेक्टोरल बॉन्ड खरीद सकता है। ये इलेक्टोरल बॉन्ड एसबीआई की चुनी हुई शाखा से खरीदे जा सकते थे और उस बॉन्ड को किसी भी राजनीतिक पार्टी को दान कर सकता था। ये बॉन्ड एक हजार से लेकर एक करोड़ रुपए तक हो सकता है।

ओपीएस पर कर्मचारियों को गोल-गोल घुमाते रहे कांग्रेस नेता

कर्मचारियों का न्याय 'न्याय-पत्र' के लायक नहीं!

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र और राज्य सरकारों में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारी संगठनों को कांग्रेस पार्टी से बड़ी उम्मीद थी कि वह ओपीएस के मुद्दे को अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल करेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को घोषणापत्र जारी करते समय कहा, ये मुद्दा हमारे दिमाग में है। इससे पीछे नहीं हट रहे हैं, लेकिन अभी केंद्र सरकार ने वित्त सचिव की अध्यक्षता में ओपीएस के समाधान के लिए कमेटी गठित कर रखी है। उसकी रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। रिपोर्ट देखने के बाद पार्टी अगला कदम उठाएगी। इस तरह बहानेबाजी करके कांग्रेस ने ओपीएस के मसले से बड़ी चालाकी से कन्नी काट ली। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस को चुनाव में इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए गठित, नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) के संयोजक शिव गोपाल मिश्रा ने पहले ही कहा था कि जो भी दल पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को अपने घोषणापत्र में शामिल करेगा, उसे कर्मचारी और उनसे जुड़े 10 करोड़ वोट मिलेंगे। जानकारों का कहना है कि अब कांग्रेस पार्टी ने ओपीएस को अपने घोषणापत्र में शामिल न कर, 10 करोड़ वोटों का जोखिम ले लिया है। दूसरी तरफ कहा जा रहा है कि इन वोटरों का फायदा अब भाजपा को पहुंच सकता है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए गठित, नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति ने पहले अनिश्चितकालीन स्ट्राइक की घोषणा की थी। 19 मार्च को कर्मचारी संगठनों द्वारा केंद्र सरकार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का नोटिस दिया जाना था। इसके बाद एक मई से हड़ताल पर जाने की घोषणा की गई थी।

डायलिसिस रोगियों की मदद के लिये काँठा परिषद का सम्मान

10000 डायलिसिस में कर चुके है मदद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले 13 वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर डायलिसिस रोगियों की सेवा में रत बेंगलूरु के श्री काँठाप्रांत युवक परिषद (प.) ट्रस्ट को सम्मानित किया गया। राजाजी नगर स्थित दीनदयाल उपाध्याय डायलिसिस सेंटर में आयोजित एक सादे समारोह में रोटरी पिनिया बेंगलूरु ट्रस्ट एवं किडनी फाउंडेशन ने काँठा परिषद को मानव सेवा के प्रति समर्पण के लिये काँठा ट्रस्ट को सम्मानित किया।

दीनदयाल उपाध्याय सेंटर के चेयरमैन बद्रीनाथ ने जानकारी दी कि काँठा परिषद अभी तक 3000 डायलिसिस में दीनदयाल डायलिसिस सेंटर को मदद कर चुका है। इस अवसर पर बेंगलूरु किडनी फाउंडेशन के श्रीराम ने कहा कि इस रोग से पीड़ित को प्रत्येक दूसरे दिन डायलिसिस सेंटर जाकर लगभग 4 घंटे की डायलिसिस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है जो न केवल पीड़ादायक है अपितु खर्चीली भी है और निम्न वर्गीय रोगी यह खर्चा वहन नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे में रोगियों को मिलने वाली आर्थिक सहायता उनको बहुत ही राहत पहुंचाती है।

काँठा परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने कहा कि परिषद अपने स्थापना उद्देश्यों की पूर्ति के लिये निरंतर सक्रिय है। उपाध्यक्ष विनोद कुमार चाणोदिया व रमेश गुगलिया ने बताया कि काँठा परिषद डायलिसिस के साथ गौशालाओं व अनाथालयों में भी सेवा के रूप में योगदान दे रहा है। मंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार काँठा परिषद अभी तक विभिन्न डायलिसिस केंद्रों में 10000 से अधिक डायलिसिस मदद प्रदान कर चुका है। परिषद की खेल समिति अध्यक्ष विजय गुगलिया व उपाध्यक्ष अमित कोठारी के अनुसार परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली क्रिकेट तथा महिला व पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के माध्यम से समाज की युवा खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर भी मिल रहा है। इस अवसर पर किडनी फाउंडेशन के सुधीर शिनॉय, डायलिसिस सेंटर के सुधाकर, काँठा परिषद के सूरजमल पितलिया, कांतिलाल गुगलिया इत्यादि भी मौजूद थे।

80 लाख की कोकीन के साथ तेलंगाना के दो लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। देवनहल्ली थाना पुलिस ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ कोकीन बेचने वाले तेलंगाना के दो लोगों को गिरफ्तार किया और 80 लाख रुपये मूल्य की 850 ग्राम कोकीन जब्त की। जनता को मादक पदार्थ कोकीन बेचने वाले रामुगवड़ा (38), अबुबकर कुरेशी (34) को गिरफ्तार कर लिया गया और 80 लाख रुपये मूल्य की 850 ग्राम कोकीन जब्त की गई। हाल ही में जब पुलिस स्टेशन गश्त पर था, तो उन्होंने प्रसन्नहल्ली रोड पर एक अभियान चलाया और दो लोगों को गिरफ्तार किया और 80 लाख मूल्य की 850 ग्राम कोकीन, दो मोबाइल फोन, एक इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, एक बैग और 85 प्लास्टिक जिप कवर जब्त किए। कोकीन की आपूर्ति

करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है। लक्ष्मी प्रसाद, पुलिस उपायुक्त, उत्तर पूर्व डिवीजन और नवीन कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, देवनहल्ली सब डिवीजन के मार्गदर्शन में, निरीक्षक और कर्मचारी मामले को सुलझाने में सफल रहे। पुलिस को 1 अप्रैल को त्यागराजनगर में बीबीएमपी खेल के मैदान में युवाओं और जनता के सदस्यों को कोकीन, एक प्रतिबंधित दवा बेचने वाले एक विदेशी के बारे में जानकारी मिली।

मामला दर्ज कर विदेशी नागरिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, कोकीन जब्त कर कोर्ट में पेश किया गया, कोर्ट ने आरोपी को सेंट्रल जेल भेज दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चैलेंजिंग रॉकर्स डांस स्टूडियो द्वारा चंद्रा लेआउटमें सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाल प्रतिभाओं ने सांस्कृतिकप्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर महेंद्र मुणोत एवं अभिनेतादीक्षित शेट्टी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्टूडियो के आनंदशेट्टी ने अतिथियों को सम्मानित एवं बच्चों को पुरस्कृत किया।

स्वाध्यायी संगोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में अशोक नगर स्थित श्री महावीर जैन स्थानक भवन, श्रीरामपुरम स्थित जैन स्थानक भवन और जयनगर स्थित जैन स्थानक भवन में स्वाध्यायी संगोष्ठी आयोजित की गईं। इसमें अनेकों श्रावक श्राविकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। स्वाध्यायी नवरत्न मल भंसाली, शांतिलाल बोहरा और सुरेश गुलेच्छा ने अध्यापन कार्य संभाला। इस स्वाध्याय संगोष्ठी का विषय जैन आगम शास्त्र श्री उत्तराध्ययन सूत्र का 29वां अध्ययन सम्यक्त्व पराक्रम रहा। इसमें जैन आगम शास्त्रों के स्वाध्याय के महत्व को बताया गया। स्वाध्याय संघ के संयोजक शांतिलाल मास्टर ने कहा कि 25 अप्रैल से बेंगलूरु के करीब 16 उपनगरों में बाल जैन संस्कार शिविर का आयोजन किया जाएगा।

पूर्व मंत्री आर शंकर भाजपा छोड़ कांग्रेस में हुए शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राणेबेन्नूर के एक प्रभावशाली नेता, पूर्व मंत्री आर शंकर ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और शुक्रवार को अपने अनुयायियों के साथ मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और केपी-सीसी प्रमुख डीके शिवकुमार, जो राज्य के उपमुख्यमंत्री भी हैं, की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। सिद्धरामैया और शिवकुमार ने भाजपा नेता का पार्टी में स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में दूसरे चरण के चुनाव वाली 14 लोकसभा सीटों के प्रमुख नेताओं की बैठक की। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, मंत्री एमबी पाटिल, एचके पाटिल, सतीश जारकीहोली, जेडए जमीर अहमद खान और अन्य नेताओं ने चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की।

चुनाव के बाद गिर सकती है सिद्धरामैया सरकार: जगदीश शेट्टर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद गिर सकती है। सीएम सिद्धरामैया ने हाल ही में अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से मैसूरु में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए कहा, ताकि वह अपनी स्थिति बरकरार रख सकें। शेट्टर ने कहा ऐसा कहा जाता है कि अगर कांग्रेस मैसूरु निर्वाचन क्षेत्र में हार जाती है तो सीएम अपनी सीट खो देंगे।

बेलगावी में एक संवाददाता सम्मेलन में शेट्टर ने कहा कि अधिकांश कांग्रेस विधायक अपने पार्टी नेतृत्व से नाखुश हैं, क्योंकि सीएम, डीसीएम और कैबिनेट मंत्री उन्हें कोई महत्व नहीं दे रहे

हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि यह सरकार लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद गिर जाएगी। शेट्टार ने कहा कि सरकार के खिलाफ अपने बयान को और पुख्ता करने के लिए हाल ही में एक कांग्रेस विधायक ने खुला बयान जारी किया कि अगर कांग्रेस मैसूरु सीट हार जाती है तो सिद्धरामैया को इस्तीफा देना होगा। उन्होंने कहा कि इस सरकार को गिराने के लिए किसी तरह के 'ऑपरेशन लोटस' की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह सरकार अपने आप गिर जाएगी। बेलगावी भाजपा उम्मीदवार ने गारंटी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार पर हमला किया और इसके लिए धन की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सरकार सभी गारंटियों को रोकने के लिए उत्सुक है, क्योंकि वह वादे के मुताबिक उन्हें लागू करने में असमर्थ रही है। बेलगावी लोकसभा क्षेत्र में आगामी भाजपा अभियान पर, शेट्टर ने कहा कि राज्य में पार्टी नेताओं ने कई स्टार प्रचारकों से राज्य में रैलियां आयोजित करने का अनुरोध किया है, जिनमें पीएम नरेंद्र मोदी, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी शामिल हैं।

रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामला

भाजपा कार्यकर्ता के पकड़े जाने के दावे के बाद एनआईए ने गवाहों के खुलासे के प्रति किया आगाह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के रामेश्वरम बम विस्फोट मामले में भारतीय जनता पार्टी के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार किए जाने की खबरों के बीच, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को गवाहों की पहचान उजागर करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कदम उठाया। एनआईए ने कहा, ''मामला एक आतंकवादी घटना है, गवाहों की पहचान के बारे में कोई भी जानकारी जांच में बाधा डालने के अलावा, सम्मन किए जा रहे व्यक्तियों को भी खतरे में डाल सकती है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मामले में सबूत और जानकारी इकट्ठा करने के लिए एनआईए फरार और गिरफ्तार

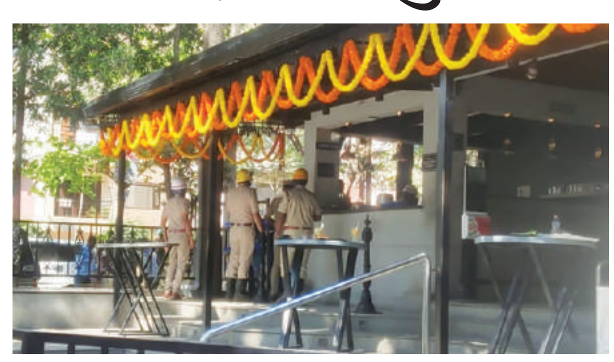

आरोपी व्यक्तियों के कॉलेज और स्कूल के समय के दोस्तों सहित सभी परिचितों को बुला रही है और उनसे पूछताछ कर रही है। एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि इस मामले में एक भाजपा कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया था और वह फोन और सिम कार्ड का सौदा करता था। हालाँकि एनआईए के बयान ने सीधे तौर पर इस व्यक्ति के विवरण से इनकार नहीं किया है, एनआईए के बयान से पता चलता है कि वह व्यक्ति मामले में गवाह है। एनआईए ने 26 मार्च को बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट में मुख्य संदिग्ध मुजम्मिल शरीफ को गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी तीन राज्यों-कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी के बाद हुई। मुजम्मिल शरीफ ने कथित तौर पर दो अन्य आरोपियों को रसद सहायता प्रदान की।

बम विस्फोट 1 मार्च को ब्रुकफील्ड इलाके में इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी पार्क लिमिटेड (आईटीपीएल) रोड पर स्थित कैफे में हुआ था। विस्फोट को अंजाम देने के लिए कम तीव्रता वाले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल किया गया और विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए। एनआईए ने 3 मार्च को मामला अपने हाथ में लिया और मुख्य आरोपी की पहचान मुसाविर शाजीब हुसैन के रूप में की थी। एजेंसी ने एक अन्य संदिग्ध अब्दुल मथीन ताहा की भी पहचान की, जो अन्य मामलों में शामिल रहा है। ये दोनों संदिग्ध फरार हैं। एनआईए ने विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों के बारे में कोई भी जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। एजेंसी ने मुखबिर की पहचान गोपनीय रखने का वादा किया था। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध का चेहरा मास्क और चश्मे से छिपा हुआ था और उसे कैशियर काउंटर पर खाने का टोकन खरीदते हुए देखा गया था। पुलिस ने विस्फोटक विस्फोट करने के लिए इस्तेमाल किया गया एक आईईडी उपकरण और एक टाइमर बरामद किया।

कर्नाटक में स्कूलों ने कक्षा 5, 8 और 9 की बोर्ड परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में त्रुटियों की शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कुछ निजी स्कूलों ने कर्नाटक में कक्षा 5, 8 और 9 के लिए बोर्ड परीक्षा (योगात्मक मूल्यांकन -2) की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया में काम की खराब गुणवत्ता और अंकों के गलत योग का आरोप लगाया है।

कक्षा 5, 8 और 9 की बोर्ड परीक्षाएं 28 मार्च को पूरी हो गईं। कर्नाटक राज्य परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड (केएसईएबी) ने उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 2 अप्रैल को पूरा कर लिया। छात्रों के अंकों को छात्र उपलब्धि ट्रैकिंग सिस्टम में दर्ज किया जाना है। उसके बाद 10 अप्रैल को परिणामों की घोषणा से पहले उत्तर पुस्तिकाओं को संबंधित स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। कुछ स्कूलों ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में त्रुटियों की शिकायत की है। इनमें अनुचित मूल्यांकन, उत्तर पुस्तिकाओं की अदला-बदली,

कुछ पृष्ठों का मूल्यांकन नहीं किया जाना, सही उत्तरों के लिए अंक नहीं देना और अंकों के योग में त्रुटियां शामिल हैं।

आर.टी. नगर स्थित एक निजी स्कूल के चेयरपर्सन ने कहा हमें कक्षा 5 की उत्तर पुस्तिकाएँ शुक्रवार को प्राप्त हुईं। मूल्यांकन कार्य खराब गुणवत्ता का है। कुछ पेपरों में, कुल अंक गलत हैं, कुछ पेपरों में, कुछ शीटों का मूल्यांकन नहीं किया गया है, कुछ पेपरों में, सही उत्तरों को गलत के रूप में चिह्नित किया गया है। अगर ऐसा है तो बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की क्या जरूरत थी?

एसोसिएटेड मैनेजमेंट ऑफ स्कूल्स इन कर्नाटक के महासचिव, शशिकुमार डी. ने कहा, कक्षा 5, 8 और 9 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा हो चुका है।

उत्तर पुस्तिकाएं संबंधित शिक्षण संस्थानों को भेज दी गई हैं। हालांकि मूल्यांकन में कई त्रुटियां पाई गईं। यहां तक कि जो बच्चे पढ़ाई में अच्छे थे, वे भी कक्षा 9 में फेल हो गए हैं। मुझे इस संबंध में कई स्कूलों से दस्तावेजों के साथ जानकारी मिली है। यदि कोई बच्चा कक्षा 9 में फेल हो जाता है तो क्या उसकी उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच की जाएगी? बोर्ड की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है। स्कूल असमंजस में हैं। इन मुद्दों को विभाग के उच्च अधिकारियों के ध्यान में लाया जाएगा। केएसईएबी के निदेशक एच.एन. गोपालकृष्ण ने बताया कि कक्षा 5, 8 और 9 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के अधिकार क्षेत्र के तहत क्लस्टर स्तर पर किया गया है। इसलिए इन गलतियों के लिए संबंधित बीईओ जिम्मेदार हैं। यदि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में कोई त्रुटि हो तो संबंधित बीईओ से संपर्क किया जा सकता है। हम इस संबंध में सभी बीईओ को निर्देश देंगे।

बेंगलूरु में बढ़ते हैजा को रोकने के लिए बीबीएमपी सक्रिय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बारिश न होने और सूर्य के उच्च तापमान के कारण शहर में महामारी हैजा सामने आया है। इससे पहले एक महिला को हैजा हो गया था। बताया जा रहा है कि मल्लेश्वरम की एक महिला को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और जब के.सी. जनरल डॉक्टर ने उसकी जांच की तो निगेटिव रिपोर्ट मिली।

हालाँकि, बीबीएमपी ने एहतियाती कदम उठाने का फैसला किया है। हैजा की विभीषिका से पहले जागी बीबीएमपी महामारी की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाने को तैयार है। विशेष स्वास्थ्य आयुक्त सुरोलकर विकास किशोर ने स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को बीबीएमपी में हैजा के प्रकोप से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने के सख्त निर्देश दिए हैं। सभी स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वास्थ्य चिकित्सा

अधिकारियों को बीमारी के प्रसार से निपटने के लिए विधानसभा क्षेत्र-वार और निर्वाचन क्षेत्र-स्तरीय रैपिड रिस्पांस टीमों का गठन करने का निर्देश दिया गया है। शहर के सभी होटल, रेस्तरां और कैफे के मालिकों को ग्राहकों को गर्म पेयजल वितरित करने की सलाह दी गई है। निगम के अधीन सभी निजी अस्पताल, निजी लैब और सरकारी अस्पताल जैसे शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तालुक अस्पताल, सामान्य अस्पताल, चिकित्सा शिक्षा के तहत अस्पताल, यदि संदिग्ध मामले सामने आते हैं, तो सरकार द्वारा निर्धारित आईएचआईपी डेटाबेस में अनिवार्य रिपोर्टिंग का सुझाव दिया गया है। पेयजल के आगे के विश्लेषण के लिए वरिष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा पानी के नमूने एकत्र करने और प्रतिदिन पीए-चआई लैब में भेजने का सुझाव दिया गया है। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस कॉर्नर स्थापित करके और जल जनित बीमारियों की रोकथाम पर स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करके अस्पताल में आने वाले बाह्य रोगियों के बीच जागरूकता पैदा करने का भी सुझाव दिया गया है।

राज्य की सभी 28 सीटों पर मोदी का माहौल: विजयेंद्र

देश की सुरक्षा और विकास के लिए सुमलता भाजपा में शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने शुक्रवार को कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर रहा है। पूरे देश में मोदी के पक्ष में माहौल बन गया है। मोदी की मंशा है कि एनडीए को 400 से ज्यादा सीटें मिलें। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में सांसद सुमलता अंबरीश के साथ कोप्पल निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व सांसद एस शिवरामेगौड़ा, विजयपुर जिले के युवा नेता, मंत्री शिवानंद पाटिल के परिवार के सदस्य हर्ष गौड़ा शिवशरण पाटिल, पूर्व क्रिकेटर डोड्डागनेश, गायत्री तिम्मारेड्डी, उत्तर कन्नड़ जिले के हलियाला श्रीनिवास, कांग्रेस नेता प्रभुराजा एस पाटिल, गंगावती तालुक पंचायत अध्यक्ष वीरभद्र गौड़ा समेत अन्य नेता विजयेन्द्र की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य की सभी 28 सीटों पर एक बार फिर मोदी का माहौल है। मोदी समर्थक लहर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कोई भी मंत्री लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए आगे नहीं आया है। देश की सुरक्षा और विकास के लिए सुमलता अंबरीश भाजपा में शामिल हुईं। उनका गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मांड्या जिले में सुमलता का अपना प्रभाव है। उन्होंने कहा कि इससे पूरे प्रदेश को बड़ी ताकत मिली है। कोप्पला के पूर्व सांसद एस. शिवरामेगौड़ा का न केवल कोप्पला जिले में बल्कि पड़ोसी जिलों में भी प्रभाव है। उन्होंने अन्य नेताओं का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा हम 28 में से 28 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा-जेडीएस को जिताने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पार्टी में शामिल होने से हमारी ताकत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हम पार्टी के लिए उनकी सेवाएं लेंगे।

सुमलता अंबरीश ने कहा कि उन्हें भाजपा के वरिष्ठजनों से मार्गदर्शन मिला है। उस के लिए धन्यवाद। यही मेरी प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व, संकल्पना, उनके सपनों, संकल्प से नई प्रेरणा और समझ पैदा हुई है। बीजेपी में शामिल होना एक अच्छा विकल्प लगता है। येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री रहते हुए यहां काफी सहयोग किया है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि उन्होंने मांड्या जिले की समस्याओं के समाधान पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वह माइ सुगर फैक्ट्री को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोगों को इसका उचित जवाब देना चाहिए। मोदी का नेतृत्व वही है जो वे कहते हैं। हमें 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सहयोग करना है।

संसद का गौरव बढ़ा

मेरे लिए मेरे भविष्य से ज्यादा महत्वपूर्ण मेरा देश, जिला, राज्य है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में शामिल होने से संसद का गौरव बढ़ा है। इस अवसर पर केन्द्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा, राज्य चुनाव अधिकारी राधामोदास अग्रवाल, विपक्ष के नेता आर. अशोक, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण, पूर्व मंत्री मुनिरत्न, विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री नारायण गौड़ा, भाजपा मांड्या जिला अध्यक्ष इंद्रेश कुमार, कोप्पल जिला अध्यक्ष नवीन गुलगन्नावर, पार्टी पदाधिकारी और महत्वपूर्ण लोग उपस्थित थे। सभी नेताओं को पार्टी का झंडा थमाकर भाजपा में स्वागत किया गया।

उगादि, रमजान पर केएसआरटीसी द्वारा 2000 से अधिक विशेष बसों का होगा संचालन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उगादी त्योहार के मद्देनजर कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने विभिन्न शहरों के लिए 2000 से अधिक विशेष बसों की व्यवस्था की है। उगादि और रमजान की लगातार छुट्टियों के कारण यात्रियों की संख्या में वृद्धि की संभावना है। चार निगमों ने कुल 2275 विशेष बसें चलाने का निर्णय लिया है, जो छुट्टी की पृष्ठभूमि पर शहर जाने और यात्रा करने वालों के लिए सुविधाजनक होगी। केएसआरटीसी से 1,750 बसें, एनडब्ल्यूकेएसआरटीसी से 145 बसें, केकेआरटीसी से 200 बसें और बीएमटीसी से 180 विशेष बसें तैयार की गई हैं। इस प्रकार चारों निगमों द्वारा कुल 2,275 अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई है। मंगलवार को उगादी त्योहार है और गुरुवार को रमजान है। जबकि 13 को सेकेंड शनिवार की छुट्टी है और 14 को रविवार की छुट्टी है। कुछ ने छुट्टी लेकर घर जाने की तैयारी कर ली है। इसके आधार पर लोग यात्रा की योजना बना सकते हैं। यह उन अभिभावकों के लिए सुविधाजनक होगा जो अपने बच्चों के साथ यात्रा पर जाने की तैयारी कर चुके हैं क्योंकि छात्रों की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। इन सभी कारणों और यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त बसें लगाई जा रही हैं। त्योहारों और वीकेंड के चलते 7 अप्रैल से 14 अप्रैल तक 5 छुट्टियां रहेंगी। जैसे ही छात्रों के लिए गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं, माता-पिता ने अपने बच्चों के साथ यात्रा पर जाने की योजना बनाई है। ऐसे में यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष बस सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। शहर के केम्पेगौड़ा स्टेशन, सैटेलाइट स्टेशन, शांतिनगर से विशेष बस सेवा उपलब्ध रहेगी। धर्मस्थल, कुक्केसुब्रमण्यम, श्रृंगेरी, होरानाडु, शिवमोग्गा, मदिकेरी, दावणगेरे, गोकर्ण, कोल्लूर, हुब्बल्ली सहित कई स्थानों के लिए अतिरिक्त बस सेवाएं उपलब्ध होंगी। हैदराबाद, चेन्नई, गोवा पणजी, शिरडी, एर्नाकुलम जैसे पड़ोसी शहरों के लिए भी विशेष बस सेवा होगी।

सीएम, डीसीएम ने कई बैठकें कर चुनावी रणनीतियों पर की चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो शनिवार से लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान शुरू करेंगे, ने शुक्रवार को कई बैठकें कर चुनावी रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने भारत जोड़ो भवन में एक के बाद एक 6 बैठकें कीं। राज्य के उत्तरी कर्नाटक हिस्से के 14 लोकसभा क्षेत्रों के सभी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जहां चिक्कोडी, बेलगावी, बागलकोट, विजयपुर, कलबुर्गी, रायचूर, बीदर, कोप्पल, बेल्लारी, हावेरी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे और शिवमोग्गा निर्वाचन क्षेत्रों के नेताओं ने भाग लिया। उन्होंने, जिन्होंने पहले चरण के चुनाव वाले निर्वाचन क्षेत्रों के नेताओं के साथ पहले ही बैठक कर ली है, ने पार्टी नेताओं को चुनाव अभियान के दूसरे चरण में अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में सुझाव और निर्देश दिए। उसके बाद केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और अभियान समिति के शक्ति स्वीकृति समारोह में राज्य महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक हुई। दोनों नेताओं ने निर्देश दिया है कि पहले चरण में जिन सीटों पर चुनाव हो रहा है उनमें हासन, बेंगलूरु सिटी, बेंगलूरु ग्रामीण, चिक्कबल्लापुर, कोलार, मांड्या शामिल हैं, जहां उनसे संपर्क को वोट पाने की जिम्मेदारी महिला पदाधिकारियों पर है। मैसूरु निर्वाचन क्षेत्रों ने अधिक ध्यान आकर्षित किया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहले हासन लोकसभा क्षेत्र के नेताओं और फिर बेंगलूरु सिटी सेंटर लोकसभा क्षेत्र के नेताओं से सलाह-मशविरा कर समझौता फॉर्मूला तैयार कर रहे हैं। हासन में स्थानीय नेताओं ने जिला प्रभारी मंत्री केएन राजन्ना के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है।

येदियुरप्पा और उनके बेटे विजयेंद्र के लिए लोकसभा चुनाव एक चुनौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव वास्तव में पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के बेटे और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र के लिए एक चुनौतीपूर्ण चुनाव बन गया है। वे न केवल अपनी क्षमता साबित करने बल्कि पक्षपातपूर्ण विरोधियों को जवाब देने की अपरिहार्य स्थिति में हैं। पार्टी के भीतर एक गुट ने बीवाई विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष का पद दिए जाने पर कड़ा विरोध जताया था।

खासकर बीएल संतोष गुट से जुड़े नेता इस विकल्प से सहमत नहीं थे। विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने भी विजयेंद्र की पसंद का खुलकर विरोध किया था। उनका आरोप था कि भाजपा में परिवारवाद को चेहरा दिया जा रहा है। ये टीम इसे सही नहीं बताते हुए ये भी भविष्यवाणी कर रही है कि लोकसभा चुनाव के बाद अध्यक्ष की स्थिति बदल जाएगी। इसके अलावा टिकट वितरण में भी बीएसवाई टीम को शामिल किया गया है, जिससे यह असंतोष और बढ़ गया है। इस तमाम विरोध के बावजूद बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में बीवाई विजयेंद्र पार्टी को अपने नियंत्रण में लाने में लगभग सफल हो गए हैं। लेकिन उनके सामने राज्य में अधिक सीटें जीतने की चुनौती है। एक तर्क यह भी है कि पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य बीजेपी के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए येदियुरप्पा को नजरअंदाज किया गया।

यह एक गुटीय तर्क है कि येदियुरप्पा के रहस्यमय कार्यों के कारण भाजपा की अपमानजनक हार हुई। लेकिन इस तर्क को बीजेपी का दूसरा धड़ा नकारता है। हालांकि, अब पार्टी की कमान फिर से येदियुरप्पा परिवार के हाथ में आ गई है। फिलहाल राज्य में बीजेपी और जेडीएस साथ मिलकर लोकसभा चुनाव का सामना कर रही हैं। विजयेंद्र, जिनके पास अब पार्टी की कमान है, उनके सामने एक बड़ी चुनौती है और उन पर राज्य की 28 सीटों में से भाजपा को सबसे अधिक सीटें जिताने की जिम्मेदारी है। राज्य में हालात पिछले लोकसभा चुनाव की तरह नहीं हैं। कांग्रेस सत्ता में है। कांग्रेस भी जोर-शोर से प्रचार और रणनीति के जरिए ज्यादा सीटें जीतने की रणनीति बना रही है। ऐसे में विजयेंद्र की जिम्मेदारी ज्यादा से ज्यादा पद जीतकर अपनी काबिलियत साबित करने की है। अगर वह इसमें सफल नहीं हुए तो संभावना है कि यह पार्टी में दूसरे गुट के लिए एक हथियार होगा।

नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद लोकसभा चुनाव का अखाड़ा शुरू

सभी प्रमुख राजनीतिक दल चुनाव जीतने की कोशिश में दूसरे दलों पर साध रही निशाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद लोकसभा चुनाव का अखाड़ा शुरू हो गया है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल चुनाव जीतने की कोशिश में विरोधियों पर हथकंडे, जोर-शोर से प्रचार, बयानबाजी के प्रयोग समेत कई तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर 25 वादों का घोषणापत्र जारी किया है, कांग्रेस का लक्ष्य लोकसभा चुनाव के वादों के गारंटी कार्ड लगभग 8 करोड़ परिवारों तक पहुंचाना है, जैसे कर्नाटक विधानसभा में गारंटी योजना के कार्ड घर-घर पहुंचाए गए थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने शुक्रवार को कई बैठकें कीं और राज्य स्तर पर अपनाई जाने वाली चुनावी रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने उन निर्वाचन क्षेत्रों के नेत-ाओं से भी सलाह-मशविरा किया है जहां दूसरे चरण में चुनाव होने हैं। अब बीजेपी और जेडीएस का गठबंधन चुनावी मैदान में हुंकार भर चुका है। गुरुवार तक तीनों पार्टियों के प्रत्याशियों के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान रोड शो और खुली सभाओं के जरिए शक्ति प्रदर्शन होता रहा। चूंकि शुक्रवार को नामांकन पत्रों की जांच चली, इसलिए कुछ नेता सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर थे और जद (एस) और भाजपा राजनीतिक दलों के नेता दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं के बीच सद्भाव लाने के लिए परामर्श बैठकें कर रहे हैं। हाल ही में राज्य स्तरीय परामर्शदात्री बैठक में चर्चा की गई जानकारी के आधार पर मैदानी स्तर पर भी सफल अनुकूलन के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में प्रमुख लोगों की उपस्थिति में नामांकन दाखिल करते समय दोनों दलों के नेता एकता का मंत्र जपते हैं। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पिछले 10 वर्षों में लागू किए गए लोकलुभावन कार्यक्रमों और पिछले 11 महीनों में राज्य सरकार की विफलताओं के आधार पर प्रचार कर रही है। पिछले कुछ दिनों से कर्ज की रकम को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। बीजेपी ने जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गारंटी के तौर पर पेश किया, वहीं कांग्रेस पार्टी ने न्यायपत्र के नाम से घोषणापत्र जारी किया और लोगों से अहम वादे किए। बीजेपी में घोषणापत्र तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। दूसरे चरण में देश के 12 राज्यों की 89 सीटों पर चुनाव हो रहा है। इसमें मुख्य रूप से कर्नाटक की 14, केरल की 20, राजस्थान की 19 और उत्तर प्रदेश की 8 सीटें शामिल हैं। राज्य में 14 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 358 उम्मीदवारों ने 492 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। यह देखना बाकी है कि आठ अप्रैल को नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद सत्यापन के बाद कितने लोग मैदान में होंगे।

14 लोकसभा सीटों के लिए 358 में से 211 स्वतंत्र उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नामांकन जमा करने के अंतिम दिन के अंत तक कर्नाटक में 211 निर्दलीय उम्मीदवारों सहित कुल 358 उम्मीदवारों ने गुरुवार को 14 लोकसभा सीटों के लिए नामांकन दाखिल किया। राज्य चुनाव आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार, 358 प्रतियोगियों में से 333 पुरुष और 25 महिलाएं हैं। गुरुवार को नामांकन जमा करने की आखिरी तारीख थी। नामांकन पत्र जमा करने के अंतिम दिन गुरुवार को कुल 183 उम्मीदव-ारों (171 पुरुष और 12 महिला) ने अपना नामांकन दाखिल किया। तीसरे लिंग के किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। सबसे अधिक नामांकन बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा सीट (49) के लिए दाखिल किए गए, उसके बाद चिक्कबल्लापुर (43) और बेंगलूरु सेंट्रल सीट (40) का स्थान रहा। कुल मिलाकर, भाजपा से 41 उम्मीदवार, कांग्रेस से 50, बसपा से 18, जद-एस से 10 और सीपीआई-एम से 1 उम्मीदवार ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके अलावा 211 निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी अपना नामांकन दाखिल किया है। चुनाव आयोग ने अब तक 30.19 करोड़ रुपये नकद, 131.92 रुपये मूल्य की शराब, 3.13 करोड़ रुपये मूल्य की दवाएं और 187.85 करोड़ रुपये मूल्य की सोना और हीरे सहित कीमती धातुएं जब्त की हैं। फ्लाइंग स्क्वॉड, एसएसटी और पुलिस अधिकारियों ने नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुओं और मुफ्त वस्तुओं की जब्ती के संबंध में 1,240 एफआईआर दर्ज की हैं। साथ ही विभिन्न प्रकार के 790 वाहन जब्त किये गये हैं।

भारत को समानता के मुद्दे पर किसी से उपदेश की जरूरत नहीं : जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत को समानता के मुद्दे पर इस ग्रह पर किसी से उपदेश की जरूरत नहीं है। हम हमेशा समानता में विश्वास करते हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उन देशों से अपने भीतर झांकने का आह्वान किया जो भारत पर इस तरह के सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कुछ देशों में अभी तक कोई महिला राष्ट्रपति नहीं है, जबकि हमारे यहां ब्रिटेन से भी पहले एक महिला प्रधानमंत्री थी। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया के कई देशों में उच्चतम न्यायालय ने बिना महिला जज के 200 साल पूरे कर लिए, लेकिन हमारे यहां हैं।

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर फैलाए जा रहे है झूठ और गलत सूचना पर लोगों को आगाह करते हुए जगदीप धनखड़ ने कहा कि सीएए किसी भी भारतीय नागरिक से उसकी नागरिकता नहीं छीनता है, न ही यह पहले की तरह किसी को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से रोकता है। उन्होंने कहा कि सीएए तो पड़ोसी देशों में प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता के मार्ग खोलता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, हमारे पड़ोसी तीन देशों पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में उनकी धार्मिक प्रताड़ना के शिकार वहां के अल्पसंख्यकों को यह राहत प्रदान करता है, ऐसे में यह कानून गलत कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा कि, सीएए उन लोगों पर लागू होता है, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कानून उन देशों से अल्पसंख्यकों को बुलाने के लिए नहीं है, बल्कि जो इससे पहले से यहां आ गए हैं, उनके लिए है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि इस तरह के तथ्यात्मक रूप से गलत प्रचार, विचार या फिर अस्थिर राष्ट्र-विरोधी बयानों का खंडन करें। इसके साथ जो हमारे गौरवशाली और मजबूत संवैधानिक निकायों को कलंकित करने की कोशिश कर रहे हैं, उनका विरोध करें।

उन्होंने आगे कहा कि हाल के वर्षों में शासन व्यवस्था बेहतर हुई है, लोकतांत्रिक मूल्य गहरे हो रहे हैं। क्योंकि, कानून के अनुसार समानता के सिद्धांत को बेहतर तरीके से लागू किया जा रहा है और भ्रष्टाचार पर भी लगाम कसी जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि पहले कुछ विशेषाधिकार प्राप्त वंशावली को यह लगता था कि वे कानूनी प्रक्रिया से बचे हुए हैं और कानून उन तक नहीं पहुंच सकता है।

उन्होंने सिविल सेवकों के योगदान की सराहना करते हुए युवा अधिकारियों से कहा कि कानून के समक्ष समानता, जो लंबे समय से हमसे दूर थी और भ्रष्टाचार, जो प्रशासन की नसों में खून की तरह बह रहा था, अब अतीत की बात हो गई है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि देश को निराशा से बाहर निकाला गया है। भारत आशा और संभावना की भूमि बन गया है। पूरे देश में उत्साह का माहौल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अब सोता हुआ विशाल देश नहीं, संभावनाओं से भरा और गतिमान देश बन गया है। नौसेना की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी नौसेना का शायद ही कोई सप्ताह ऐसा गुजरता हो, जब समुद्री डकैतों से पीड़ितों को बचाने का काम नहीं किया गया हो। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय को उनकी उपलब्धि पर गर्व होगा।

पूर्व माफिया डॉन अरुण गवली को समय से पहले मिलेगी जेल से रिहाई

नागपुर, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।
एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, नागपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व माफिया डॉन से नेता बने अरुण गुलाब गवली को समय से पहले रिहा किया जाएगा। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को ये आदेश दिया। न्यायमूर्ति विनय जोशी और न्यायमूर्ति वृषाली जोशी की खंडपीठ ने अरुण गवली की याचिका को स्वीकार कर लिया है। उनके वकील मीर नगमान अली ने मीडिया को बताया, गवली का आवेदन पहले इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि सरकार की एक अधिसूचना विशेष रूप से मकोका के तहत दोषी को नीति के लाभ से बाहर रखती है।

उन्होंने तर्क दिया कि 2006 की अधिसूचना भी यह स्पष्ट करती है कि एनडीपीएस, टाडा, एमपीडीए आदि कानूनों के तहत दोषी 2006 के नीतिगत लाभों के हकदार नहीं हैं। गवली ने अपनी याचिका में कहा कि वो अब 69 साल का हो गया है और सरकार के ही एक आदेश का हवाला देते हुए कहा कि जिन कैदियों की 14 साल की सजा हो चुकी है और उम्र 65 साल को पार कर गई है, उनको रिहा किया जा सकता है। वकील अली ने कहा, दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर गवली की रिहाई पर निर्णय लेने का निर्देश दिया, जिससे जेल से उसकी समय से पहले रिहाई का रास्ता साफ हो गया। उसने 16 साल जेल में बिताए हैं। मूल रूप से मुंबई के रहने वाले और दगड़ी चॉल के डॉन के रूप में खूंखार 69 वर्षीय अरुण गवली ने विधायक (2004-2009) के रूप में भी कार्य किया। उसे 2006 में गिरफ्तार किया गया था, मुकदमा चला, दोषी पाया गया और 2012 में शिव सेना नेता कमलाकर जामसांडेकर की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

कन्नूर में हुए धमाके में एक की मौत, दूसरा गंभीर

कांग्रेस और भाजपा ने सीपीआई पर लगाए आरोप

कन्नूर (केरल), 05 अप्रैल (एजेंसियां)।
केरल के कन्नूर जिले में स्थित पनूर इलाके के पास शुक्रवार को एक धमाका हुआ, जिसमें व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर घायल हो गया है। इस घटना के बाद से राजनीतिक बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने सीपीआई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि वामपंथी दल ने इस घटना में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है।

विपक्षी कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस के बयान का हवाला देते हुए कहा कि यह धमाका तकरीबन देर रात एक बजे हुआ, कुछ सीपीआई समर्थकों द्वारा देशी बमों को बनाने के दौरान यह घटना घटी। वहीं, भाजपा ने भी सीपीआई को आड़े हाथ लिया।

उन्होंने कहा कि बम के जरिए वाम दल दहशत फैलाने की कोशिश कर रही है।

सीपीआई (एम) की पनूर क्षेत्र समिति ने एक बयान में यह भी कहा कि वाम दल शांति बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी लोगों को गुमराह करने के लिए जानबूझकर झूठा प्रचार कर रहे हैं। काइवेलिक्कल निवासी शेरिन ने कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, दूसरे घायल व्यक्ति विनेश की हालत गंभीर है।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने इस घटना के लिए सीपीआई (एम) को दोषी ठहराया और आरोप लगाया कि वाम दल अपने कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल देशी बम बनाने में कर रहा है और चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब कर रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने दावा किया कि सीपीआई (एम) आतंक की शरण ले रही है क्योंकि वह लोगों के बीच समर्थन खो रही है। उन्होंने एसडीपीआई द्वारा कांग्रेस को दिए गए समर्थन को लेकर भी हमला बोला और कहा कि राज्य में 26 अप्रैल को होने वाले चुनाव से पहले यह एक गंभीर स्थिति है।

नौकरशाहों के रिटायरमेंट के तुरंत बाद चुनाव लड़ने पर रोक की मांग वाली याचिक खारिज

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नौकरशाहों के कूलिंग ऑफ पीरियड (विराम काल) से संबंधित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सही प्राधिकरण के सामने ये मामला उठाने को कहा। दरअसल याचिका में मांग की गई थी कि नौकरशाहों को रिटायरमेंट या इस्तीफे के तुरंत बाद चुनाव लड़ने पर रोक लगाई जाए। साल 2012 में चुनाव आयोग द्वारा भी ऐसी सिफारिश की गई थी। याचिका में आयोग की सिफारिश लागू करने की मांग की गई।

जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता जीवी हर्ष कुमार को अपनी याचिका वापस लेने और सही प्राधिकरण के सामने इस मामले को उठाने का निर्देश दिया। याचिका में मांग की गई थी कि सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को निर्देश दे कि साल 2012 में की गई चुनाव आयोग की सिफारिश को लागू किया जाए। साथ ही जुलाई 2004 में सिविल सेवा सुधार को लेकर बनाई गई समिति की रिपोर्ट में की गई सिफारिश को भी लागू करने की मांग की थी, ताकि नौकरशाहों के रिटायरमेंट या इस्तीफे के तुरंत बाद विधानसभा, लोकसभा चुनाव लड़ने पर रोक लग सके। याचिका में मांग की गई सरकारी अधिकारियों के लिए एक विराम काल (कूलिंग ऑफ पीरियड) होना चाहिए, जिसे पूरा करने के बाद ही नौकरशाह राजनीति के मैदान में उतर सकें।

याचिका में ये भी मांग की गई थी कि उन नौकरशाहों को जो विधानसभा या संसद सदस्य के तौर पर भी सेवाएं दे चुके हैं, उन्हें एक ही पेंशन मिले। पूर्व सांसद जीवी हर्ष कुमार की इस याचिका को वकील श्रवण कुमार कर्नम के माध्यम से दायर किया गया था। याचिका में कहा गया कि सिविल सेवा सुधार के लिए गठित समिति ने भी नौकरशाहों के लिए राजनीति में आने से पहले कूलिंग ऑफ पीरियड रखने की सिफारिश की थी, लेकिन दो दशक बीतने के बाद भी यह सिफारिश लागू नहीं हो सकी है। इसके चलते नौकरशाह, जज, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर बिना कूलिंग ऑफ पीरियड के चुनाव लड़ रहे हैं।

एलओसी पर घुसपैठ का प्रयास नाकाम, दो आतंकी ढेर

जम्मू, 05 अप्रैल (ब्यूरो)।
उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में उड़ी के सहुरा नाला इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करने के बाद एक और अज्ञात आतंकवादी मारा गया है, जिससे मरने वालों की संख्या दो हो गई है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी में अब तक दो आतंकवादी मारे गए हैं, एक शव बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि इलाके में तलाशी जारी है।

इससे पहले, तड़के आतंकवादियों की गतिविधियों का पता चला था। घुसपैठियों को सुरक्षा बलों ने चुनौती दी, जिसके बाद गोलीबारी हुई।

उन्होंने बताया कि गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इस बीच राजौरी जिले में दो अलग-अलग जगहों पर संदिग्ध देखे जाने की सूचना पर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के जवानों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान छेड़ दिया है। इस तलाशी अभियान में गुरुवार देर शाम तक कोई सफलता नहीं मिली, पर तलाशी अभी जारी है। थन्ना मंडी तहसील में पड़ने वाले डोरी माल के जंगल में वीरवार को दोपहर बाद तीन बजे के करीब सुरक्षाबलों ने बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया।

स्थानीय लोगों ने जंगल के अंदर तीन संदिग्ध देखे जाने के बाद तुरंत इसकी जानकारी पास में तैनात सेना के जवानों को दी। सेना ने इस सूचना को पुलिस और सीआरपीएफ से साझा किया और संयुक्त रूप से जंगली क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान छेड़ दिया।

रोमांच और खूबसूरती से भरा लद्दाख का एप्रीकॉट ब्लॉसम फेस्टिवल

सुरेश एस डुग्गर
लद्दाख, 05 अप्रैल।
क्या आप ऐसे व्यक्ति हैं जो लगातार त्यौहारों और मौज की तलाश में रहते हैं? तो आप खुबानी प्रस्फुटन महोत्सव (एप्रीकॉट ब्लॉसम फेस्टिवल) का आनंद लेने लद्दाख आ सकते हैं। इस जीवंत उत्सव का आयोजन लद्दाख पर्यटन विभाग द्वारा किया जाता है और यह देश भर के लोगों को इसके उत्सव का आनंद लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

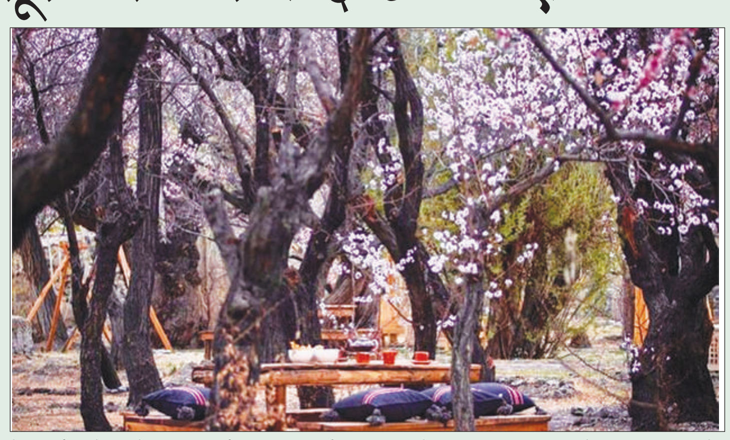

खुबानी के फूल की स्थानीय परंपराओं को साझा करने के उद्देश्य से, यह उत्सव करगिल और लेह के सभी स्थानों पर होने जा रहा है। हां, उत्सव 6 अप्रैल से शुरू होगा और 18 अप्रैल, 2024 तक चलेगा और लेह और लद्दाख में होगा। घाटी में दिन भर चलने वाले समारोहों के साथ, लोग इकट्ठा हो सकेंगे, उत्पादों का व्यापार कर सकेंगे और यहां तक कि लद्दाख की समृद्ध विरासत को उजागर करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद भी ले सकेंगे।

लद्दाख की अद्भुत सुन्दरता हर मौसम में पर्यटकों को आकर्षित करती है। लेकिन अप्रैल के महीने में मानों लद्दाख की खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए खुश स्वर्ग ही धरती पर उतर आता है। इतिहास प्रेमी से लेकर एडवेंचर लवर्स, पूरे साल भर लद्दाख इन पर्यटकों को आकर्षित करता है लेकिन अप्रैल में लद्दाख आने वाले पर्यटक प्रकृति प्रेमी होते हैं। क्योंकि इस समय लद्दाख में शुरू होता है एप्रीकॉट फेस्टिवल। इस साल भी अप्रैल माह में लद्दाख में एप्रीकोट ब्लासम फेस्टिवल शुरू होने वाला है। इस फेस्टिवल का आयोजन लद्दाख के पर्यटन विभाग की तरफ से किया जाता है। अप्रैल के महीने में एप्रीकोट के पेड़ों पर गुलाबी रंग के छोटे-छोटे फूल खिलते हैं, जो अपनी खुबसूरती से लद्दाख घाटी को गुलाबी बना देते हैं। इन फूलों के प्रति आकर्षित होकर ही पर्यटक अप्रैल के महीने में लद्दाख का रूख करते हैं।

यह फेस्टिवल, मिली जानकारी के अनुसार इस साल 6 से 18 अप्रैल तक लेह और लद्दाख में आयोजित होगा। इस समय लद्दाख घाटी में एप्रीकोट का हर पेड़ सफेद और गुलाबी रंग की इन छोटी-छोटी फूलों से लद जाता है जो एक मनमोहक नजारा प्रस्तुत करती है। एप्रीकोट ब्लासम फेस्टिवल लेह और करगिल में आयोजित होता है। इसे लेह में डोमखर ढो और कारगिल में गरखोन व संजाक में देख सकते हैं। खुबानी, जिसे चूली के नाम से भी जाना जाता है, त्योहार के दौरान केंद्र बिंदु है, क्योंकि लद्दाखी प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेते हैं। दरअसल, इस दौरान लद्दाख जाने वाले पर्यटक विसर्जन भी कर सकते हैं। हां, वे ऐसा स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और पूरी तरह से खिले खूबसूरत खुबानी के पेड़ों के मनमोहक अनुभवों में कर सकते हैं। उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है, उत्सव में संगीत, खरीदारी, खेल और नृत्य शामिल होंगे जिन्हें उपस्थित लोग देखना पसंद करेंगे। लोगों को खुबानी उत्पाद खरीदने का अवसर भी मिलेगा जिन्हें वे स्मृति चिन्ह के रूप में घर ले जा सकते हैं, जो उन्हें लद्दाख संस्कृति के सार से जोड़ेगा।

भारतीय तटरक्षक बल ने दिखाई मानवता, रात के अंधेरे में बचाए 27 बांग्लादेशी मछुआरे

कोलकाता, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।
भारतीय तट रक्षक बलों ने बीच समुद्र में फंसे 27 बांग्लादेशी मछुआरों की जान बचाई और शुक्रवार को उनको बांग्लादेश को सौंप दिया। भारतीय तट रक्षक बल ने पहले तो उनकी नाव को ठीक करने की कोशिश की, जब नाव ठीक नहीं हो पाई तो सभी को सुरक्षित निकाल लिया। कोलकाता स्थित भारतीय तट रक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय के एक अधिकारी ने कहा, तट रक्षक बल का आदर्श वाक्य है वयम् रक्षाम (हम रक्षा करते हैं), जिसे हमने साबित करके दिखाया।

भारतीय तट रक्षकर बल के एक अधिकारी ने बताया कि एक त्वरित ऑपरेशन करके भारतीय तट रक्षक (आईजीसी) गुरुवार रात को समुद्र में अपनी मछली पकड़ने वाली नाव पर फंसे 27 बांग्लादेशी मछुआरों को बचाया। रात करीब 11.30 बजे भारतीय तटरक्षक जहाज अमोघ ने भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पर गश्त के दौरान एक बांग्लादेशी मछली पकड़ने वाली नाव (बीएफबी) सागर खख को भारतीय जल

क्षेत्र में बहते हुए देखा। आईसीजी जहाज ने जांच के लिए बोर्डिंग टीम को भेजा। जांच के दौरान पता चला कि नाव का पिछले दो दिनों से स्टीयरिंग गियर खराब था और तब से वह भटक रही थी, जिसके कारण नाव भारतीय जल सीमा के अंदर चली गई। बीएफबी में 27 चालक दल/मछुआरे सवार थे।

अधिकारी ने बताया भारतीय तटरक्षक तकनीकी टीम ने खराबी की पहचान करने और उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब देखा कि नाव का पतवार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और समुद्र में इसकी मरम्मत नहीं की जा सकी। समुद्र की स्थिति और मौसम की स्थिति अनुकूल थी, इसलिए यह निर्णय लिया गया कि संकटग्रस्त नाव को भारत-बांग्लादेश आईएमबीएल में लाया गया। उसके बाद भारतीय तटरक्षक बल और बांग्लादेश तटरक्षक बल के बीच समझौते (एमओयू) के अनुसार उसे बांग्लादेश को सौंप दिया गया।

इस बीच, कोलकाता स्थित भारतीय तटरक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय ने बांग्लादेश तटरक्षक बल के साथ संचार स्थापित किया और उन्हें घटना और कार्ययोजना के बारे में सूचित किया।

सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों का राम नाम सत्य कर देते हैं: योगी

अलीगढ़ की विशाल जनसभा में बोले सीएम योगी

अलीगढ़, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रदेश में कभी कोई सोचता था कि यहां बेटी और व्यापारी रात को निडर होकर घर से निकल सकते हैं, लेकिन आज यह संभव है। हम सिर्फ राम को ही नहीं लाएं हैं बल्कि बेटी और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बनने वाले का राम नाम सत्य भी करवा देते हैं। प्रभु राम का नाम लेकर जीवन यापन करते हैं। बिना उनके कोई काम नहीं होता है। वहीं जो समाज की सुरक्षा के लिए खतरा बनेगा उसका राम नाम सत्य भी तय है।

10 वर्ष पहले जो सपना आपने देखा था, आज वह हकीकत बन गया है। यह आपके एक कीमती वोट से संभव हो पाया है इसलिए आपको अपने एक वोट की कीमता को समझना है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां आयोजित

विशाल जनसभा रैली को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी सतीश कुमार गौतम के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए खेरेश्वर मंदिर वाले बाबा खेरेश्वर महादेव, ऐतिहासिक सरोवर धरणीधर और महान चंद्रवंशी राजाओं की धरा को नमन किया। साथ ही उन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने वाले शिव नारायण पंडित, मंगला सिंह और महताब सिंह को नमन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में लोकसभा चुनाव 2024 का शंखनाद हो चुका है। वहीं दूसरे चरण में अलीगढ़ वासियों को भी मतदान करना है। देश में पहली बार 18वीं लोकसभा का चुनाव ऐसे हैं, जिसमें लोगों को कयास लगाने की जरूरत नहीं है। सभी को परिणाम पता है। यह पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए गए ऐतिहासिक कार्यों का परिणाम है। पूरे देश में उत्तर, पूरब, पश्चिम और दक्षिण में तीसरी बार मोदी सरकार यही आवाज गूंज रही है। आज हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के दर्शन कर रहे हैं। वर्तमान में दुनिया में देश का सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। इतना ही नहीं आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हुआ है जबकि देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिक कार्य हो रहे हैं। आज गाजियाबाद से अलीगढ़ का मार्ग सिक्स लाइन का बन गया है। आज यहां सीमेंट की फैक्ट्री है, प्रदेश दंगा और कर्फ्यू मुक्त हो गया है। वहीं कावड़ यात्रा धूमधाम से निकल रही है। दुनिया में अलीगढ़ के हस्तशिल्पी और कारीगरों को सम्मान मिल रहा है। अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर का एक नोड बनने की कार्रवाई चल रही है। राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर एक विश्वविद्यालय बनने जा रहा है। श्रमिकों और अनाथ बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय बनकर तैयार हो गया है, जिसकी बिल्डिंग वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का उदाहरण है। ये सब आपके एक वोट से हुआ है।

शिवपाल के बेटे आदित्य के बदायूं से चुनाव लड़ने की चर्चा

बदायूं, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी (सपा) ने बदायूं लोकसभा क्षेत्र के लिए पहले धर्मेंद्र यादव फिर उनकी जगह शिवपाल सिंह यादव को उम्मीदवार बनाया गया। अब शिवपाल सिंह यादव के स्थान पर उनके बेटे आदित्य यादव को चुनाव लड़ाया जा सकता है। सहसवान, बदायूं और गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र में सपा कार्यकर्ता सम्मेलन में इसके प्रस्ताव पारित हो चुके हैं। इस बीच शिवपाल यादव लखनऊ चले गए हैं। प्रचार की पूरी कमान आदित्य यादव ने संभाल ली है। तीन दिनों से आदित्य की चुनावी जनसभाएं कर रहे हैं। उम्मीदवारी के सवाल पर वह कहते हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष फैसला लेंगे।

धर्मेंद्र यादव 2009 में बदायूं आए और सांसद बने। दोबारा 2014 में लड़े फिर जीते। तीसरी बार 2019 में लड़े लेकिन हार गए। चौथी बार के लिए धर्मेंद्र यादव ही तैयारी कर रहे थे और कार्यकर्ता भी चाहते थे लेकिन सपा के कुछ नेताओं ने उनका विरोध कर दिया और सपा मुखिया अखिलेश यादव को

लिखकर दे दिया कि वे धर्मेंद्र यादव को चुनाव नहीं लड़ाना चाहते हैं, तब सपा मुखिया ने शिवपाल सिंह यादव के नाम का ऐलान किया।

ऐलान के 22 दिन बाद तक शिवपाल नहीं आए। वह अपने बेटे आदित्य को उम्मीदवार बनाना चाहते थे लेकिन जब बेटे को लड़ाने के लिए उच्च स्तर पर फैसला नहीं हो सका तो वह खुद चुनाव मैदान में उतरे। बेटे के साथ बदायूं आए। करीब सात दिन प्रचार किया। इसी दौरान सहसवान, बदायूं और गुन्नौर में सम्मेलन हुए, जिसमें आदित्य को लड़ाने की मांग मुखर होकर कार्यकर्ताओं ने उठाई।

खुद शिवपाल सिंह यादव और सपा के लोकसभा क्षेत्र के चुनाव प्रचारी पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष से कार्यकर्ता की भावनाओं के अनुरूप आदित्य यादव को चुनाव लड़ाए जाने का आग्रह करेंगे। इसके बाद दो अप्रैल को शिवपाल सिंह यादव लखनऊ चले गए। लखनऊ में उनकी अखिलेश यादव से मुलाकात हो गई है। इसके बाद ही सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि उम्मीदवार में जल्द ही बदलाव का ऐलान होगा। सपा के जिलाध्यक्ष आशीष यादव ने बताया कि चुनाव प्रचार चल रहा है लेकिन उम्मीदवार बदलने का विषय राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्तर का है। पार्टी जिसे अधिकृत करेगी हम उसे ही चुनाव लड़ाएंगे।

यूपी के 17 लाख मदरसा छात्रों को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई

नई दिल्ली/लखनऊ, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 22 मार्च को दिए आदेश पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को असंवैधानिक बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के ये कहना कि मदरसा बोर्ड संविधान के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत का उल्लंघन करता है, ये ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके साथ ही मदरसा बोर्ड के 17 लाख छात्रों और 10 हजार अध्यापकों को अन्य स्कूलों में समायोजित करने की प्रक्रिया पर भी रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने इस मामले में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस भी जारी किया है।

अंशुमान सिंह राठौर नामक एक वकील ने यूपी मदरसा कानून की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर हाईकोर्ट ने मदरसा कानून को असंवैधानिक मानते हुए इसे खत्म करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की डिविजन बेंच ने अपने आदेश में कहा कि सरकार के पास यह शक्ति नहीं है कि वह धार्मिक शिक्षा के लिए बोर्ड का गठन करे या फिर किसी विशेष धर्म के लिए स्कूल शिक्षा बोर्ड बनाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अपने आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह राज्य के मदरसों में पढ़ रहे छात्रों को अन्य स्कूलों में समायोजित करे।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में ये भी कहा था कि मदरसा कानून यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) कानून 1956 की धारा 22 का भी उल्लंघन करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 16,513 पंजीकृत और 8,449 गैर पंजीकृत मदरसे राज्य में संचालित हैं। जिनमें करीब 25 लाख छात्र पढ़ते हैं।

चौधरी साहब का सम्मान, अन्नदाता का सम्मान : योगी

मुख्यमंत्री ने बागपत में विजय शंखनाद रैली को संबोधित किया

बागपत, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां गेटवे इण्टरनेशनल स्कूल के मैदान में विजय शंखनाद रैली को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा एवं लोकदल के संयुक्त प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वीरों और स्वतंत्रता सेनानियों की धरती बागपत को नमन किया। सीएम योगी ने कहा कि ये वही भूमि है, जहां से अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध महाभारत की नींव पड़ी थी। 5 हजार साल पहले भगवान श्रीकृष्ण ने हस्तिनापुर के राजदरबार में जाकर पांडवों के लिए जिन पांच गावों की मांग की थी, उनमें से एक बागपत भी था। मगर दुर्योधन वह भी दे न सका, आशीष समाज की ले न सका, इसलिए महाभारत तो होना ही था।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें भारत माता के महान सपूत और पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह की पावन धरा पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बार हमारे लिए ये चुनाव और भी महत्व का हो जाता है। पहली बार किसानों के मसीहा के रूप में चौधरी चरण सिंह को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्राप्त हुआ है। ये न केवल कोटि कोटि अन्नदाताओं का सम्मान है, बल्कि यूपी वालों का गौरव भी है। प्रधानमंत्री मोदी

का आभार, जिन्होंने चौधरी साहब के मूल्यों और आदर्शों को ध्यान में रखा और अन्नदाताओं के मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया और किसान के हित में कल्याणकारी योजन-ाओं का क्रियान्वयन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बागपत में 26 अप्रैल को चुनाव होना है। भाजपा और रालोद ने मिलकर बागपत के लिए एक योग्य प्रत्याशी दिया है। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को इसके लिए विशेष धन्यवाद, जिन्होंने एक सामान्य व्यक्ति को बागपत से टिकट दिया है। डॉ राजकुमार सांगवान ने चौधरी चरण सिंह के जीवन मूल्यों को अपनाया है। इनके लिए अभी से यहां चुनावी गर्मी देखने को मिल रही है। इस गर्मी को 26 अप्रैल तक आते आते और ज्यादा बढ़ाना है। सीएम योगी ने वर्तमान सांसद डॉ सत्यपाल सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में व्यतीत किया, मगर बागपत का सांसद बनते ही वो यहां के विकास के लिए प्रण-प्राण से जुट गये। बागपत के लिए विकास की योजनाओं को उन्होंने दौड़-धूप करके 24 घंटे के अंदर दिल्ली और लखनऊ से पास कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बागपत पांच हाईवे से जुड़ रहा है। यहां हर घर नल योजना प्रभावी रूप से लागू हो रही है। गन्ना किसानों को गन्ना मूल्यों के भुगतान के लिए 5-10 साल इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। अब मात्र एक हफ्ते में ही गन्ना मूल्यों का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना विकास के भावी पीढ़ी को उज्जवल भविष्य नहीं दे सकते। बागपत में विकास के लिए रालोद का नल और भाजपा का कमल जरूरी है। उन्होंने पिछली सरकारों पर आरोप लगाया कि पहले बागपत का नौजवान सड़कों पर दौड़ता रह जाता था और जब सरकारी नौकरी की बारी आती थी तब उसे छंटनी करके बाहर कर दिया जाता था।

सीएम योगी ने कहा कि आज देश पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया की बड़ी ताकत बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। आतंकवाद और नक्सलवाद खत्म हुआ है, बहन-बेटी और व्यापारी सुरक्षित हुए हैं। व्यापार बढ़ा है और निवेश का माहौल बना है। किसी ने भी नहीं सोचा था कि देश और प्रदेश में इतने सारे कार्य होंगे। अब बागपत की जनता को यहां चुनाव की गर्मी को बढ़ाना होगा। फिर एक बार मोदी सरकार का संकल्प लेना होगा और मोदी सरकार के लिए बागपत से राजकुमार सांगवान को जिताने की आवश्यकता है। ये निर्वाचन क्षेत्र तीन जनपद में फैला हुआ, ऐसे में हमारे प्रत्याशी डॉ. राजकुमार सांगवान घर घर नहीं जा पाएंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं को भी डॉ राजकुमार सांगवान बनकर घर घर जाना होगा। भाजपा और लोकदल के कार्यकताओं को परस्पर समन्वय बनाकर आगे बढ़ना होगा। विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी को प्राण-प्रण से जुटना होगा। सीएम योगी ने पहले मतदान, फिर जलपान का आह्वान भी किया।

इस अवसर पर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी, सांसद डॉ सत्यपाल सिंह, सांसद पद के लिए भाजपा और राल-ोद के संयुक्त प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान, भाजपा जिलाध्यक्ष तेजपाल उपाध्याय, जिला प्रभारी चंद्रमोहन, लोकसभा प्रभारी अशोक नागर, संयोजक जितेन्द्र, प्रदेश सरकार में मंत्री कपिलदेव अग्रवाल, जसवंत सैनी, केपी मलिक, विधायकगण एवं भाजपा और रालोद के वरिष्ठ पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

यूपी में फिर गेमचेंजर बनेगी मुफ्त राशन योजना

योजना के तहत 3.60 करोड़ राशन कार्डधारकों को मिल रहा लाभ

लखनऊ, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

कोरोना के दौरान जब पूरे देश में लॉकडाउन लग गया था तब गरीब जनता को बड़ी राहत देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुफ्त राशन प्रदान करने की पहल की थी। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में और सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के अंदर इस योजना को वृहद स्तर पर लागू किया गया और प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को इसका सीधा लाभ मिला। 2022 के विधानसभा चुनाव में यह योजना बड़ा फैक्टर साबित हुई और इसके लाभार्थियों ने बड़ी संख्या में सीएम योगी के समर्थन में मतदान किया। अब 2024 के लोकसभा चुनावों में फिर यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। प्रदेश में 3.60 करोड़ राशन कार्ड होल्डर और उनके परिजन जब ईवीएम पर अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान केंद्र पहुंचेंगे तब उनके मन मस्तिष्क में डबल इंजन सरकार के प्रति सकारात्मक भाव होगा और उनकी निगाहें कमल के बटन का निशान ही ढूंढ़ती नजर आएंगी। मुश्किल समय में लोगों को पूरी पारदर्शिता के साथ मुफ्त राशन योजना का लाभ दिलाने के लिए किए गए ईमानदार प्रयास 2024 में सीएम योगी के 80 में 80 के संकल्प को पूरा करने में मददगार होंगे।

पीएम मोदी ने इस बार एनडीए के लिए 400 सीटों का लक्ष्य निर्धारित किया है। ऐसे में सीएम योगी ने भी प्रदेश में 80 में 80 सीटें जीतकर पीएम मोदी के लक्ष्य को पूर्ण करने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में लाभार्थी वर्ग पर फोकस किया जा रहा है। ये वही लाभार्थी वर्ग है, जिस तक पूरी पारदर्शिता के साथ राशन पहुंचाया गया है। जिनके राशन कार्ड बने हुए थे, उन्हें योजना का लाभ तत्काल रूप से प्रदान किया गया, जबकि अन्य पात्र लोगों का प्राथमिकता के आधार पर नया कार्ड बनवाया गया है। उत्तर प्रदेश में 28 नवंबर 2023 तक कुल 3.60 करोड़ कार्ड होल्डर थे, जिनके माध्यम से कुल 15.06 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का लाभ प्राप्त हो रहा था। इनमें 40.87 लाख अंत्योदय कार्डधारक (कुल 1.32 करोड़ यूनिट) एवं 3.19 करोड़ कार्ड पात्र गृहस्थी कार्डधारक (कुल 13.73 करोड़ यूनिट) शामिल हैं। यही नहीं जनवरी 2023 से नवंबर 2023 के बीच 547652 नए कार्ड धारक भी जोड़े गए हैं।

राशन वितरण में सरकार ने पारदर्शिता पर खासा ध्यान दिया है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति छूट न जाए। इसके लिए ई पॉस मशीनों से वितरण की व्यवस्था की गई है। आवंटन के सापेक्ष ई पॉस मशीन से 94.68 प्रतिशत तक वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की सभी 79,138 उचित दर दुकानों में ई पॉस मशीनों की स्थापना सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा, 99.93 प्रतिशत तक राशनकार्डों के मुखिया की आधार फीडिंग और 99.94 प्रतिशत तक आधार सीडिंग हो चुकी है। वहीं राशन कार्डों में मौजूद यूनिटों की 99.26 प्रतिशत तक आधार फीडिंग और 99.55 प्रतिशत तक आधार सीडिंग की जा चुकी है। अक्टूबर 2023 तक आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से वितरण सुनिश्चित किया गया है जो 99.82 प्रतिशत है।

प्रदेश में वन नेशन वन कार्ड को भी सुनिश्चित किया गया है। इसके अंतर्गत मई 2020 से अक्टूबर 2023 तक दूसरे राज्यों के 43,392 कार्डधारकों ने प्रदेश में मुफ्त राशन प्राप्त किया है तो वहीं उत्तर प्रदेश के 34,83,906 कार्डधारकों को अन्य राज्यों में राशन प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश सरकार की ओर से कोरोना महामारी के दौरान अप्रैल 2020 से अक्टूबर 2022 तक कुल 34.58 लाख नए राशन कार्ड जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मई 2021 से अक्टूबर 2022 तक 126.88 मी.टन खाद्यान्न वितरित कराया गया है तो 14,94,593 दिव्यांगजनों को एनएफएसए के अंतर्गत राशन कार्ड जारी किए गए हैं और 9829 निशक्त राशन कार्डधारकों को उनके घर तक राशन पहुंचाया गया है।

नए पावर स्टेशन, नई लाइनें जगमग होगी कुंभ नगरी

प्रयागराज, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रयागराज में महाकुंभ-2025 को लेकर तैयारियां तेजी से धरातल पर उतरने लगी हैं। योगी सरकार की मंशा के अनुरूप शासन स्तर पर हर कार्य पर पैनी नजर रखी जा रही है। महाकुंभ क्षेत्र में बिजली, सड़क और पानी की बुनियादी व्यवस्था के साथ अन्य कार्यों में तेजी से प्रगति हो रही है। बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से करने के लिए नए पावर स्टेशन स्थापित करने के साथ नई लाइनें बिछायी जा रही हैं।

महाकुंभ की शुरुआत हिंदू सनातन धर्म के अखाड़ों से निकलने वाली शोभायात्रा पेशवाई से होती है। इसमें अलग-अलग अखाड़े शहर के विभिन्न मार्गों से

होते हुए लाव लश्कर के साथ भव्य जुलूस के साथ कुंभ क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। पेशवाई के इन मार्गों में बिजली के पोल अक्सर असुविधा की वजह बन जाते हैं। ऐसे में उन्हें हटाया जा रहा है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पेशवाई के सभी मार्गों से बिजली के पोल हटाए जा रहे हैं। इसके लिए रक्षा मंत्रालय से अनुमति प्राप्त हो चुकी है। अब कुंभ क्षेत्र के परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में अंडरग्राउंड केबल बिछाने का कार्य रफ्तार पकड़ चुका है। इसी तरह ट्रिपल आईटी चौराहे से एयरपोर्ट तक अंडरग्राउंड केबल बिछायी जा रही है।

महाकुंभ-2025 के मद्देनजर प्रशासन अक्टूबर तक सभी कार्य पूरे कर लेना चाहता है ताकि कोई कमी हो तो उसे समय रहते पूरा किया जा सके। इसी के तहत शहर में बिजली के स्थायी कार्यों को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इसके तहत शहर में 132 केवी की क्षमता के दो बिजली घर बनाए जा रहे हैं। इसमें एक हेत-ापट्टी और दूसरा बेली का इलाका शामिल है। हेतापट्टी का बिजली घर चालू हो चुका है। वहीं बेली के स्टेशन को लेकर कार्यवाही चल रही है। इसके अलावा 94 वितरण परिवर्तक भी स्थापित हो चुके हैं।

सक्सेस मंत्रः सफल होने के लिए किसी भी विषय में गहराई से सोचें

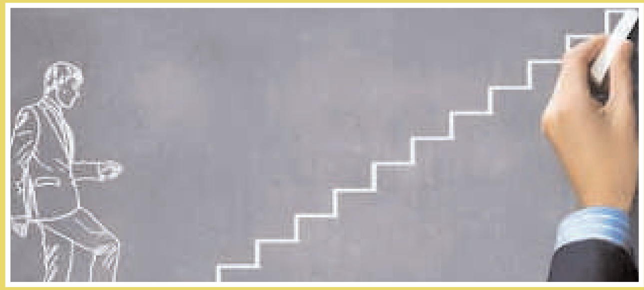

एक समय की बात है चौन और जिंग एक होलसेल कंपनी में काम करते थे। दोनों बहुत मेहनती थे। कुछ सालों के बाद उनके बॉस ने जिंग को प्रोमोशन दे दिया और चौन उसी पद पर रह गया।

एक दिन चौन को गुस्सा आ गया और उसने अपना इस्तीफा बॉस को सौंप दिया और बॉस से कहा कि वो मेहनती लोगों की कीमत नहीं समझते। बॉस जानते थे कि चौन भी मेहनती है। इसलिए उन्होंने चौन को इस बात का एहसास कराने की सोची कि वो जिंग से बेहतर नहीं है। इसके लिए उन्होंने चौन से बाजार जाकर य पता करके आओ कि बाजार में तरबूज बिक रहे हैं और कितने रुपए किलो बिक रहे हैं। चौन पता करके आया और उसने बताया कि मार्केट में 12 रुपए किलो तरबूज बिक रहे हैं। इसके बाद बॉस ने जिंग से भी वहीं सवाल किया। जिंग बाजार गया और पतचा करके उसने बताया कि सिर्फ एक आदमी तरबूज बेच रहा है। 12 रुपए किलो, 100 रुपए के 10 किलो। उसके बाद उसने बताया कि उसके पास कुल 340 तरबूज हैं। हर तरबूज का वजन कम से कम 15 किलो है और वह दो दिन पहले ही उन्हें खरीदकर लाया है। इसलिए वो ताजे हैं। इस बात को सुनकर चौन अपने और जिंग के बीच के अंतर को समझ गया। इसलिए उसने वहां से इस्तीफा न देने की सोची और बॉसे से कहा कि वो जिंग से सीखना चाहता है। इसलिए कहा जाता है कि सफल लोग हमेशा किसी काम को करने से पहले और बाद में गहराई से सोचते हैं।

सौंदर्य

चुटकियों में खूबसूरती निखारता है यह कॉकटेल पैकेज

पलूशन व नमी से अेसर स्किन डैमेज हो जाती है। ऐसे में स्किन में ग्लो लाने के लिए नॉर्मल फेशयल से बात नहीं बनती।`लीन स्किन पाने के लिए आप कॉकटेल पैकेज यूज कर सकती हैं। इन दिनों इसकी डिमांड जोरों पर है।

ऑर्गैनिक वैक्स

ऑर्गैनिक वैस आर्म्स, लैग्स और अंडरऑर्म्स की शेविंग में बेहद यूजफुल है। ऑर्गैनिक वैस अनवांटेड बॉडी हेयर्स को रिमूव कर देता है। यही नहीं, अंडरग्रोथ हेयर में भी यह वैस काम करती है। टैनिंग के इफेट को कम करने के साथ ही यह स्किन पर आए पैचेज को भी कम करता है।

आप कितना भी अच्छा और वॉटर प्रूफ मेकअप कर लें, पसीने की चंद बूंदे ही इसे बिगाड़ने के लिए काफी हैं। लेकिन अगर आपके चेहरे पर नैचरल ग्लो होगा, तो मेकअप धुलने के बाद भी इसकी चमक बरकरार रहती है।

डैमेज स्किन के लिए फायदेमंद

इन दिनों फेस का ग्लो बरकरार रखने के लिए कॉकटेल पैकेज का ट्रेंड है। कॉकटेल पैकेज के जरिए, स्किन का नैचरल मॉइश्चर और शाइनिंग वापस लाई जा सकती है। डैमेज स्किन के लिए भी यह ट्रीटमेंट बेहद यूजफुल है। कॉकटेल पैकेज में वे सभी चीजें आती हैं, जो स्किन को हेल्दी बनाती हैं। इस सीजन में स्किन की डीपे लीनिंग, पील ट्रीटमेंट और बालों को वॉल्यूम देना जरूरी है। कॉकटेल पैकेज में वे सभी चीजें रखी गई हैं, जो स्किन को गहराई से रिपेयर करती हैं।

फ्रेंच वाइन फेशल

स्किन में ब्राइटनेस लाने के साथ उसे टाइटनेस देने के लिए फ्रेंच वाइन फेशल बेस्ट है। दरअसल, वाइन में ऐंटी ऑसिडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जो पीएच लेवल में बैलेंस रख हेल्दी और ग्लोइंग स्किन देती हैं। यह ट्रीटमेंट स्किन टाइटनिंग और पोर्स टाइटनिंग के साथ ही स्किन ग्लो और टैन रिमूवल में काफी मदद करता है। गर्म और नम सीजन में स्किन पोर्स ओपन हो जाते हैं। वाइन फेशल इन परेशानियों को दूर करता है।

नैचरल मिल्क ब्लीच

अब ऐसी भी`लीचिंग आने लगी हैं, जिनमें नैचरल मिल्क प्रोटीन का यूज किया जाता है। जो डेड सेल्स को`लीन कर स्किन हेयर को नैचरल कलर देती है। इसे फेस, फ्रंट और बैक नेक पर लगाएं। यह टैन रिमूवर का काम तो करती ही है, स्किन का कलर फेयर करने में भी मदद करती है।

बीयर स्पा

गर्मियों में बाल अपनी शाइनिंग खो देते हैं, ऐसे में बीयर स्पा ट्रीटमेंट बेहद यूजफुल है। अचानक किसी अकेजन या फंशन में जाना हो, तो बीयर स्पा ट्रीटमेंट क्विक इफेट देता है। यह उन लोगों के लिए भी यूजफुल है, जिनके बाल बेहद पतले और हल्के होते हैं। यह कंडीशनर का भी काम करता है और बालों को शाइनिंग देने के साथ ही वॉल्यूम भी देता है।

ताकि कंप्यूटर बच्चों का दोस्त बने न कि दुश्मन

आजकल कंप्यूटर एक फैमिली मेंबर की तरह हो गया है। बच्चे स्कूल से लौटने के बाद कई घंटे इस पर बिताते हैं। डॉटर्स के मुताबिक, कंप्यूटर पर ज्यादा समय तक काम करने से शरीर का पॉश्चर बिगड़ जाता है। अंगुलियों को आराम न मिलने से दर्द होता है और कई बार अंगुलियां सूज भी जाती हैं। स्क्रीन पर लगातार घूरते रहने से आंखों में चुभन हो सकती है। इन दिक्कतों के चलते बच्चे की सेहत प्रभावित हो सकती है। इसलिए इन जरूरी बातों को याल रखें...

जॉइंट्स को नुकसान

देर तक गलत पॉश्चर में काम करने से नर्व और हड्डी से जुड़ी समस्याएं भी शुरू हो जाती हैं। जोड़ों के लिए मोशन लोशन का काम करता है। फिजिकल ऐक्टिविटीज से बॉडी में लिक्विड चीजों का प्रवाह बना रहता है और कार्टिलेज स्वस्थ रहते हैं जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं। गलत पॉश्चर में हर दिन 4 घंटे से अधिक बैठने से जोड़ धीरे-धीरे वीक होते चले जाते हैं। फिर बच्चों की तो अभी ग्रोथ हो रही है, अभी से अगर उन्हें सही चीजें नहीं सिखाई गईं तो भविष्य में उनके लिए ज्यादा दिक्कत हो सकती है। इसलिए जब भी बच्चा कंप्यूटर पर काम करे, उस पर नजर रखें।

घेर लेती हैं ये परेशानियां

लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करने से अेसर सिरदर्द, कमर या फिर गर्दन दर्द की परेशानी हो जाती है। फिर बच्चों का शरीर उतना मजबूत भी नहीं होता है। स्कूल में भी वह कई घंटे`लासरूम में बैठे रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि घर लौटने पर वह फिजिकल ऐेटिविटीज में भाग लें। पार्क में खेलें।`लास रूम में बोर्ड और घर में लगातार कंप्यूटर की स्क्रीन देखने के कारण या आपके बच्चों की आंखें लाल हो जाती हैं या पानी से भर जाती हैं? अगर हां, तो सावधान हो जाएं! डॉटर्स के मुताबिक, कंप्यूटर पर ज्यादा समय तक काम करने से शरीर का पॉश्चर बिगड़ जाता है। अंगुलियों को आराम न मिलने से दर्द होता है और कई बार अंगुलियां सूज भी जाती हैं। इसके अलावा चमकती स्क्रीन पर लगातार घूरते रहने से आंखों में चुभन हो सकती है। आंखें लाल हो जाना, उनमें खुजली होना और धुंधला दिखाई देना तो कंप्यूटर से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याएं हैं, जिनके वक्त रहते निदान की जरूरत होती है।

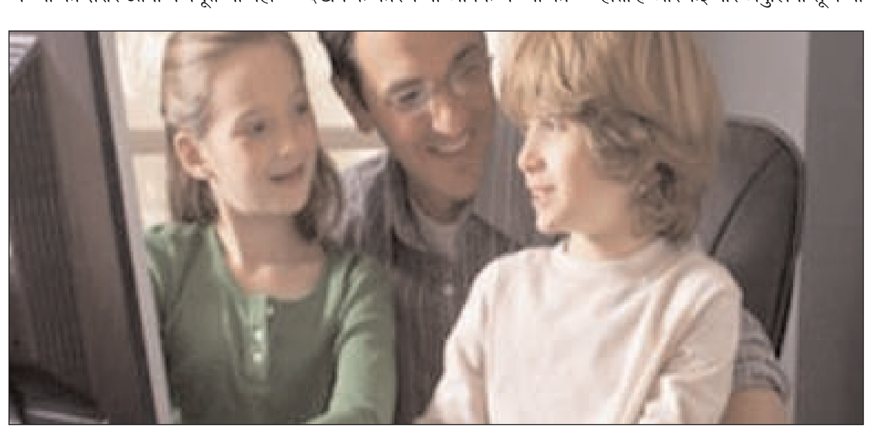

ड्राई आई सिंड्रोम

आंखों में जलन, चुभन महसूस होना, आंखें सूखी लगना, खुजली होना और उनमें भारीपन, पास की चीजें देखने में समस्या होना, रंगों का साफ दिखाई न देना, एक चीज का दो दिखाई देना, ये सब गलत ढंग से कंप्यूटर पर काम करने से होने वाली बीमारी के लक्षण हैं।

इसके अलावा यदि इन लक्षणों के साथ किसी व्यक्ति में अत्यधिक थकान होना, गर्दन, कंधों एवं कमर में दर्द होना, ये सब भी पाए जाएं तो इस अवस्था को केप्यूटर विजन सिंड्रोम कहते हैं। एकटक कंप्यूटर स्क्रीन को देखते रहने से आंखों के मॉइश्चराइजर पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे आंखों की नमी कम हो जाती है। आंखों की इस नमी बनाए रखने हेतु बार-बार पलक झपकाना जरूरी है। आपको चाहिए बच्चे के बैठने के तरीके पर ध्यान दें। साथ ही उसे हर एक घंटे पर अपनी आंखों को 5-10 मिनट तक मूंद कर रखने के लिए कहें, ताकि आंसू की परत फिर से तैयार हो जाए।

गर्मियों में बेल का रस पीने के 6 फायदे

बेल एक फल है, जिसका रस सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें प्रोटीन,विटामिन सी,थाइमीन जैसे और भी बहुत से जरूरी तत्व पाएं जाते हैं। गर्मी के मौसम में इसका सेवन करने से कई तरह की समस्याएं दूर रहती हैं। बाजार में बेल के बने शर्बत आसानी से मिल जाते हैं लेकिन बेल के फल का गुद्दा दूध और पानी के साथ मिलाकर पीना भी फायदेमंद होता है।

1. पेट की समस्या : पेट में गैस,जलन या केज है तो इसके लिए रोजाना बेल का शर्बत पीने से राहत मिलती है। बेल से अपच की समस्या भी दूर हो जाती है।

2. दस्त और डायरिया : गर्मी के कारण दस्त और डायरिया होने का खतरा ज्यादा रहते है। इससे बचने के लिए बेल के शर्बत का सेवन करें।

3. दिल की बीमारियां : बेल के शर्बत का सेवन करने से शरीर में ठंडक रहती है और इससे दिल से जुडी परेशानियां भी दूर हो जाती हैं।

4. खून करे साफ : बेल के शर्बत के रोजाना पीने से खून साफ रहता है। जिससे किसी भी संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

5. शरीर में ठंड़क : गर्मी के तपते मौसम में लू से बचने के लिए बेल का शर्बत पीएं। इससे शरीर में ठंड़क रहती हैं और लू नहीं लगती।

6. मुंह के छाले दूर : मुंह में बार-बार छाले हो रहे हैं तो इसके लिए बेल का शर्बत बैस्ट है। इसके सेवन से छाले ठीक हो जाते हैं।

सौंदर्य

खराब नेलपॉलिश को फेंके नहीं, यूं करें इस्तेमाल

नेलपॉलिश का इस्तेमाल नाखूनों को सजाने के लिए किया जाता है। महिलाओं के पास हर एक रंग की नेलपॉलिश होती है लेकिन थोड़े समय के बाद यह खराब हो जाती है और इसे फैंकना पड़ता है लेकिन इसका इस्तेमाल घर के दूसरे कामों के लिए किया जा सकता है। आइए जानिए किस तरह इस खराब नेल पॉलिश को दोबारा यूज कर सकते हैं।

- रसोई में साबुत मसालों के लिए एक जैसे डिबे लगे होते हैं लेकिन कई बार इन मसालों में फर्क कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में अलग-अलग रंग की नेलपॉलिश से जार पर निशानी लगा सकते हैं।

- लड़कियों को आर्टिफिशयल ज्वैलरी पहनने का बहुत शौंक होता है लेकिन कई बार उनके पास कपड़ों के रंग से मैचिंग ज्वैलरी नहीं होती। ऐसे में ड्रैस के रंग से मिलती-जुलती नेलपॉलिश को ज्वैलरी पर पेंट कर सकते हैं।

- घर में सभी दरवाजों के लिए अलग-अलग चाबी होती है जिसे इकट्ठा करके एक गुच्छे में रखा जाता है। अेसर ताला लगाते समय चाबियों का नंबर याद नहीं रहता। इसके लिए नेलपॉलिश से चाबी पर निशान लगा सकते हैं।

- कई बार पतली जुराबों का एक धागा निकल जाने से वह खराब हो जाती हैं। इसके लिए उसी रंग की नेलपॉलिश को उस जगह लगाएं जिससे और धागे नहीं निकलेगें और वह पहनने लायक भी हो जाएंगी।

- ऑफिस या कहीं बाहर शर्ट या`लाउज का बटन निकल जाए तो काफी शर्मिंदगी महसूस होती है। ऐसे में शर्ट पहनने से पहले बटन पर नेलपॉलिश का एक कोट लगा लें इससे वह दोबारा नहीं टूटेंगे। - लड़कियां सफेद जूतों के फीतों के लिए भी नेलपॉलिश का इस्तेमाल कर सकती हैं। फीतों पर रंग-बिरंगी नेलपॉलिश लगा सकते हैं। इस तरह सफेद जूतों में पिंक या नीले फीते बहुत बढ़िया दिखेंगे।

गुणों से भरपूर है चिरौंजी के बीज

चिरौंजी, इसे चारोली के नाम से भी जाना जाता है। इसके पेड़ की जड़, फल, पॉियां और गोंद का इस्तेमाल भारत में विभिन्न प्रकार की औषधीयों को बनाने में किया जाता हैं। इसके अलावा इसके बीज में विटामिन ए, बी1 बी2, फाइबर और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ बनाएं रखने में काफी मददगार साबित होते हैं।

1. प्रोटीन की कमी पूरी करें : चिरौंजी में प्रोटीन ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। रोजाना इसका सेवन करने से शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी हो जाती हैं।

2. सर्दी-जुकाम : सर्दी-जुकाम में भी इसका सेवन काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए आप घी में दो चेमच पिसी हुई चिरौंजी को छोंक लें। फिर इसे एक गिलास दूध में डालकर उबाल लें। और गुन गुना होने पर इसका सेवन करें। इसे पीने से आपको जल्दी आराम मिलेगा।

3. सुंदर त्वचा : गुलाब जल के साथ चिरौंजी को अच्छी तरह से पीस कर के एक लेप तैयार कर लें। अब इस लेप को चेहरे पर लगा लें। सूखने के बाद आप इस लेप को हल्के हाथों से रगड़ -रगड़ कर निकालें और फिर बाद में चेहरे को साफ पानी से धो लें।

4. कमजोरी दूर करें : कमजोरी दूर करने में चिरौंजी काफी फायदेमंद साबित होती है। रोजाना चिरौंजी के बीज को दूध में डालकर पीने से कमजोरी दूर हो जाती है।

5. मुंह के छाले ठीक करें : अगर आपके मुंह में छाले पड़ गए हैं तो ऐसे में चिरौंजी को दिन में दो बार बारीक चबा-चबा कर उसका सेवन करें। ऐसा करने से मुंह के छाले से राहत मिलेगी।

प्यार नहीं, रिश्तों में दिखने लगा है नफा-नुकसान!

रिश्तों में कैल्कुलेशन की बात सुनने में भले ही अजीब लगती हो, परंतु यह सच है कि आज रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव नाम मात्र को भी देखने में नहीं मिलता और हर रिश्ता नफा और नुक्सान को सोच कर ही बनाया जाता है या आगे चलता है। किसने आपको कितना दिया, आपने कहीं उससे हमेशा ज्यादा तो नहीं किया, सामने वाले के कांटैक्ट्स को आप कितना यूज कर सकते हैं या कौन आपके कितने काम आ सकता है, इस तरह की बातें अब हर इंसान सोचने लगा है। यदि सामने वाले से कोई फायदा नहीं तो वह रिश्ता बेमानी सा लगने लगता है। पुरानी पीढ़ी जहां इस तरह की सोच को स्वार्थ का नाम देती थी, वहीं आज की जैनेरेशन इसे प्रैक्टीकल का नाम देती है।

रिश्तों का गुणा हिसाब

यदि आपने किसी को शादी-`याह में शगुन डाला है, तो उेमीद की जाती है कि आपके यहां जब कोई ऐसा समारोह हो तो सामने वाला उससे ज्यादा ही डाले, यदि ऐसा नहीं हो पाता, तो दिलों का प्यार और रिश्तों का अपनापन जैसे खत्म ही हो जाता है।

खत्म हो जाते हैं रिश्ते

आज के दौर में रिश्ते निभाने का किसी के पास भी वक्त ही नहीं बचा, सो अपने गांव का या अपने शहर का होने पर जो रिश्ता कभी बनता लोगों के दिलों में उसके लिए तो बिल्कुल ही जगह नहीं बची है, इतना ही नहीं रिश्तदारी में भी दूर के मामा एवं चाचा के यहां रिश्तेदारी निभाने का किसी के पास वक्त नहीं है। यही कारण है कि अब उंगलियों पर गिने जा सकने वाले रिश्ते ही रह गए हैं और उनमें भी वक्त की कमी के कारण दूरियां आने लगी हैं।

पैसा, प्रोफेशन और कामयाबी जिम्मेवार

आज के दौर में अधिकांश लोग कामयाबी को छू रहे हैं, तो जाहिर सी बात है कि पैसा भी ज्यादा आता है, ऐसे में वे रिश्तेदार या दोस्त कहीं पिछड़ जाते हैं, जो कि जीवन में कोई मुकाम हासिल नहीं कर पाए हैं। शायद यही कारण है कि प्रोफेशनल रिश्तों को ज्यादा अहमियत दी जाती है, जिनसे बिजनेस में लाभ हो रहा हो या वे आपको प्रमोशन दिला सकते हों।

कैल्कुलेटिव होने के कारण

- समय की कमी भी इसका एक कारण है कि जिनसे हमें फायदा होता है, उन्हीं से हमारी बात भी होती है।

- आज के युवा ज्यादा प्रैटिकल हैं और वे अपना फायदा सबसे पहले देखते हैं।

- आज वीकेंड में अपने रिश्तेदारों के पास जाने का किसी के पास समय नहीं है, सो पार्टी, गैट-टूगैदर या पिकनिक अपने कलीग्स या फ्रैंडस के साथ करने से भी लोगों की सोच में हर दिन बदलाव आने लगा है।

थोड़ा सा बदलना जरूरी

आज एक बार फिर से यह सोचने और समझने की जरूरत है कि आप हर रिश्ते को नफा और नुक्सान से जोड़ कर नहीं देख सकते, कुछ रिश्ते आपको भावनात्मक भी बनाने पड़ेंगे, क्योंकि यही रिश्ते आड़े वक्त पर सही मायने में आपके काम आते हैं।

» रिश्ते बनाते समय जरूरत वाली सोच को अलग रखें।

» रिश्तों में प्यार एवं अपनेपन को जगह दें तथा उसकी भावनाओं का सम्मान करें।

» कई बार सामने वाले के लुक्स भले ही ना हों, परंतु मुसीबत के समय वह आपको भावनात्मक सहारा दे सकता है, जिससे कि आपको उन परिस्थितियों से बाहर आने में सहायता मिलेगी। इसी प्रकार उसी जरूरत के समय आप भी उसके साथ हमेशा खड़े रहें।

» पैसा, शोहरत और रुतबा पाने के बावजूद भी कई बार हम स्वयं को बेहद अकेला महसूस करते हैं, ऐसे में जो दोस्त हमारे साथ दिल से जुड़े होते हैं, उस अकेलेपन को बांटने बिना किसी स्वार्थ के आपके पास पहुंच जाते हैं।

» यदि आप किसी से मतलब का रिश्ता बना रहे हैं, तो जाहिर सी बात है कि दूसरे ने भी मतलब को देख कर ही आपसे दोस्ती की होगी अर्थात जहां मतलब खत्म वहां दोस्ती खत्म होने में एक पल भी नहीं लगेगा।

» इसलिए अपने दोस्तों एवं करीबी लोगों को समय दें तथा उनसे एक प्यारा सा रिश्ता हमेशा बना कर रखें।

» रिश्तों का अर्थ केवल लेन-देन ही नहीं होता और ना ही यह सोचे कि आपने महंगा उपहार दिया और सामने वाले ने सस्ता दिया, इस तरह की सोच रिश्तों में अंतर ही लाएगी।

» रिश्ते को रिश्ता ही रहने दें, उसमें व्यापार की भावना को घर ना बनाने दें।

» आप जिस समय रिश्तों में अपनी कैल्कुलेशन वाली सोच बदल देंगे, तो रिश्तों को निभाने का वक्त भी मिलने लगेगा और मन में यह खुशी भी होगी कि आपके पास कुछ ऐसे रिश्ते हैं, जो कि ताउम्र आपका साथ देंगे, भले ही जीवन में परिस्थितियां कैसी भी आ जाएं।

रेसिपी

स्पाईसी बाजरा पराठा

सामग्री

1 कप बाजरा का आटा, 2 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, नमक स्वादअनुसार, बाजरा का आटा , बेलने के लिए, 3 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए, मिलाकर भरवां मिश्रण बनाने के लिए ,3/4 कप चूरा किया हुआ लो फैट पनीर, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 3/4 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए : लो-फैट दही

विधि

भरवां मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। बाजरे का आटा, गेहूं का आटा और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें और जरुरत मात्रा में गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। थोड़े सूखे बाजरे आटा का प्रयोग कर, आटे के एक भाग को 125 मिमी (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। रोटी के आधे भाग में, भरवां मिश्रण के एक भाग को रखकर, चंद्राकार में मोड़ लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, और 1/2 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर पराठे के दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। दोहराकर 5 और पराठे बना लें। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसें।

चटपटा दहीवाला ब्रेड

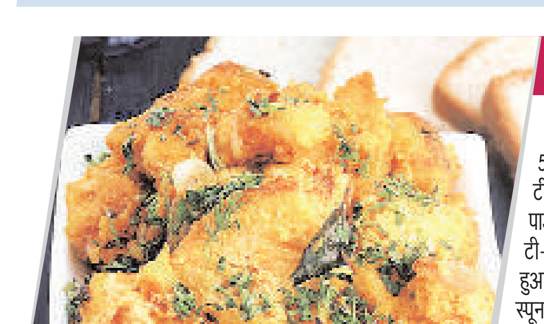

सामग्री

5 ब्रेड स्लाईस , टुकड़ो में कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/4 टी-स्पून हींग, 3 - 4 कड़ी पत्ता, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ट प्याज, 2 टेबल-स्पून तेल, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक बाउल में 2 दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डाले। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ी पत्ता और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। प्याज़ के स्लाईस डालकर मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक या उनके हल्के सुनहरे होने तक भून लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर धीमी आंच पर 1 से 2 मनट या ब्रेड के सुनहरा होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

दाग का राग

पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहते हैं। सत्ता के खेल जो विद्रूप न दिखा दें वो कम ही है। सत्ता केंद्रित राजनीति ने भ्रष्टाचार और पाक-साफ होने की अपनी-अपनी परिभाषा गढ़ ली है। कल तक विपक्ष में जो नेता दागदार होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद कहा जाता है कि ये दाग अच्छे हैं। सफाई की इस कार्रवाई में निगरानी करने वाली संवैधानिक एजेंसियों की खामोशी भी विचलित करती है। ऐसे तमाम सवाल इस देश के नागरिकों को उद्वेलित करते रहते हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है। विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल को दाग धोने वाली वॉशिंग मशीन बना लिया गया है। जिसके चलते नियामक संस्थाओं से ड्राइक्लीनिंग की चिट हासिल हो जाती है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है।

> सत्ता केंद्रित राजनीति ने भ्रष्टाचार और पाक-साफ होने की अपनी-अपनी परिभाषा गढ़ ली है। कल तक विपक्ष में जो नेता दागदार होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद कहा जाता है कि ये दाग अच्छे हैं। सफाई की इस कार्रवाई में निगरानी करने वाली संवैधानिक एजेंसियों की खामोशी भी विचलित करती है। ऐसे तमाम सवाल इस देश के नागरिकों को उद्वेलित करते रहते हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है। विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल को दाग धोने वाली वॉशिंग मशीन बना लिया गया है। जिसके चलते नियामक संस्थाओं से ड्राइक्लीनिंग की चिट हासिल हो जाती है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है।

दलील दी जा रही है कि जांच बंद नहीं हुई है, आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई की जाएगी। यूं तो जब ये नेता विपक्ष में होते हैं और जांच एजेंसियां उन पर कार्रवाई करती हैं तो सत्तारूढ़ दल की दलील होती है कि कानून अपना काम करता है। जबकि विपक्षी नेताओं का आरोप रहता है कि यह प्रक्रिया तभी तक चलती है जब तक यह राजनीति से प्रेरित न हो। उल्लेखनीय है कि भाजपा में जो पच्चीस राजनेता शामिल हुए हैं उनमें सभी राजनीतिक दलों के नेता हैं। जिसमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं। विडंबना है कि राजनीतिक निष्ठा बदलना इन नेताओं के लिये राहतकारी साबित हुआ है। वजह यह कि इन नेताओं से जुड़े बीस मामले ठंडे बस्ते में डाल दिये गए हैं। दलील यह दी जाती है कि मामले बंद नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ी तो जांच और कार्रवाई भी होगी। जो विपक्ष के उन आरोपों की पुष्टि करते हैं कि यह कार्रवाई राजनीतिक दुराग्रह के रूप में की जाती रही है। यही वजह है कि दल बदलने का फैसला राहत का रास्ता मान लिया जाता है। ऐसे में आम आदमी के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अचानक जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों हो जाती हैं? क्यों किसी एजेंसी को लेकर अदालत को कहना पड़ता है कि फलां एजेंसी पिंजरे में बंद तोता है और मालिक की बोली बोलता है। विपक्ष तो आरोप लगाता रहता है कि केंद्र में सत्ता परिवर्तन के बाद से ईडी और सीबीआई ने मुख्यतः बड़े राजनेताओं के खिलाफ ही कार्रवाई की है। यही वजह है कि विपक्ष सत्ता पक्ष को ऐसी वॉशिंग मशीन की संज्ञा देता है जिसमें कथित दागों की धुलाई हो जाती है। तब उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ता। ऐसा भी नहीं है कि तमाम ऐसी कार्रवाई सिर्फ केंद्र में राजग सरकार के दौरान ही हुई हो। यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में सपा-बसपा के साथ संबंध सुधरने के बाद सीबीआई ने इन दलों के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के मामलों में रुख बदल लिया था। इतना ही नहीं, विगत में सरकार बनाने और बहुमत जुटाने के लिये जो निष्ठा बदलने का खेल हुआ, उसके निहितार्थों में एजेंसियों की छाया महसूस होने की बात विपक्ष करता रहा है। यहां तक कि कई दलों के विभाजन के मूल में एजेंसियों की कार्रवाई के भय की भूमिका बतायी जाती रही है। दल-बदल के बाद उन पर चल रहे मामले या तो बंद हो गए या फिर ठंडे बस्ते में डाल दिए गए। वहीं कई ऐसे मामले भी होते हैं जो खुले तो रहते हैं लेकिन उनमें कार्रवाई होती नजर नहीं आती। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती।

भारतीय नागरिकता को उनकी इच्छा के बिना छीन लिए जाने से दुखी थे

नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर राजनैतिक हंगामा

कुलदीप चन्द अग्निहोत्री

> इंग्लैंड ने 1947 में अपनी संसद में एक अधिनियम पारित करके मजहब के आधार पर भारत के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान के नाम से अलग देश घोषित कर दिया था। लेकिन इंग्लैंड की संसद द्वारा यह अधिनियम पारित करने से पहले कांग्रेस ने दिल्ली में भारत को विभाजित करने का प्रस्ताव पारित किया। उसी प्रस्ताव के आधार पर इंग्लैंड की संसद ने पाकिस्तान बनाने का अधिनियम पारित किया था।

भारत की संसद ने 1947 में हुए भारत विभाजन के कष्टकारी नतीजों को ध्यान में रखते हुए 2019 में अपने नागरिकता अधिनियम को संशोधित करते हुए उसमें प्रावधान किया था कि भारत के उस हिस्से से जिसे। इंग्लैंड ने 1947 में अपनी संसद में एक अधिनियम पारित करके मजहब के आधार पर भारत के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान के नाम से अलग देश घोषित कर दिया था। लेकिन इंग्लैंड की संसद द्वारा यह अधिनियम पारित करने से पहले कांग्रेस ने दिल्ली में भारत को विभाजित करने का प्रस्ताव पारित किया। उसी प्रस्ताव के आधार पर इंग्लैंड की संसद ने पाकिस्तान बनाने का अधिनियम पारित किया था। जाहिर था कांग्रेस के प्रस्ताव और इंग्लैंड की संसद के अधिनियम का संयुक्त परिणाम यह हुआ कि करोड़ों भारतीय नागरिकों की भारतीय नागरिकता अपने आप समाप्त हो गई और वे रातों रात पाकिस्तान के नागरिक घोषित कर दिए गए। उनमें बहुत से नागरिक तो ऐसे थे जो नए देश पाकिस्तान के नागरिक बन कर ख़ुश थे। लेकिन करोड़ों लोग ऐसे भी थे जो उनकी भारतीय नागरिकता को उनकी इच्छा के बिना छीन लिए जाने से दुखी थे। इसी तरह शेष बचे भारत में भी बहुत से भारतीय नागरिक ऐसे थे जो अपनी भारतीय नागरिकता छोड़कर नए देश पाकिस्तान की नागरिकता लेना चाहते थे। लेकिन कांग्रेस ने भारत के विभाजन को लेकर तो प्रस्ताव पारित कर दिया लेकिन उस प्रस्ताव में नागरिकता को लेकर पैदा होने वाले इस संकट पर या तो ध्यान नहीं दिया या फिर वह ज़मीनी हालात से इतना कट चुकी थी कि उसे इसका अन्दाज़ा ही नहीं हुआ। यहाँ तक इंग्लैंड का प्रश्न था उसे इस स्थिति पर विचार करने की जरुरत ही नहीं थी। लेकिन डा॰ भीमराव रामजी आम्बेडकर, जो बाद में भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भी बने, नागरिकता को लेकर उत्पन्न इस गम्भीर संकट को पहचान गए थे। उन्होंने कहा था कि देश के बहुत से मुसलमान अपने लिए पाकिस्तान के नाम से एक अलग देश की माँग कर रहे थे। इसका अर्थ था कि वे भारतीय नागरिकता त्यागना चाहते थे। अब जब पाकिस्तान बन गया है तो ऐसे मुसलमानों को पाकिस्तान में ही चले जाना चाहिए। इसी प्रकार देश के जिस हिस्से को पाकिस्तान बनाया जा रहा था, उस हिस्से में रह रहे लाखों हिन्दु-सिख पाकिस्तान बनाने का विरोध कर रहे थे और वे भारतीय

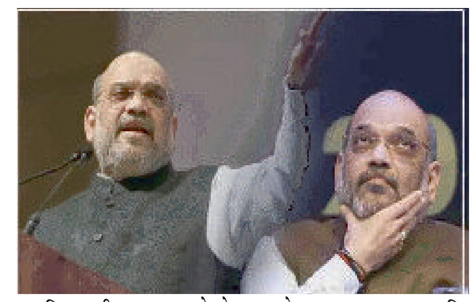

नागरिकता ही रखना चाहते थे। आम्बेडकर का प्रस्ताव था कि पाकिस्तान बनने पर इस प्रकार की आबादी की अगला बदली की व्यवस्था भी करनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक का भी मोटे तौर पर यही मत था। सरदार पटेल ने तो असम में जाकर अपने सार्वजनिक भाषण में भी यह बात कही थी कि अब पाकिस्तान बन गया है इसलिए जो मुसलमान भारतीय नागरिकता रहने से दुखी हैं वे पाकिस्तान जा सकते हैं। लेकिन नेहरु ने तुरन्त इसका विरोध किया। उधर पाकिस्तान में जो हिन्दु-सिख भारत की नागरिकता रखना चाहते थे, पाकिस्तान की नई सरकार उनको बलपूर्वक भारत नहीं आने दे रही थी। आम्बेडकर ने इस पर नेहरु को एक पत्र भी लिखा कि वे पाकिस्तान की सरकार पर दबाव डालें कि वह ऐसे हिन्दु-सिखों को भारत में आने से न रोकें। लेकिन भारत सरकार की इस क्रूर नीति के बावजूद लाखों हिन्दु-सिख अपनी भारतीय नागरिकता बचाने के लिए पाकिस्तान से चल पड़े। लाखों इस चाहत में ही मारे गए और लाखों सब कुछ लुटाकर ही भारत पहुँचने में कामयाब हो सके। लेकिन बहुत से लोग पाकिस्तान के दूर दराज़ के इलाक़ों में रहते थे वे भारत नहीं आ सके। कांग्रेस के नेता उन दिनों पाकिस्तान में रह रहे हिन्दु-सिख-बौद्धों से अपील कर रहे थे कि वे वहीं बने रहें। कुछ हिन्दु-सिख-बौद्धों ने कांग्रेस नेताओं की उस अपील को यथार्थ मान कर उस पर विश्वास कर लिया और पाकिस्तान में बने रहे। पाकिस्तान का निर्माण करवाने में इंग्लैंड की सहायता करने वाले मोहम्मद अली जिन्ना ने अपने पहले ही भाषण में कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दु-सिख-बौद्ध को डरने की जरुरत नहीं है। उनको अपने मजहब को मानने की पूरी आजादी होगी। कुछ हिन्दु-सिख-बौद्ध जिन्ना के इस धोखे में भी आ गए। लेकिन इस सभी से यह तो स्पष्ट हो गया था कि भारत सरकार को अपने नागरिकता अधिनियम को विभाजन के उपरान्त उत्पन्न हालात के अनुसार संशोधित करना जरुरी था क्योंकि इस कृत्रिम विभाजन के परिणाम दशकों तक ही नहीं बल्कि शताब्दियों तक आते रहेंगे। परिणाम तो विभाजन के तुरन्त बाद ही आने शुरु हो गए। पूर्वी बंगाल (पहले पूर्वी पाकिस्तान और अब बंगला देश) से जल्दी ही हिन्दु-सिख-बौद्ध वहाँ से भाग कर भारत आने लगे। वहाँ उनका रहना मुश्किल हो गया। इस्लाम में मतान्तरित होने के लिए वे तैयार नहीं थे। पाकिस्तान के विधि मंत्री जोगेन्द्र नाथ मंडल को भी पाकिस्तान से भाग कर भारत आना पड़ा। हालत यहाँ तक गड़बड़ा गए कि पश्चिमी पाकिस्तान से हिन्दु-सिख भाग कर अफ़ग़ानिस्तान में चले गए। लेकिन इस प्रकार के हालत में भारत सरकार को अपने नागरिकता अधिनियम में संशोधन करना चाहिए था ताकि जो लोग अपने पर बलपूर्वक थोपी गई पाकिस्तान नागरिकता को लेने को तैयार नहीं थे बल्कि अपनी भारतीय नागरिकता को ही प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील थे। लेकिन भारत सरकार अपने इस राष्ट्रीय दायित्व का पालन करने से बचती रही और लाखों हिन्दु-सिख-बौद्ध कष्टकारी जीवन व्यतीत करने के लिए अभिषप्त होते रहे। बंगला देश बनने के बाद इसके विपरीत एक अजीब दौर प्रारम्भ हो गया। बंगला देश से लाखों की संख्या में मुसलमान अवैध तरीक़े से भारत में घुसने लगे। ये वे लोग हैं जिन्होंने ब्रिटिश काल में मुसलिम लीग व ब्रिटिश सरकार के सहयोग से चलाए जा रहे 'भारत तोड़ो अभियान' में भाग लिया था जिसके परिणाम स्वरूप 1947 में भारत का विभाजन हो गया और इन्हें इनकी माँगी हुई पाकिस्तानी नागरिकता मिल गई। इनके भारत में आने का कारण क्या है? क्या वहाँ का सरकार (पाकिस्तानी या बांग्लादेशी) इन्हें इस्लाम मजहब के कारण तंग कर रही है? ऐसा तो सम्भव ही नहीं है क्योंकि पाकिस्तान और बंगला देश दोनों ही सांविधानिक लिहाज़ से भी इस्लामी देश है। तब येभारत में क्यों आ रहे हैं? क्या भारत में काम काज की तलाश में आते हैं? यदि ऐसा है दो इन्हें बाक़ायदा विधि के अनुसार भारत का वीज़ा व वर्क परमिट लेकर आना चाहिंए। लेकिन ये बिना वीज़ा के आते हैं।

दृष्टि कोण

लोकसभा चुनाव, राजग तैयार, इंडिया गठबंधन में रार

मोदी को सीधे चुनौती देने के लिए विपक्ष के पास कोईं कद्दावर नेता का विकल्प नहीं दिखता है। दरअसल लोकसभा चुनाव मोदी बनाम बाकी की जद में अटक गया है। राजग के उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतर रहे हैं लेकिन हर कोईं अपना वोट मोदी के नाम और काम पर मांग रहा है। लोकसभा चुनाव, राजग तैयार, इंडिया गठबंधन में रार लोकसभा चुनाव का प्रचार अभियान तेज होने लगा है। भारतीय जनता पाटा की अगुवाईं में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के चुनाव प्रचार की कमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभाल ली है। राजग में उम्मीदवार तय करने से लेकर जनसंपर्व और प्रचार अभियान मतदाता को रिझाने पर वेंद्रित हो गया है। नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिह और जे पी नड्डा की अगुवाईं में हर प्रदेश में भाजपा के नेता और कार्यंकर्ता चुनावी मैदान में जीत का परचम लहराने के लिए जुट गये है। उनके हौसले बुलंद हैं और वे मोदी तीसरी बार, अबकी बार 400 पार के असाधारण लक्ष्य को हासिल करने के लिये चुनावी रण की ओर निकल पड़े हैं। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविद केजरीवाल की शराब घोटाले में मुख्य साजिशकर्ता के आरोप में गिरफ्तारी के विरोध में एकजुट दिखने की कोशिश में लगा है। इस ाम में पहली बार दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के नेता एकत्र हुये और भ्रष्टाचार के खिलाफ नरेन्द्र मोदी की मुहिम को राजनीति से प्रेरित करार दिया। उन्होंने केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर एकजुटता दर्शाईं और मोदी सरकार पर संविधान को बदलने की साजिश रचने का आरोप लगाया। इन नेताओं ने वेंद्रीय जांच एजेंसियों प्रवर्तन निदेशालय और वेंद्रीय जांच ब्यूरो पर भ्रष्टाचार की आड में विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। लाल किले से स्वाधीनता दिवस पर भ्रष्टाचार के खिलाफ लडाईं तेज करने का संकल्प व्यत्त कर चुके प्रधानमंत्री मोदी ने अब कहा है कि चुनाव के बाद उनके तीसरे कार्यंकाल में भ्रष्टाचार पर प्रहार और तेज होगा। उत्तराखंड में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार की शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री ने रुद्रपुर में 'विजय शंखनाद' रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, तीसरे कार्यंकाल में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा। यह गारंटी मैं आपको देने आया हूं। मोदी ने कहा, ''भ्रष्टाचार से हर गरीब का हक छिनता है, हर मध्यम वर्ग का हक छिनता है और मैं किसी का हक किसी को छीनने नहीं दूंगा। मोदी ने कहा कि आने वाले पांच साल अभूतपूर्व काम और बड़े पैसलों के लिए होंगे लेकिन उसके लिए जनता को उन्हें और मजबूत करना होगा। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडी' ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे राहुल गांधी ने ऐलान किया है कि अगर देश ने तीसरी बार भाजपा सरकार को चुना तो आग लग जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर रहते ही देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं। देश में इमरजेंसी लगाने वाली कांग्रेस का लोकतंत्र पर भरोसा नहीं बचा है और इसलिए वह जनादेश के विरूद्ध लोगों को भड़काने में जुट गयी है। वास्तव में कांग्रेस देश को अस्थिरता की तरफ ले जाना चाहती है और अराजकता में झोंकना चाहती है। इंडिया गठबंधन भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाईं को उन्हें पीडित करने की कार्रवाईं अर्थात विक्टिम कार्ड खेलकर सहानुभूति बटोरना चाहता है। चुनाव में ये मुद्दा किसके हक में जाता है और उसका कितना असर पडता है इसे लेकर पक्ष विपक्ष एक दूसरे के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं। लेकिन इंडिया गठबंधन चुनावी तैयारियों को लेकर जमीनी स्तर पर काफी पीछे दिख रहा है। दरअसल जिस सोच के साथ यह गठबंधन बना था वह पहले ही तार तार हो चुका है। राजग के खिलाफ विपक्ष का संयुत्त उम्मीदवार खडा करने का इंडिया का मंतव्य पहले ही ध्वस्त हो चुका है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में इंडिया गठबंधन के बीच वोट ट्रांसफर न केवल बड़ी चुनौती है बल्कि सही मायने में दुष्कर कार्यं है। जिस तरह से बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर घमासान मचा हुआ है उससे इंडिया गठबंधन के नेताओं के दावे खोखले दिखाईं दे रहे हैं। बाहुबली पप्पू यादव और लालू यादव का परिवार एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं। हालत यह हो गईं है कि कांग्रेस पप्पू यादव से किनारा कर लालू यादव के परिवार का खुलकर पक्ष लेती दिख रही है। कांग्रेस लालू यादव के सामने बेबस दिखाईं दे रही है और उसके लिए अपना वजूद बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो गईं है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पाटा के सामने बेबस दिखाईं दे रही है। उद्धव ठाकरे की शिव सेना के प्रवत्ताओं ने जिस तरह से कांग्रेस को खुलकर चुनौतियां दी उससे कांग्रेस की न केवल फजीहत हुईं बल्कि उसकी साख को धक्का लगा है। तमिलनाडु में भी द्रमुक ने कांग्रेस को आइना दिखाया है। केरल में मार्क्सवादी पाटा का रवैया कांग्रेस के लिये नुकसानदेह साबित हो सकता है। राजग के लिये इंडिया गठबंधन चुनौती बन सकता था लेकिन जिस तरह से विपक्ष के बाकी दल कांग्रेस के अतीत और वर्तमान को लेकर बंटे हुये है उससे साफ है कि वे कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार करने के लिये तैयार नहीं हैं। फिर मोदी सरकार ने पिछले दस साल में कामकाज के लिहाज से अपनी छवि बनाईं है उससे भाजपा की स्थिति मजबूत बनी हुईं है। खुद मोदी की छवि एक विश्व नेता और सर्मपित कर्मठ नेता के रूप में उभरी है। आम धारणा बन गईं है कि मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढा है और दुनिया में भारत एक ताकतवर देश बनकर उभरा है।

कुछ अलग

छोटे दल कर सकते हैं बड़ा धमाका

असम में पहले चरण का मतदान हो गया है। बंगाल के चुनाव में बेशक शोरगुल भले ही सबसे अधिक हो, लेकिन असम का चुनाव भी कम अहमियत नहीं रखता। असम में मुकाबला त्रिकोणीय है, लेकिन हकीकत यह है कि असम में छोटे दल भी चुनाव परिणाम पर बड़ा असर डाल सकते हैं। असम में भाजपा नेतृत्व वाला गठबंधन कांग्रोस के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ सीधी टक्कर में दिख रहा है। एक तीसरा मोर्चा स्थानीय पार्टियों एजेपी और आरडी का भी है। इन गठबंधनों के साथ असम की छोटी क्षेत्रीय पार्टियों की मौजूदगी का असर इस पूवरेत्तर राज्य के चुनाव परिणाम पर देखने को मिल सकता है। सबसे पहले बात करते हैं कि कौन-सी क्षेत्रीय छोटी पाटा इस चुनाव में भाजपा का समर्थन कर रही हैं। इस पाटा का नाम है यूनाइटेड पीपुल्स पाटा लिबरल (यूपीपीएल)। यह असम के बोडोलैंड क्षेत्र की पाटा है और पिछले साल बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) में भाजपा के साथ इसने हाथ मिलाया था। पाटा के मुखिया ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष प्रामोद बोरो हैं जिन्हें वेंद्र और बोडो समूहों के बीच शांति समझौते में अहम भूमिका के लिए जाना जाता है। यूपीपीएल इस बार के चुनाव में भाजपा के साथ है और आठ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। रोचक बात यह है कि पाटा प्रादेश की तीन सीटों पर भाजपा के साथ दोस्ताना मुकाबला भी करेगी। असम में कांग्रोस गठबंधन की बात की जाए तो छोटी क्षेत्रीय पाटा के रूप में उसके पास बोडोलैंड पीपुल्स प्रांट यानि बीपीएफ का साथ है। बीपीएफ बोडोलैंड क्षेत्र की एक प्राभावशाली पाटा है और पूर्व में भाजपा की साझेदार रह चुकी है। इसके मुखिया हेगरामा मोहिलारी हैं, जिन्होंने इस बार कांग्रोस का हाथ थामने का पैसला किया है। कांग्रोस के खेमे में आंचलिक गण मोर्चा (एजीएम) भी एक ऐसी ही क्षेत्रीय पाटा है जो असम चुनाव पर असर डाल सकती है। राज्यसभा सांसद अजीत वुमार भूयन के नेतृत्व वाली एजीएम इस बार कांग्रोस गठबंधन की तरफ से दो सीटों पर चुनाव लड़ रही है। असम की विधानसभा में बीपीएफ के पास 12 सीटें हैं। इस पाटा की अहमियत इसी बात से समझी जा सकती है कि पिछले साल दिसम्बर में बीटीएस में 40 सीटों पर हुए चुनाव में बीपीएफ ने सबसे अधिक 17 सीटें जीती थीं। इस चुनाव में दूसरे नम्बर पर यूपीपीएल थी जिसे 12 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को नौ और कांग्रोस को एक सीट मिली थी। भाजपा और कांग्रोस के अलावा असम में एक तीसरा मोर्चा भी सव्रिय है। असम जातीय परिषद (एजेपी) और रायजोर दल (आरडी) ने मिलकर एक गठबंधन इस बार असम के चुनाव में बनाया है। यह दोनों ही पार्टियां सीएए विरोधी आंदोलन की देन है। एजेपी को असम के दो सबसे प्राभावशाली छात्र संगठनों ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन और असम जाति मतावादी युवा छात्र परिषद का समर्थन हासिल है। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के पूर्व महासचिव लुरिनज्योति गोगोईं एजेपी का नेतृत्व कर रहे हैं। दूसरी तरफ रायजोर दल का गठन बीते साल वृषक मुक्ति संग्राम समिति (केएमएसएस) ने 70 अन्य संगठनों के साथ मिलकर स्थानीय समुदायों के प्रातिनिधित्व के लिए किया था। वुल मिलाकर असम में यह छोटे दल व गठबंधन दोनों भाजपा और कांग्रोस का खेल बिगाड़ सकते हैं। देखना यह है कि असम में कौन-सा गठबंधन ज्यादा हावी होता है।

देश दुनिया से

धरती को बचाने इस हाथ दे उस हाथ ले

> बिगड़ते पर्यांवरण, बढ़ते प्रदूषण को लेकर दुनियाभर में जहां-तहां भारी- भरकम बैठकों का दौर चलता रहता है परन्तु वहां पर जुटे हुक्मरानों और अफसरानों की मौजूदगी के मुकाबले कितना वुछ हासिल हुआ या होता है यह सामने है। सच तो यह है कि दुनिया के बड़े-बड़े शहरों में ग्लोबल लीडरशिप की मौजूदगी के बावजूद प्रवृति के बिगड़ते मिजाज को काबू में नहीं लाया जा सका। उल्टा हमेशा कहीं न कहीं से पर्यांवरण के चलते होने वाले भारी-भरकम नुकसानों की तस्वीरें चिंता बढ़ाती रहती हैं। यदि वाकईं बिगड़ते पर्यांवरण या प्रवृति के रौद्र रूप को काबू में करना ही है तो शुरुआत हर एक घर से होनी चाहिए। धरती की सूखती कोख, आसमान का हांफता रूप बीती एक-दो पीढ़ियों ने ही देखा है।

सवाल वही कि बिगड़ते पर्यांवरण और प्रवृति के मिजाज को वैसे दुरुस्त रखा जाए? इसके लिए शुरुआत गांव, मोहल्ले और एक-एक घर से करनी होगी। जल, जंगल और जमीन के महत्व को सबको समझना और समझाना होगा। इस हाथ ले उस हाथ दे के फॉर्मूले पर हर किसी को सख्ती से अमल करना होगा। दुनियाभर में प्रवृति और पर्यांवरण को लेकर जितनी चिंता वैश्विक सगंठनों की बड़ी-बड़ी बैठकों में दिखती है, उतनी धरातल पर कभी उतरती दिखी नहीं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सामूहिक चिंतन और हर एक की चिंता से जागरुकता बढ़ती है। बिगड़ते पर्यांवरण, बढ़ते प्रदूषण को लेकर दुनियाभर में जहां-तहां भारी- भरकम बैठकों का दौर चलता रहता है परन्तु वहां पर जुटे हुक्मरानों और अफसरानों की मौजूदगी के मुकाबले कितना वुछ हासिल हुआ या होता है यह सामने है। सच तो यह है कि दुनिया के बड़े-बड़े शहरों में ग्लोबल लीडरशिप की मौजूदगी के बावजूद प्रवृति के बिगड़ते मिजाज को काबू में नहीं लाया जा सका। उल्टा हमेशा कहीं न कहीं से पर्यांवरण के चलते होने वाले भारी-भरकम नुकसानों की तस्वीरें चिंता बढ़ाती रहती हैं। यदि वाकईं बिगड़ते पर्यांवरण या प्रवृति के रौद्र रूप को काबू में करना ही है तो शुरुआत हर एक घर से होनी चाहिए। धरती की सूखती कोख, आसमान का हांफता रूप बीती एक-दो पीढ़ियों ने ही देखा है। इससे पहले हर गांव में वुंए, पोखर, तालाब शान हुआ करते थे। गमा की ऐसी झुलसन ज्यादा पुरानी नहीं है। वुछ बरसों पहले तक बिना पंखा, आंगन में आने वाली मीठी नींद भले ही अब यादों में ही है लेकिन ज्यादा पुरानी बात भी तो नहीं। बदलाव की चिंता सबको होनी चाहिए। सब से मतलब पठार से लेकर पहाड़ और बचे-खुचे जंगलों से लेकर वं्रीट की बस्तियों की तपन तक इस पर विचार होना चाहिए। सब जगह प्रावृतिक स्वरूप तेजी से बदल रहा है। काफी वुछ बदल गया है, बहुत वुछ बदलता जा रहा है। हल वहीं मिलेगा जब चिंता उन्हीं बिन्दुओं पर हो जहां इन्हें महसूस किया जा रहा हो। लेकिन हो उल्टा रहा है। हजारों किमी दूर, सात-सात समंदर के पार सीमेंट की चट्टानों की अट्टालिकाओं के एयरवंडीशंड हॉल में इन समस्याओं पर चर्चा तो होती है परन्तु जिस पर चर्चा होती है वहां के हालात सुधरने के बजाय दिनोंदिन बिगड़ते ही जाते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि ऐसे में ये ग्लोबल बैठवें कितनी असरकारक रहीं या होंगी? सब वुछ पूरी तरह साफ दिख रहा है। बढ़ती जनसंख्या, उसी अनुपात में आवश्यक्ताएं और त्वरित निदान के तौर पर मौजूद प्रावृतिक संसाधनों का बेतरतीब दोहन ही प्रवृति के साथ ज्यादती की असल वजह है। बजाय प्रावृतिक वातावरण को सहेजने के उसे लूटने, रौंदने और बर्बाद करने का काम ही आज तमाम योजनाओं के नाम पर हो रहा है! इन्हें बजाय रोकने और समझने की जगह महज बैठकों से हासिल करना औपचारिकता से ज्यादा वुछ नहीं है। भारतीय पर्यांवरणीय स्थितियों को देखें तो पर्यांवरण और प्रदूषण पर चिंता दिल्ली या राज्यों की राजधानी के बजाय हर गांव व मोहल्ले में होने चाहिए। इसके लिए सख्त कानूनों के साथ वैसी समझाइश दी जाए जो लोगों को आसानी से समझ आए। लोग जानें कि प्रवृति और हमारा संबंध पहले वैसा था और अब वैसा है। यह भले ही बहुत मामूली सी लगने वाली बात हो लेकिन कितनी महत्वपूर्ण है, समझना और समझाना होगा। वुछ बरस पहले एक विज्ञापन रेडियो पर खूब सुनाईं देता था। बूंद-बूंद से सागर भरता है। बस उसके भावार्थ को आज साकार करना होगा। आज गांवगांव में वं्रीट के निर्माण तापमान बढ़ा रहे हैं। साल भर पानी की जरूरतों को पूरा करने वाले वुंए बारिश बीतते ही 5-6 महीनों में सूखने लग जाते हैं। तालाब, पोखरों का भी यही हाल है। पानी वापस धरती में पहुंच ही नहीं रहा है। नदियों से पानी की बारहों महीने बहने वाली अविरल धारा सूख चुकी है। उल्टा रेत के पेर में बड़ी-बड़ी नदियां तक अपना अस्तित्व खोती जा रही हैं। सवाल वही कि बिगड़ते पर्यांवरण और प्रवृति के मिजाज को वैसे दुरुस्त रखा जाए? इसके लिए शुरुआत गांव, मोहल्ले और एक-एक घर से करनी होगी। जल, जंगल और जमीन के महत्व को सबको समझना और समझाना होगा। इस हाथ ले उस हाथ दे के फॉर्मूले पर हर किसी को सख्ती से अमल करना होगा। धरती का पानी लेते हैं तो वापस उसे लौटाने की अनिवार्यंता सब पर हो। जितना जंगल काटते हैं उतना ही वापस तैयार कर लौटाएं। गांव, नगर व शहरों के विकास के नाम पर सीमेंट के जंगल तो खड़े हो जाते हैं लेकिन उस अनुपात में बढ़ते तापमान को काबू रखने के लिए हरियाली पर सोचा नहीं जाता है।

आप का नजरिया

कांग्रेस को टैक्स राहत

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी दलों को मुकाबले में चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ कितने समान अवसर मिलते हैं। हाल के दिनों में पार्टी के बकाया कर मामले में कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उसके खाते सील होने के चलते उसे चुनाव लड़ने में दिक्कत हो रही है। वह अपने प्रत्याशियों को हवाई टिकट नहीं दे पा रही है। यह भी कि वह बड़ी चुनावी रैलियां नहीं कर पा रही है। आरोपों की तार्किकता और देश में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली पार्टी का वित्तीय प्रबंधन अपनी जगह है, लेकिन किसी भी मुकाबले का नैतिक नियम यही है कि चुनावी मुकाबले में हर राजनीतिक दल को बराबर का अवसर दिया जाए। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को वचन दिया है कि जुलाई तक आयकर विभाग कांग्रेस से बकाया तीन हजार पांच सौ करोड़ से अधिक के कर वसूलने के बाबत कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में कुछ ही हफ्ते बाकी रह गये हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को राहत देने के चलते यह प्रकरण कर मामलों के राजनीतीकरण के बाबत प्रासंगिक प्रश्न भी उठाता है। यही वजह है कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल 'कर आतंकवाद' के जरिये राजनीतिक लाभ उठाने के लिये राज्यतंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। यह प्रकरण इन्हीं आरोपों की कड़ी को विस्तार देता है। निश्चित रूप से, बार-बार आयकर विभाग की चेतावनी और ठीक चुनाव से पहले कांग्रेस के फंड पर रोक कई सवालों को जन्म देती है। जो किसी भी स्वतंत्र लोकतंत्र की पारदर्शी व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाता है क्योंकि ऐन चुनाव के वक्त पार्टी फंड पर रोक लगाने से कोई भी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार अभियान में पंगु हो जाता है। जो किसी भी लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता। बहरहाल, चुनाव के कुछ समय बाद तक आयकर बकाया मामले में कांग्रेस के खिलाफ आयकर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई न करने का वायदा निश्चित रूप से कांग्रेस को तात्कालिक वित्तीय दबाव से कुछ राहत जरूर देगा। लेकिन यह कदम कर कानून प्रवर्तन में निष्पक्षता और पारदर्शिता की अंतर्निहित चिंताओं का समाधान प्रदान नहीं करता है। निश्चित रूप से ऐसे मामलों में निष्पक्ष रूप से निर्णय लेने में न्यायपालिका की भूमिका कानून के शासन को स्थापित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी आरोप-प्रत्यारोप वाले राजनीतिक परिदृश्य में बीते रविवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ रैली' हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को देश के जनमानस के सामने रखती है। विपक्षी नेताओं का आरोप रहा है कि असहमति की आवाज को दबाने के लिये सत्तारूढ़ दल सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है। नेताओं ने विपक्षी नेता अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को राजनीतिक दुराग्रह से की गई कार्रवाई के रूप में दर्शाया है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

रेपो रेट में बदलाव नहीं,वित्त वर्ष 24-25 में 4.5 प्रतिशत रहेगी मुद्रास्फीति जीडीपी 7 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली,05 अप्रैल (एजेंसियां) । आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की लगातार सातवीं बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एमपीसी ने इसे 5:1 के बहुमत के आधार पर 6.5 प्रतिशत पर ही बरकरार रखा है। आइए विस्तार से समझें महंगाई और विकास दर पर केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने एमपीसी की बैठक के क्या-क्या कहा वित्तीय वर्ष 24-25 के लिए महंगाई दर का अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि इस वर्ष मानसून की स्थिति को सामान्य मानते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहली तिमाही में मुद्रास्फीति के 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। 2024-25 के लिए वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर कायम रखा गया भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर के अनुमान को सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है। यह 2023-24 के लिए 7.6 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आरबीआई ने अपनी फरवरी की मौद्रिक नीति में एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि ग्रामीण मांग गति पकड़ रही है और विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर वृद्धि से निजी निवेश को प्रोत्साहन मिलना चाहिए।हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार मार्ग में व्यवधान से कुछ दिक्कतें आ सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

निवेशकों के साथ विवाद पर बोला बायजू, एनसीएलटी में हो मध्यस्थता, रवींद्रन फोर्ब्स की सूची से बाहर

मुंबई । एडटेक स्टार्टअप बायजू फिलहाल वित्तीय संकट से जूझ रही है। एडटेक फर्म थिंक एंड लर्न- बायजू के सह-संस्थापक बायजू रवींद्रन ने मांग की कि नाराज निवेशकों से जुड़े मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा जाए। बायजू ने एनसीएलटी के समक्ष निवेशक परिषद के आरोपों का विरोध किया कि कंपनी ने अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने की प्रक्रिया पूरी किए बिना राइट इश्यू निवेशकों को शेयर जारी करके ट्रिब्यूनल के आदेश का उल्लंघन किया है। कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने के लिए 29 मार्च को एक असाधारण आम बैठक (ईजीएम) आयोजित की गई, जिसके बाद एनसीएलटी बेंगलुरु पीठ के समक्ष यह पहली सुनवाई थी। वित्तीय संकट से जूझ रही एडटेक स्टार्टअप बायजू के सह-संस्थापक बायजू रवींद्रन अब अरबपति नहीं रहे। लर्निंग एप के जरिये शिक्षा जगत में क्रांति लाने वाले रवींद्रन अब अर्श से फर्श पर पहुंच गए हैं। उनकी संपत्ति महज एक साल में 17,545 करोड़ रुपये से घटकर शून्य हो गई है। इसके साथ ही, फोर्ब्स ने अपनी वैश्विक अरबपतियों की सूची-2024 से उन्हें बाहर कर दिया है। एक साल पहले फोर्ब्स ने ही रवींद्रन को सबसे युवा भारतीय अरबपति बताया था। 2022 में एडटेक स्टार्टअप का मूल्यांकन 22 अरब डॉलर फोर्ब्स के मुताबिक, लगातार संकट की वजह से कंपनी के हालात काफी बिगड़ गए हैं। एक समय ऊंची उड़ान भरने वाली एडटेक कंपनी के लिए यह बड़ी गिरावट है। फोर्ब्स ने भारतीय अरबपतियों पर अपने लेख में कहा, ताजा सूची से सिर्फ चार लोग बाहर हुए हैं। इनमें पूर्व एडटेक स्टार बायजू रवींद्रन भी शामिल हैं। लगातार संकटों और विवादों में रहने के कारण ब्लैकरॉक ने कंपनी का मूल्यांकन घटाकर एक अरब डॉलर कर दिया है। 2022 में एडटेक स्टार्टअप का मूल्यांकन 22 अरब डॉलर था। छंटनी जारी, समय पर वेतन नहीं दे पा रही कंपनी कारोबार संभालने की कोशिश में बायजू रवींद्रन की निजी संपत्ति भी इसमें लग चुकी है। खस्ता हालत की वजह से बायजू में पिछले 12 महीनों में हजारों कर्मचारियों की छंटनी हो चुकी है। कंपनी की मुश्किलें इतनी बढ़ गई हैं कि वह कर्मचारियों को समय पर वेतन भी नहीं दे पा रही है। बायजू की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लि. ने लगातार दूसरे महीने कर्मचारियों का वेतन रोका है। कंपनी का कहना है कि राइट्स इश्यू के जरिये जुटाई गई राशि को जारी करने के लिए फिलहाल नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की हरी झंडी का इंतजार है, जिससे वेतन जारी करने में दिक्कत आ रही है। राइट्स इश्यू को लेकर निवेशकों से विवाद नकदी संकट के बीच बायजू ने राइट्स इश्यू पेश किया था। इसके बाद उसके निवेशकों ने कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए एनसीएलटी में एक याचिका दायर की है। इसके साथ विवाद और गहरा गया। बीते दिनों कंपनी के शेयरधारकों ने बायजू रवींद्रन और उनके परिवार को बोर्ड से हटाने के लिए एक बैठक बुलाई थी। इन शेयरधारकों में प्रोसस, जनरल अटलांटिक और पीक एक्सवी जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

देश की सबसे पुरानी पार्टी ने जीएसटी 2.0 लाने का वादा किया, कहा- एमएसपी की कानूनी गारंटी देंगे

नई दिल्ली । कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि पार्टी कांग्रेस तेजी से विकास और धन सृजन के लिए प्रतिबद्ध है।

हमने अगले 10 साल में जीडीपी दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है। कांग्रेस ने कहा है कि देश की जीडीपी (स्थिर कीमतों पर) 1990-91 में करीब 25 लाख करोड़ रुपये की थी। अगले 13 सालों में पहले कांग्रेस और फिर अलग-अलग गठबंधन सरकारों के कार्यकाल में जीडीपी दोगुनी होकर 2003-04 में 50 लाख करोड़ रुपये पर पहुंची। 2004 में यूपीए सरकार बनने के बाद अगले 10 वर्षों जीडीपी एक बार फिर दोगुनी होकर 100 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। पर उसके बाद भाजपा और एनडीए की सरकार ने अगले 10 साल में जीडीपी को फिर से दोगुना करने अवसर गंवा दिया। कांग्रेस ने कहा कि अगर पिछले 10 वर्षों में कांग्रेस की सरकार होती तो देश की अर्थव्यवस्था एक बार फिर दोगुनी होकर 2023-24 में 200 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई होती। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा के कुप्रबंधन के कारण ऐसा नहीं हो पाया और 2023-24 की समाप्ति पर जीडीपी महज 173 लाख करोड़ रुपये पर ही पहुंच पाई। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि हमारी पार्टी तेज विकास और धन सृजन के प्रति प्रतिबद्ध है। जीएसटी कानून पर कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा कि कांग्रेस एनडीए सरकार के जीएसटी कानूनों को जीएसटी 2.0 से बदलेगी। कांग्रेस ने कहा कि जीएसटी की नई व्यवस्था सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धांत पर आधारित होगी। जीएसटी एकल, मध्यम दर (कुछ अपवादों को छोड़कर) होगी जो गरीबों पर बोझ नहीं डालेगी। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि कृषि क्षेत्र के इनपुट पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा।

जल्द यूपीआई के जरिए पैसा जमा कर सकेंगे

कैश डिपॉजिट मशीन में मिलेगी सुविधा, अभी यूपीआई से पेमेंट और नकद निकासी की फैसिलिटी

नई दिल्ली,05 अप्रैल (एजेंसियां) । जल्द आप यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए कैश डिपॉजिट कर पाएंगे। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए गए फैसलों के बारे में बताते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यूपीआई की पॉपुलैरिटी और एक्सेप्टेंस को देखते हुए अब इसके माध्यम से कैश डिपॉजिट फैसिलिटी देने का प्रस्ताव है। यह सुविधा सीडीएम (कैश डिपॉजिट मशीन) में उपलब्ध कराई जाएगी। अभी सीडीएम के माध्यम से कैश डिपॉजिट करने के लिए डेबिट कार्ड का इस्तेमाल किया जाता है। अभी यूपीआई के जरिए पेमेंट करने के साथ नकद पैसे निकाल सकते हैं।

कस्टमर्स के कन्वीनिएंस को बढ़ाती कैश डिपॉजिट मशीन - आरबीआई ने बयान जारी करते हुए कहा कि बैंकों के जरिए लगाई गई कैश डिपॉजिट मशीन कस्टमर्स के कन्वीनिएंस को बढ़ाती है। साथ ही बैंक शाखाओं पर नकदी संभालने का भार भी कम करती हैं। यूपीआई की पॉपुलैरिटी और इसके माध्यम से कार्डलेस कैश विड्रॉल से मिले एक्सपीरिएंस को देखते हुए कैश डिपॉजिट करने की सुविधा देने का प्रस्ताव है। इसे कैसे चलाया जाएगा, इसकी जानकारी जल्दी ही दी जाएगी।

पीपीआई वॉलेट्स से यूपीआई पेमेंट की अनुमति देने का भी प्रस्ताव - इसके अलावा, आरबीआई ने पीपीआई (प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) यानी वॉलेट से यूपीआई पेमेंट करने के लिए थर्ड-पार्टी ऐप के इस्तेमाल की अनुमति देने का भी प्रस्ताव रखा है। फिलहाल वॉलेट से यूपीआई पेमेंट की सुविधा केवल पीपीआई कार्ड जारी करने वाली कंपनी के वेबसाइट या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके ही किया जा सकता है। शक्तिकांत दास ने बयान में कहा कि इससे पीपीआई कार्ड होल्डर्स को बैंक अकाउंट होल्डर्स की तरह ही यूपीआई पेमेंट करने में मदद मिलेगी। यानी वॉलेट का पैसे यूपीआई के जरिए किसी भी प्रकार के पेमेंट के लिए भी यूज किया जा सकता है। पीपीआई वॉलेट से यूपीआई पेमेंट करने की सुविधा मिलने के बाद अगर आपके पास कोई प्रीपेड कार्ड, स्मार्ट कार्ड मोबाइल पीपीआई वॉलेट होगा, तो उसमें रखे हुए पैसे को

यूपीआई के जरिए भी खर्च कर पाएंगे। इसके लिए आप फोनपे,गूगलपे,एमाजोनपे और अन्य थर्ड पार्टी यूपीआई ऐप्स को इस्तेमाल कर पाएंगे।

5 सितंबर 2023 को लॉन्च हुई थी कार्डलेस कैश विड्रॉल सुविधा - पहले देश में एटीएम के माध्यम से केवल क्रेडिट और डेबिट कार्ड के जरिए कैश निकालने की सुविधा थी। यूपीआई के जरिए कैश निकालने की सुविधा को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 5 सितंबर 2023 को लॉन्च किया था। इसे इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विड्रॉल सिस्टम भी कहा जाता है। आइए यूपीआई के माध्यम से स्टेप बाय स्टेप कार्डलेस कैश निकालने की प्रोसेस के बारे में जानते हैं- अभी अकाउंट में 2 तरीके से कैश जमा कर सकते हैं अभी आपको अपने या किसी और के बैंक अकाउंट में कैश जमा करना हो तो ये दो तरीके से हो सकता है। पहला बैंक जाकर पैसे अकाउंट में जमा कर दें। वहीं, दूसरा तरीका है कैश डिपॉजिट मशीन में डेबिट कार्ड के जरिए। आइए डेबिट कार्ड के माध्यम से स्टेप बाय स्टेप कैश जमा करने की प्रोसेस के बारे में जानते हैं-

डेबिट कार्ड के जरिए कैश डिपॉजिट मशीन में नकदी जमा करने की प्रोसेस

सबसे पहले कैश डिपॉजिट मशीन में डेबिट कार्ड डालें और पिन एंटर करें।, अकाउंट के प्रकार (सेविंग या करेंट) को चूज करें।, अब अमाउंट चूज करने के बाद कंटिन्यू पर क्लिक करें।, पैसे को कैश डिपॉजिट मशीन के स्लॉट में रखें और कंटिन्यू पर क्लिक करें।, अब मशीन नकदी कैश गिनने के बाद जमा किए जाने वाले अमाउंट को दिखाएगी।, अमाउंट सही होने पर डिपॉजिट पर क्लिक करें।, अब अमाउंट जमा हो जाएगा और रसीद जनरेट हो जाएगी।

यूपीआई क्या है - यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई को 2016 में लॉन्च किया गया। इसे नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। इसने आसान तरीके से सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। वॉलेट में केवायसी जैसी झंझट है, जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता।

यूपीआई कैसे काम करता है - यूपीआई सर्विस के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या आईएफएससी कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है। अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं। न सिर्फ पैसा बल्कि यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, खरीदारी आदि के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट या डेबिट कार्ड भी जरूरत नहीं होगी। ये सभी काम आप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस सिस्टम से कर सकते हैं।

अब जानते हैं यूपीआई पेमेंट करने के अलग-अलग तरीके

क्यूआर कोड स्कैन - किसी भी यूपीआई ऐप के होम स्क्रीन के सबसे ऊपर क्यूआर कोड आइकन पर टैप करें। स्क्रीन पर अपने फोन के कैमरे से क्यूआर कोड पर पाइंट करें जिसे स्केन करना चाहते हैं। आप सीधे पेमेंट पेज पर पहुंच जाएंगे, यहां अमाउंट डालें और प्रोसेस पर टैप करें। डायनामिक क्यूआर कोड होने पर पेमेंट राशि खुद ब खुद पेमेंट पेज पर आ जाती है। अब यूपीआई पिन दर्ज करें और पेमेंट ऑप्शन पर टैप करें, आपका पेमेंट हो जाएगा।

मोबाइल/अकाउंट नंबर से यूपीआई - किसी भी यूपीआई ऐप के होम स्क्रीन पर मोबाइल/अकाउंट नंबर आइकन पर टैप करें। स्क्रीन पर ओपन विंडो में मोबाइल/अकाउंट नंबर दर्ज करें जिसे पेमेंट करना चाहते हैं।

कोलकाता-दिल्ली से सिक्किम के पाक्योंग हवाई अड्डे के लिए उड़ानें फिर बहाल

कोलकाता,05 अप्रैल । किफायती विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने कोलकाता और दिल्ली से सिक्किम के पाक्योंग हवाई अड्डे के लिए अपना उड़ान संचालन फिर से शुरू कर दिया। दिल्ली-पाक्योंग मार्ग पर हफ्ते में पांच दिन उड़ानें संचालित होंगी। जबकि कोलकाता-पाक्योंग मार्ग पर प्रतिदिन उड़ानें संचालित होंगी। एयरलाइन ने एक बयान में यह जानकारी दी।

एयरलाइन ने कहा, हम आगामी व्यस्त यात्रा सीजन से पहले अयोध्या और पाक्योंग तक कनेक्टिविटी बढ़ाने को लेकर खुश हैं। स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, बेड़े के विस्तार के साथ हम नए मार्गों पर उड़ानों को शुरू करने और प्रमुख लोगों के लिए सेवाओं को बहाल करने के लिए तैयार हैं। एयरलाइन की सेवाएं 31 मार्च को फिर से शुरू हुईं। पाक्योंग हवाई अड्डे के कार्यवाहक हवाई अड्डा निदेशक (एपीडी) बीटी पोटे ने बताया कि गर्मियों के दौरान पाक्योंग हवाई अड्डे के लिए उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने से हिमालयी राज्य में बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, सेवाएं बहाल होने के बाद से सभी उड़ानें भरी हुई हैं। मौसम बहुत अच्छा है और हम मानसून के दौरान भी हवाई अड्डे तक उड़ानों के रखरखाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी हिस्सों और आसपास के क्षेत्रों से हवाई अड्डे तक सड़क संपर्क भी पर्यटकों की परेशानी मुक्त यात्रा के लिए अच्छा है।

टेबल-टॉप रनवे वाले इस हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाओं को कुछ परिचालन कारणों से करीब छह महीने पहले निलंबित कर दिया गया था। स्पाइसजेट ने 2018 में पाक्योंग हवाई अड्डे के लिए उड़ान संचालन शुरू किया था। लेकिन कम दृश्यता सहित विभिन्न परिचालन कारणों से सेवाएं नियमित नहीं रहीं।

समय-सारणी (शेड्यूल) के मुताबिक, विमान कोलकाता से रोजाना सुबह 8.05 बजे उड़ान भरेगा और 9.35 बजे पाक्योंग पहुंचेगा। फिर वहां से सुबह 10.30 बजे रवाना होकर 12.10 बजे कोलकाता पहुंचेगा। इसी तरह नई दिल्ली से विमान सुबह 9.45 बजे उड़ान भरेगा और दोपहर 12.400 बजे सिक्किम के हवाई अड्डे पर पहुंचेगा। विमान 1.10 बजे वापसी के लिए उड़ान भरेगा और शाम 4.10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगा।

रिकॉर्ड स्तर से फिसले सोने-चांदी के भाव, सोना 69 हजार, चांदी 79 हजार रुपए के करीब

नई दिल्ली,05 अप्रैल (एजेंसियां) । बीते कई दिनों से लगातार बढ़ रहे सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। देश के बाजारों में सोने के वायदा 69 हजार रुपये और चांदी के वायदा भाव 79 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में नरमी देखने को मिल रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 410 रुपये की गिरावट के साथ 69,297 रुपये के भाव पर खुलकर 302 रुपये की गिरावट के साथ 69,405 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 645 रुपये की गिरावट के साथ 79,339 रुपये के भाव पर खुलकर 1,059 रुपये की गिरावट के साथ 78,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वहीं वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तो तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव में गिरावट देखी जाने लगी। चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,309.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,308.50 डॉलर था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 11.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,296.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसने 2,324.80 डॉलर के भाव पर उच्च स्तर छू लिया।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.06 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.24 डॉलर था। फिलहाल यह 0.69 डॉलर की गिरावट के साथ 26.55 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चोरी के डेबिट कार्ड लॉटरी टिकट खरीदकर पछता रहे चोर 42 करोड़ की लॉटरी खुली लेकिन मिली फूटी कौड़ी नहीं

लंदन,05 अप्रैल (एजेंसियां) । आपके किस्मत का कोई चुरा नहीं सकता, यह कहावत एक बार पुन: सच साबित हो गई। दरअसल यह पूरा मामला कुछ ऐसा है कि चोरों ने एक शख्स का डेबिट कार्ड चुरा लिया। उसी से लॉटरी का टिकट खरीदा। उन्हें लगा कि अगर जीत जाएंगे तो पैसे उनके खाते में आ जाएंगे। लेकिन किस्मत ऐसी कि फूटी कौड़ी तक उन्हें नहीं मिली और जिस शख्स का डेबिट कार्ड था, वह मालामाल हो गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बोल्टन के रहने वाले जॉन-रॉस वॉटसन और मार्क गुडराम ने लॉटरी टिकट खरीदने के लिए किसी और के बैंक कार्ड का इस्तेमाल किया। लेकिन जब नतीजा आया, तो खुशी से नाचने लगे। दोनों ने 4 मिलियन पाउंड यानी 42 करोड़ का जैकपॉट जीता

था। एक सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ था, जिसमें वॉटसन को नाचते और कूदते हुए दिखाया गया है। मार्क गुडराम खुशी में काउंटर पर अपनी मुट्ठियां मारता हुआ नजर आता है। लेकिन उनकी यह खुशी पलभर ही काफूर हो गई। जब मार्क गुडराम ने लॉटरी के पैसे लेने के लिए दावा ठोका, तो जांच में मामला कुछ और ही निकला। पता चला कि उसके पास तो कोई बैंक खाता ही नहीं। जब बैंक खाता ही नहीं, तो उसने जिस बैंक कार्ड से टिकट खरीदा, आखिर वो किसका था इसके बाद ही लॉटरी अधिकारियों को उस पर शक हुआ और जांच शुरू की गई। जांच में गुडराम ने बताया कि टिकट खरीदने के लिए उसने जिस कार्ड का इस्तेमाल किया था, वह जॉन नाम के एक दोस्त का था। जॉन के पास उसका पैसा बकाया था, इसलिए उसने कार्ड ले लिया था। इसीलिए जब वह टिकट खरीद रहा था, तो जॉन का नाम नहीं बताया। मगर जांच में और भी सनसनीखेज खुलासा हुआ। पता चला कि जिस कार्ड से दोनों ने लॉटरी टिकट खरीदे थे, वो तो जॉन का था ही नहीं। वह चोरी किया गया डेबिट कार्ड था, जो वास्तव में जोशुआ नाम के शख्स का था। चोरों ने उसी का इस्तेमाल कर कार्ड खरीदा। उन्हें यकीन नहीं था कि वे फंस जाएंगे। बाद में दोनों को 18-18 महीने की जेल हो गई।

दवाओं पर बीता बचपन, 16 की उम्र में किया ये काम, अब 21 की उम्र में कमा रहीं करोड़ों

नई दिल्ली,05 अप्रैल (एजेंसियां) । आज के समय में अधिकतर युवा सोशल मीडिया को अपने करियर के तौर पर चुन रहे हैं और पैसा कमाने के साथ-साथ अपनी एक पहचान भी बना रहे हैं। एक ऐसी युवा यूट्यूबर प्रगति वर्मा हैं जो महज 21 साल की हैं, मगर वह इतनी छोटी-सी उम्र में करोड़ों रुपए कमा रही हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि प्रगति की उम्र वाले युवा जहां अपने करियर को लेकर कंफ्यूज हैं, वहीं प्रगति की सोशल मीडिया एवं यूट्यूब पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। इसलिए आज इस आर्टिकल में हम सक्सेसफुल प्रगति वर्मा की कहानी आप सभी के लिए लेकर आए हैं। इससे आपको बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। आप सभी प्रगति वर्मा की कहानी जोश टॉक्स के यूट्यूब चैनल पर भी सुन सकते हैं।

छोटी-सी उम्र में बड़ी-बड़ी उपलब्धियां - प्रगति वर्मा एक यूट्यूबर हैं जो सोशल मीडिया पर बहुत ही फेमस हैं। प्रगति यूट्यूब के तीन चैनलों पर काम करती हैं जिसके कुल 27 मिलियन से भी अधिक सब्सक्राइबर हैं।उत्तर प्रदेश के गोरखपुर शहर से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचना प्रगति के लिए मुश्किलों से भरा था। वह 16 साल की उम्र से यूट्यूब पर सफलता पाने के लिए स्ट्रगल कर

रही हैं। प्रगति जब 5वीं क्लास में थी तब से वह कई सारे शॉर्ट्स वीडियो को एडिट किया करती थी, इसके बाद उन्होंने ठान लिया कि अब वह यूट्यूब चैनल बनाएंगी और अपनी एक अलग पहचान बनाएंगी।

दवाइयों पर बीता बचपन - आज के समय में माइग्रेन की समस्या काफी तेजी से बढ़ती जा रही है। प्रगति वर्मा बचपन से ही माइग्रेन की परेशानी से लड़ रही हैं। यह सबसे बड़ा कारण है कि प्रगति को बचपन से ही दवाइयों का सहारा लेना पड़ता है। जब प्रगति 2018 में अपने बोर्ड एग्जाम्स की तैयारी कर रही थी तो उन्हें यूट्यूब से पढ़ना पड़ता था, क्योंकि वह सिरदर्द की समस्या के कारण स्कूल नहीं जा पाती थी। इन सभी चीजों के दौरान प्रगति को पता चला कि यूट्यूब पर किस तरह की वीडियो को अपलोड करना चाहिए। इससे उन्होंने अलग-अलग तरह की एक्टिविटी के साथ यूट्यूब पर वीडियो बनानी शुरू कर दी। इस यूट्यूब जर्नी में प्रगति को अपनी माँ और बहन का भरपूर साथ मिला।

एक लाख सब्सक्राइबर होने पर भी नहीं मिला पैसा - आज भी प्रगति यूट्यूब के साथ-साथ अपनी पढ़ाई को बरकरार रख रही हैं। जब वह 11वीं में थी तो उनके चैनल के एक लाख सब्सक्राइबर पूरे हो चुके थे। मगर उन्हें ना तो उस वक्त तक उन्हें सिल्वर प्ले बटन मिला और ना ही एक भी रूपया। कुछ टेक्निकल प्रॉब्लम के कारण एक लाख सब्सक्राइबर होने के बावजूद भी प्रगति को रेवेन्यू नहीं मिला। इसके बाद प्रगति ने हजार कोशिशें कि तब जाकर 2 लाख सब्सक्राइबर होने पर उन्हें अपना पहला पेमेंट रिसीव हुआ। वहीं प्रगति बताती हैं कि जब इतने दिनों का रेवेन्यू एक साथ 49 हजार आया तो उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि यूट्यूब से इतने सारे पैसे भी कमाए जा सकते हैं।

12वीं में आए 93 प्रतिशत - प्रगति वर्मा पढाई में भी बहुत अच्छी थी जिसका परिणाम उन्हें 12वीं के रिजल्ट के साथ मिल चुका था। जी हां, वह अपना इंटरमीडिएट एग्जाम 93 परसेंट के साथ क्वालीफाई कर चुकी थी। इस सफलता पर प्रगति के साथ-साथ उनके परिवार के सभी लोग भी बहुत खुश थे, इसकी एक वीडियो प्रगति ने अपने यूट्यूब चैनल पर भी डाल दी। इसके बाद तो प्रगति की खुशी का कोई ठिकाना नहीं था क्योंकि वह वीडियो यूट्यूब पर ट्रेंड जो कर रही थी, यह बात प्रगति के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि में से एक थी।

लॉकडाउन में शुरू किया रियल लाइफ चैलेंज - लॉकडाउन शुरू होने के बाद से सभी लोगों का घर से बाहर जाना बंद हो गया। वहीं प्रगति को भी अपने परिवार से यूट्यूब के लिए पूर्ण रूप से छूट मिल गई। मगर इतना आगे जाने के बाद प्रगति को लगने लगा वह उन्हीं वीडियो के कांसेप्ट से आगे बढ़ रही हैं जो दूसरे लोग बहुत पहले से कर रहे हैं। अब प्रगति को अपने यूट्यूब पर कुछ नया और बेहतर करना था जिसके लिए उन्होंने रियल लाइफ चैलेंज शुरू किया। इसपर प्रगति को लोगों के बहुत अच्छे रिस्पॉन्स देखने को मिलने लगे। प्रगति की कई सारी चैलेंजिंग वीडियो लोगों को काफी पसंद आने लगी। इससे सोशल मीडिया पर प्रगति की लोकप्रियता भी काफी तेजी से बढ़ने लगी।

मां ने कहा: कब आएगा डायमंड प्ले बटन - प्रगति वर्मा अपनी यूट्यूब जर्नी के दौरान जब भी डिमोटिवेट होती थी तो उन्हें अपनी मां से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रहती थी। वहीं जब प्रगति ने सिल्वर प्ले बटन के साथ-साथ गोल्डन प्ले बटन हासिल कर लिया तब प्रगति की मां ने उनके सामने डायमंड प्ले बटन की इच्छा जताई। इसके बाद प्रगति को समझ नहीं आ रहा था कि एक मिलियन सब्सक्राइबर करने में इतने साल लग गए तो 10 मिलियन करने में कितना ज्यादा वक्त लगेगा। इसलिए प्रगति ने एक शॉर्ट्स वीडियो के लिए अलग से चैनल बनाया और उसपर काम करना शुरू कर दिया।

8 महीने में हुए 10 मिलियन सब्सक्राइबर पूरे - प्रगति वर्मा अपनी मां की इच्छा को पूरा करने के लिए मेहनत में लग जाती हैं और एक नए चैनल पर शॉर्ट्स वीडियो डालने लगती हैं। मगर वीडियो को अपलोड करने के लिए प्रगति को अपनी रातों की नींद गंवानी पड़ी। बता दें, पूरे दिन प्रगति वीडियो शूट करती थी और रातभर एडिट करके वीडियो पोस्ट करती थी। इससे ना उन्हें अधिक सोने का वक्त मिलता था और ना ही किसी अन्य चीजों में भाग लेने का मौका।

अभी भी जीत की खुमारी में डूबा हुआ हूं: शशांक

अहमदाबाद,05 अप्रैल (एजेंसियां) । गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शशांक सिंह को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रोमांचक आईपीएल 2024 मुकाबले में किंग्स के लिए मैच जिताकर बहुत अच्छा लग रहा है। छठे नंबर पर उतरते हुए शशांक ने 29 गेंदों में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेलते हुए किंग्स के लिए तीन विकेट और एक गेंद शेष रहते मैच जीत लिया।

नवोदित आशुतोष शर्मा के साथ उनकी साझेदारी महत्वपूर्ण थी क्योंकि दोनों बल्लेबाजों ने केवल 22 गेंदों पर 43 रन जोड़े। जब शशांक 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए नौवें ओवर में बल्लेबाजी करने आए तो पंजाब का स्कोर 4 विकेट पर 70 रन था। शशांक ने अपना पहला आईपीएल अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में बनाया और यह तब आया जब यह सबसे ज्यादा मायने रखता था। उन्होंने पीछा करने के 11वें ओवर में उमेश यादव को एक चौका, छक्का और एक चौका लगाया।

शशांक ने नियमित रूप से लीग के कुछ प्रमुख गेंदबाजों – जैसे राशिद खान और मोहित शर्मा – पर बाउंड्री लगायीं। उन्होंने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, अभी भी इसे आत्मसात करने की कोशिश कर रहा हूं। मैंने इन सभी चीजों की कल्पना की थी, आप मैच से पहले कल्पना करते हैं। लेकिन जाहिर तौर पर इसे वास्तविकता में बदलने पर, मैं बहुत खुश और खुद पर गर्व महसूस कर रहा हूं। मैं नंबर 7 पर बल्लेबाजी करता हूं लेकिन आज मैंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी की, उछाल बहुत अच्छा था, दोनों टीमों ने 200 रन बनाए इसलिए विकेट शानदार था। शशांक ने जितेश शर्मा के साथ 19 गेंदों में 39 रनों की साझेदारी की, जिसमें जितेश ने आउट होने से पहले राशिद खान के 17वें ओवर में दो छक्के लगाए।

इसके बाद उन्होंने नवोदित आशुतोष शर्मा के साथ 43 रन की मैच जीतने वाली साझेदारी की। उसने जोड़ा, वे खेल के दिग्गज हैं, लेकिन जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मुझे लगता है कि मैं सर्वश्रेष्ठ हूं। आपको अनुभव मिलता है, पहले बहुत सारे मैच नहीं मिल सके। यहां मालिकों और कोचिंग स्टाफ ने मेरा समर्थन किया। मैं बहुत आश्वस्त था। किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने शशांक की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की और इसे शानदार बताया. शानदार। जब आप इतने बड़े स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो आपको गति बरकरार रखनी होती है और मुझे लगता है कि शशांक ने जिस तरह से खेला और सहजता से छक्के मारे, उससे उनकी क्लास का पता चलता है।

उन्होंने गेंद को बहुत अच्छी तरह से टाइम किया, यह काफी सहज लग रहा था।उन्होंने संयम बनाए रखा और मैच समाप्त किया। शशांक ने जो नाबाद 61 रन बनाए, उनमें से 51 जीटी के प्रमुख गेंदबाजों के खिलाफ थे, जिनमें मोहित शर्मा, उमेश यादव, नूर अहमद और राशिद खान शामिल थे। सबसे ज्यादा रन मोहित के खिलाफ 11 गेंदों पर 22 रन थे।

न्यूज़ ब्रीफ

खराब फार्म से जूझ रहे बटलर का ब्रॉड ने किया समर्थन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने मौजूदा आईपीएल सीजन में राजस्थान रॉयल्स के

सलामी बल्लेबाज जोस बटलर का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार जब वो अधिक गेंदों का सामना करना शुरू कर देंगे, तो वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगे। बटलर, जिन्होंने आईपीएल 2022 सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने चार शतकों की मदद से 863 रन बनाए थे। इसके बाद आईपीएल 2023 में भी उन्होंने 14 मैचों में 392 रन बनाए। लेकिन 2024 टूर्नामेंट में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने शुरुआती तीन मैचों में 11,11 और 13 के मामूली स्कोर बनाये, जो सीज़न की कमजोर शुरुआत का संकेत देते हैं। भारत में 50 ओवर के विश्व कप के बाद से बटलर की हालिया खराब स्थिति और इंग्लैंड टीम के नेतृत्व के साथ उनके संघर्ष को स्वीकार करते हुए, ब्रॉड ने 33 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज के आईपीएल में नए दृष्टिकोण के बारे में आशावाद व्यक्त किया। ब्रॉड ने आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स से कहा, भारत में 50 ओवर के विश्व कप के बाद से वह थोड़ा कमजोर चल रहे हैं। उन्हें इंग्लैंड टीम के नेतृत्व के साथ संघर्ष करना पड़ा और वह शारीरिक और भावनात्मक रूप से थके हुए दिखाई दिए। हालांकि, मेरा मानना है कि वह इस आईपीएल में तरोताजा होकर आ रहे हैं। लेकिन इस टूर्नामेंट में अभी तक उनकी फॉर्म ठीक नहीं हुई है, कुछ अच्छी गेंदबाजी से उन्हें दो बार आउट किया गया है। ब्रॉड को उम्मीद है कि आईपीएल 2024 बटलर के लिए चमकने का मंच हो सकता है, खासकर साथी सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ उनकी मजबूत साझेदारी को देखते हुए, जो संभावित रूप से राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ की दौड़ में पहुंचा सकती है।

भारत, दक्षिण अफ्रीका में डोपिंग के सबसे अधिक मामले मिले : वाडा

wada world anti-doping agency

नई दिल्ली । भारत में भी अब खेलों में डोपिंग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका कारण खिलाड़ियों का अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबंधित दवाओं का प्रयोग माना जा रहा है। वहीं कई बार अनजाने में ली गयी दवा से ये प्रतिबंधित पदार्थ खिलाड़ी के अंदर चले जाते हैं जिसके कारण भी वह जांच में पॉजिटिकव निकल जाते हैं। विश्व की डोपिंग रोधी संस्था वाडा ने कहा है कि भारत में खिलाड़ियों के डोपिंग में असफल रहने के सबसे ज्यादा मामले सामने आये हैं। वाडा के अनुसार 2000 या अधिक टेस्ट कराने वाले देशों में भारत में डोपिंग के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किये गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका इसमें दूसरे नंबर पर है। वाडा के अनुसार भारत में 3865 नमूनों की जांच की गई जिनमें से 125 पॉजीटिव पाये गये। ये नमूनों की संख्या का 3.2 फीसदी है। वहीं नमूनों की जांच के मामले में भारत 11वें स्थान पर है पर डोपिंग के मामले रूस 85, अमेरिका 84, इटली 73 और फ्रांस 72 जैसे देशों से ज्यादा हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने 2023 नमूनों की जांच की जिसमें से 2.9 फीसदी पॉजीटिव रहे जबकि तीसरे स्थान पर कजाखस्तान रहा उसके खिलाड़ियों के 2174 नमूनों में से 1.9 फीसदी पॉजीटिव निकले। चौथे स्थान पर नॉर्वे और अमेरिका रहे।

ईशान आईपीएल में असफल हुए तो टी20 विश्वकप से होंगे बाहर

नई दिल्ली । टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज ईशान किशन के पास इस आईपीएल सत्र में बेहतर

प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने का अंतिम अवसर है। अब देखना है कि वह इसका कितना लाभ उठा पाते हैं। अभी तक उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पहले तीन मैचों में उनके नाम केवल 50 रन ही है और अगर वह इसी प्रकार खेलते रहे तो वापसी उनके लिए संभव नहीं होगी। आईपीएल के बाद भारतीय टीम सीधे ही टी20 विश्व कप में जाएगी। ईशान दक्षिण अफ्रीका में खेली गई सीरीज के बाद ही भारतीय टीम से बाहर हो गये थे। इसके कारण उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं मिला। उन्होंने जिस प्रकार अफ्रीका दौरे से नाम वापस ले लिया था उससे चयनकर्ता नाराज हो गये थे। वह इसके बाद विदेश में छुट्टी मनाते भी दिखे। इसके बाद बीसीसीआई के रणजी खेलने के आदेश को भी उन्होंने नहीं माना। इसकी जगह वह आईपीएल के लिए अभ्यास करते दिखे। ईशान ने पिछले कुछ सालों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह लगातार टीम के साथ बने रहे और टी20 टीम का अहम हिस्सा थे। एकदिवसीय में उन्होंने दोहरा शतक लगाया पर इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाये। इसके बाद आईपीए में वह मुंबई इंडियंस के लिए पारी की शुरुआत करते हुए अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के किले को नहीं भेद पाए चेन्नई के किंग्स, लगातार दूसरे मैच में मिली हार

हैदराबाद, 05 अप्रैल (एजेंसियां) । हैदराबाद के राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में आज यानी 5 अप्रैल को आईपीएल 2024 में 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से था। इस मैच में चेन्नई की टीम सनराइजर्स के सामने बिल्कुल फींकी नजर आई। एसआरएच ने एकतरफा यह मैच इतने विकेट से जीत लिया। टॉस गंवाकर चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 165 रन बनाए। 166 रन का टारगेट हैदराबाद ने बड़ी आसानी के साथ 18.1 ओवर में 6 विकेट रहते हासिल कर लिया। चेन्नई की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही काफी साधारण नजर आई।

अभिषेक शर्मा के तूफान में उड़ा चेन्नई

दरअसल, 166 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद को युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। पावरप्ले में ही शर्मा जी चेन्नई से मैच काफी दूर ले गए थे। उन्होंने 308 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए महज 12 गेंदों में 37 रन बनाए। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने अपनी पारी में 2 चौके और 4 छक्के भी जड़े। अभिषेक के अलावा एडन मार्करम ने भी 36 गेंद में 138 के स्ट्राइक रेट से 50 रन की अच्छी पारी खेली। वहीं ट्रेविस हेड ने भी 31 रन बनाए। वहीं विनिंग शॉट नीतीश कुमार के बल्ले से निकला। बात करें चेन्नई सुपर किंग्स की तो, उनकी तरफ से इंग्लिश स्पिनर मोईन अली ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। इसके अलावा दीपक चाहर और महीश तीक्षणा को भी 1-1 सफलता मिली।

चेन्नई ने अपनी बल्लेबाजी से किया निराश

शिवम दुबे (45 रन) की ताबड़तोड़ पारी के बीच तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की पारी को पांच विकेट पर 165 रन पर रोक दिया। इसी मैदान पर हैदराबाद ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाये थे जबकि उसके खिलाफ पांच विकेट पर 246 रन बने थे।दुबे ने 24 गेंद की पारी में दो चौके और चार छक्के लगाये लेकिन टीम के अन्य बल्लेबाज तेजी से रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। हैदराबाद के तेज गेंदबाजों ने धीमी गेंदों का शानदार इस्तेमाल कर सीएसके की रनगति को ज्यादा बढ़ने नहीं दिया। अजिंक्य रहाणे ने 30 गेंद 35 जबकि रविंद्र जडेजा ने 23 गेंद में नाबाद 31 रन बनाये। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 21 गेंद में 26 रन का योगदान दिया। हैदराबाद के लिए टी नटराजन, भुवनेश्वर कुमार, पैट कमिंस, शाहबाज अहमद और जयदेव उनादकट ने एक-एक विकेट लिये।

आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए शॉर्टलिस्ट हुए खिलाड़ियों की लिस्ट की जारी, एक भी भारतीय नहीं हुआ सिलेक्ट

नई दिल्ली,05 अप्रैल । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मार्च में दमदार प्रदर्शन करने वालों के लिए आईसीसी पुरुष और महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार प्राप्त करने के लिए दावेदारों की शॉर्टलिस्ट का खुलासा किया। मार्च 2024 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ की शॉर्टलिस्ट में क्रमश आयरलैंड और न्यूजीलैंड के दो तेज गेंदबाजों के साथ एक श्रीलंकाई ऑलराउंडर भी शामिल है। भारत का कोई भी खिलाड़ी अपनी जगह नहीं बना सका।

मार्क अडायर (आयरलैंड)

2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से सभी प्रारूपों में आयरलैंड सेटअप का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। मार्क अडायर ने मार्च में अफगानिस्तान पर अपनी टीम की ऐतिहासिक टेस्ट जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पहली बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए अडायर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उनके आठ विकेट सिर्फ 11.87 की औसत से आए। उन्होंने इसके बाद वनडे सीरीज में 3 विकेट और उसके बाद टी20 सीरीज में 5 विकेट लिए।

कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका)

2022 के बाद पहली बार श्रीलंकाई टीम में वापसी करते हुए, कामिंदु ने लगातार दमदार प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के खिलाफ कामिंदु ने धनंजय डी सिल्वा के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 202 रनों की शानदार साझेदारी की। दूसरी पारी में कामिंदु एक बेहतर प्रदर्शन कर गए। आठवें नंबर पर आकर उन्होंने धनंजय के साथ सातवें विकेट के लिए 173 रन जोड़े। इस दौरान करियर बेस्ट 164 रन की पारी खेली।

मैट हेनरी (न्यूजीलैंड)

तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ लाल गेंद में असाधारण फॉर्म दिखाया। न्यूजीलैंड में हाल ही में समाप्त हुई ट्रांस-तस्मान ट्रॉफी में, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से जीता, हेनरी ने 15.7 की औसत से 17 विकेट लिए, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी उनके नाम पर है। उन्होंने 25.25 की औसत से 101 रन भी बनाए।

नडाल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स से नाम वापस लिया, फ्रेंच ओपन में खेलना भी संदिग्ध

पेरिस,05 अप्रैल ।

स्पेनिश टेनिस दिग्गज राफेल नडाल ने स्वास्थ्य कारणों से आगामी मोंटे कार्लो मास्टर्स से अपना नाम वापस लेने का फैसला किया है। रिपोर्ट के अनुसार, नाम वापस लेने से नडाल की मई के अंत में 15वें फ्रेंच ओपन खिताब के लिए रौलां-गैरो लौटने की उम्मीद पर भी संशय है। नडाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, ये मेरे लिए बहुत कठिन क्षण हैं। दुर्भाग्य से मुझे आपको बताना पड़ रहा है कि मैं मोंटे-कार्लो में नहीं खेलूंगा। मेरा शरीर मुझे इसकी इजाजत नहीं देगा।

भले ही मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और खेलने की पूरी इच्छा के साथ हर दिन अधिकतम प्रयास कर रहा हूं। उन टूर्नामेंटों में फिर से प्रतिस्पर्धा करें जो मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं, सच्चाई यह है कि मैं नहीं खेल सकता। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता की पिछली गर्मियों में हिप की सर्जरी हुई थी, और इस साल की शुरुआत में एक्शन में वापसी के बाद उन्होंने केवल तीन मैच खेले हैं। क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन थॉम्पसन से हारने से पहले उन्होंने डोमिनिक थिएम और जेसन कुबलर को हराया, लेकिन उनकी पुरानी चोट के कारण उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटना पड़ा। स्पैनियार्ड ने लिखा, आपको अंदाजा नहीं है कि इन स्पर्धाओं में न खेल पाना मेरे लिए कितना कठिन है। केवल एक चीज जो मैं कर सकता हूं, वह है स्थिति को स्वीकार करना और खेलने के लिए उत्साह और इच्छाशक्ति को बनाए रखते हुए तत्काल भविष्य पर ध्यान देने की कोशिश करना। अब तक के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी नडाल ने मोंटे कार्लो में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते हैं, जिनमें से आखिरी 2018 में था। वह 2019 में सेमीफाइनल में हार गए, और 2021 में क्वार्टर में, जबकि 2020, 2022 और 2023 संस्करणों से चूक गए।

फिरोजा के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे प्रगनानंदा, वैशाली के सामने कड़ी चुनौती

टोरंटो,05 अप्रैल (एजेंसियां) । भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रगनानंदा कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ करेंगे। वहीं, ऑल इंडियन मुकाबले में डी गुकेश और विदित गुजराती आमने-सामने होंगे। गुकेश को शुरुआती हाफ में सफेद मोहरों से खेलते हुए फायदा उठाना होगा। विदित के लिए मोहरों का रंग अधिक मायने नहीं रखता और वह अच्छी स्थिति का फायदा उठाने के लिए जाने जाते हैं।

दो सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ियों फाबियानो कारुआना और हिकारू नाकामूरा के बीच ऑल अमेरिकी मुकाबला होगा। दिन के एक अन्य मुकाबले में निजात अबासोव की भिड़ंत रूस के इयान नेपोमनियाची से होगी। प्रगनानंदा ने कहा, यह रोमांचक होने वाला है। टाइम कंट्रोल का मतलब है कि हमें घड़ी पर भी नजर रखनी होगी क्योंकि शुरुआती 40 चाल तक समय में कोई इजाफा नहीं होगा।

प्रगनानंदा का पलड़ा भारी – टूर्नामेंट के कार्यक्रम को देखते हुए प्रगनानंदा का पलड़ा भारी रह सकता है क्योंकि दूसरा हाफ महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है। भारतीय खिलाड़ी को पहले हाफ में नाकामूरा और कारुआना के अलावा हमवतन गुजराती से काले मोहरों से खेलना है। युवा भारतीय खिलाड़ी को उलट मुकाबलों में सफेद मोहरों से खेलने को मिलेगा।

वैशाली के सामने हंपी की चुनौती – महिला वर्ग के पहले दौर में भी दो भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली और कोनेरू हंपी आमने-सामने होंगी। 21 साल की वैशाली प्रगनानंदा की बड़ी बहन हैं।

टूर्नामेंट के 'टाइम कंट्रोल' के अनुसार, दो घंटे में 40 चाल होंगी और बाकी मुकाबले के लिए 30 मिनट का समय होगा जिसमें 41वीं चाल से प्रत्येक चाल के बाद 30 सेकंड जोड़े जाएंगे। रूस की दो खिलाड़ी एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना और कैटरीना लेगनो भी पहले दौर में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। चीन की लेइ टिंगजी और उनकी हमवतन टैन झेंगयी भी पहले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगी।

चमारी अटापट्टू की कप्तानी में श्रीलंका ने भरी ऊंची उड़ान, साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली,05 अप्रैल (एजेंसियां) । श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में चार विकेट जीत दर्ज अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया। चमारी अटापट्टू की कप्तानी में ऐसा पहली बार हुआ कि श्रीलंका ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ किसी भी फॉर्मेट में सीरीज जीती है।

मैच और सीरीज जीतने के लिए 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज विशमी गुणरत्ने (तीन गेंद पर एक रन) दूसरे ओवर में सस्ते में आउट हो गईं। इसके बाद जिम्मेदारी चमारी अटापट्टू के कंधों पर आ गई, जिन्होंने हर्षिता समाराविक्रमा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की।

कप्तान अटापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

कप्तान ने कप्तानी पारी खेली। अटापट्टू ने 46 गेंद पर 73 रन बनाए। इस पारी के दौरान चमारी अटापट्टू ने कुल सात चौके और पांच छक्के लगाए। अटापट्टू ने 158.69 की औसत से रन बनाए।

कप्तानी की अटैकिंग बल्लेबाजी का फायदा हर्षिता ने भी उठाया। हर्षिता ने मैच जिताने वाला अर्धशतक बनाया।

सुगंधिका कुमारी ने चटकाए तीन विकेट

13वें ओवर में चमारी अटापट्टू के आउट होने के बाद मेहमान टीम ने चार और विकेट खो दिए। तब हर्षिता ने सोची-समझी पारी खेली और टीम को टी20 इतिहास में अपना सबसे बड़ा रन चेज हासिल करने में मदद की। हर्षिता नाबाद रहीं और 43 गेंद पर 54 रन बनाए। श्रीलंका की बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज सुगंधिका कुमारी ने तीन विकेट चटकाए।

साउथ अफ्रीकी कप्तान ने बनाए सर्वाधिक रन

चमारी अटापट्टू को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया, जबकि दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने के लिए (158 रन) प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता। वहीं, श्रीलंका ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार किसी भी फॉर्मेट में सीरीज जीती। तीन टी20 मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने 2-1 से जीत दर्ज की।

सेंथिलकुमार आठवीं वरीयता प्राप्त पार्कर को हराकर जर्मन ओपन के क्वार्टरफाइनल में

हैम्बर्ग। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार आठवीं वरीयता प्राप्त इंग्लैंड के जॉर्ज पार्कर पर 3-1 की उलटफेर भरी जीत के साथ जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। 2023 एशियाई व्यक्तिगत रजत पदक विजेता सेंथिलकुमार ने 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के पीएसए वर्ल्ड टूर कांस्य इवेंट में दूसरे दौर में उच्च रैंकिंग वाले अंग्रेज पर 61 मिनट में 3-1 (11-5, 11-8, 9-11, 11-9) से प्रभावशाली जीत दर्ज की। पीएसए टूर वेबसाइट के अनुसार, सेंथिलकुमार ने अच्छी फॉर्म में मैच की शुरुआत की और बढ़त बना ली, अंग्रेज खिलाड़ी को भारतीय की गति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा और सेंथिलकुमार ने पहला गेम 11-5 से जीत लिया। पार्कर दूसरे में करीब आ गया, हर बिंदु पर संघर्ष करते हुए, और कुछ पिन-पॉइंट सटीक ड्रॉप बनाए, लेकिन यह भारतीय ही था जिसने पहले दो गेमों में निरंतरता बनाए रखते हुए दो गेम की बढ़त ले ली। पार्कर ने तीसरे गेम के लिए कोर्ट पर ध्यान केंद्रित किया, और अपनी गुणवत्ता दिखाते हुए भारतीय को खेल के एक और करीबी चरण में धकेल दिया और तीसरा गेम जीत लिया।

इमरान की पत्नी को जहर दिए जाने के दावों को बुशरा के निजी डॉक्टर ने किया खारिज

इस्लामाबाद, 05 अप्रैल (एजेंसियां) । जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने हाल ही में आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को जहर देकर मारने की कोशिश की जा रही है। इमरान खान के इन आरोपों पर बुशरा बीबी के निजी डॉक्टर ने खुलासा किया है। उन्होंने मेडिकल चेकअप के बाद बताया कि बुशरा बीबी को कोई जहर नहीं दिया गया था।

बुशरा बीबी के निजी डॉक्टर का दावा - दो अप्रैल को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई के दौरान इमरान खान ने जज नासिर जावेद राणा को बताया कि बुशरा को जहर देकर मारने की कोशिश की गई है। पूर्व प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जहर के कारण उनकी पत्नी के जीभ और शरीर के अन्य हिस्सों पर निशान भी थे।

इमरान ने अदालत में बिना किसी का नाम लिए कहा, मुझे मालूम है कि इसके पीछे किसका हाथ है उन्होंने कहा कि अगर उनकी 49 वर्षीय पत्नी को कुछ भी हुआ तो इसके लिए सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर जिम्मेदार होंगे, क्योंकि एक खुफिया एजेंसी के सदस्य इस्लामाबाद में उनके बानी गाला आवास और रावलपिंडी में अदियाला जेल में सब कुछ नियंत्रित कर रहे थे।

स्थानीय मीडिया को एक साक्षात्कार के दौरान डॉ. आसिम यूसुफ ने कहा, बुशरा बीबी को जहर दिया गया, इसका अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है। हम कोई मेडिकल टेस्ट नहीं कर रहे हैं, क्योंकि जहर का कोई लक्षण बुशरा बीबी पर नहीं दिखा है। उन्होंने आगे बताया कि दो महीने पहले खाना खाने से बाद बुशरा की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद से ही वह अपने स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए कम खा रही थी।

बुशरा ने किया था टॉयलेट क्लीनर के जरिए जहर देने का दावा - सुनवाई के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बुशरा ने कहा कि उन्हें टॉयलेट क्लीनर के जरिए जहर दिया गया था। उन्होंने बताया कि उनके भोजन में टॉयलेट क्लीनर की दो-तीन बूंदें मिलाई गईं थी। बुशरा ने कहा, मेरी आंखें सूज गई हैं, मुझे सीने और पेट में दर्द और बेचैनी महसूस हो रही है और भोजन और पानी का स्वाद भी कड़वा हो रहा है।

बता दें कि तोशाखाना मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 14 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। इमरान खान को रावलपिंडी के अदियाला जेल में रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

कोरोना से 100 गुना ज्यादा खतरनाक महामारी फैल सकती है, विशेषज्ञों ने इस वायरस को लेकर जताई चिंता

लंदन । विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि बर्ड फ्लू संक्रमण तेजी से महामारी का रूप ले सकता है और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए यह कोरोना महामारी से सौ गुना ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एच5एन1 वायरस गंभीर स्थिति की तरफ बढ़ रहा है और बहुत आशंका है कि यह वैश्विक महामारी का कारण बन सकता है। एच5एन1 वायरस का संक्रमण बन सकता है महामारी का कारण पीट्सबर्ग में बर्ड फ्लू पर रिसर्च करने वाले वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुचिपुड़ी ने चेतावनी दी है कि एच5एन1 वायरस बड़ी संख्या में स्तनधारी जीवों को संक्रमित कर सकता है, जिनमें इंसान भी शामिल हैं। डॉ. सुरेश कुचिपुड़ी ने दावा किया वायरस उस दिशा में बढ़ रहा है, जहां वह महामारी का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि बर्ड फ्लू का संक्रमण दुनिया में जगह-जगह अभी भी मौजूद है और बड़ी संख्या में स्तनधारी अभी भी उससे संक्रमित हो रहे हैं। अब समय आ गया है कि हमें इसके खिलाफ तैयारी करनी चाहिए वरना हालात गंभीर हो सकते हैं। कोरोना महामारी से 100 गुना ज्यादा खतरनाक होगा संक्रमण मीडिया रिपोर्ट्स में एक अन्य विशेषज्ञ के हवाले से कहा गया है कि बर्ड फ्लू संक्रमण कोरोना महामारी से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि बर्ड फ्लू से फैली महामारी कोरोना महामारी से भी 100 गुना ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है। बर्ड फ्लू महामारी में मृत्यु दर कोरोना की तुलना में बहुत ज्यादा होगी और अगर इसने इंसानों में म्युटेट होना शुरू कर दिया तो इसके और गंभीर होने का खतरा है।

इजराइल की सेना गाजा में हमला करने के लिए ले रही एआई की मदद, रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

यरुशलम । हमास और इजराइल के बीच कई माह से जंग जारी है। इस युद्ध को रुकवाने के लिए हर कोई कोशिश कर रहा है, लेकिन फिर भी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। अब बताया जा रहा है कि इजराइली सेना हमास के आतंकियों को निशाना बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद भी ले रहा है। बता दें, इजराइल के खुफिया अधिकारियों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इजराइली अधिकारियों का यह कहना इजराइली अधिकारियों का कहना है कि एआई-आधारित टूल को लैवेंडर कहा जाता था। इसे 10 प्रतिशत गलती करने के लिए भी जाना था। जब इस बारे में इजराइल के रक्षा बलों (आईडीएफ) से पूछा गया तो उन्होने टूल के होने पर विवाद नहीं किया। हालांकि, इस बात से इनकार किया कि संदिग्ध आतंकवादियों की पहचान के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा था। वहीं, एक अधिकारी का कहना है कि मशीन रबर स्टैंप की तरह काम करती थी। पहले पुरुष की पहचान करती और 20 सेंकड के अंदर ही हमला कर देती। सूचना प्रणाली केवल एक टूल रिपोर्ट के अनुसार, एक लंबे बयान में सेना ने इस बात पर जोर दिया की आतंकियों की पहचान करने की प्रक्रिया में सूचना प्रणाली केवल एक टूल है।

अबूधाबी के मंदिर में साढे तीन लाख लोगों ने किया दर्शन, फरवरी में किया था मंदिर का उद्घाटन

अबू धाबी । अबू धाबी में बने पहले पत्थर निर्मित हिंदू मंदिर में एक महीने के भीतर साढ़े तीन लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी में इस मंदिर का उद्घाटन किया गया था। इस प्रतिष्ठित मंदिर को एक मार्च को आगंतुकों के लिए खोला गया था। मंदिर अधिकारियों की तरफ से यह जानकारी दी गई है। मंदिर के प्रवक्ता ने एजेंसी को बताया कि पहले महीने में लगभग 350000 भक्त और आगंतुक थे, जिनमें से 50000 प्रत्येक सप्ताहांत (शनिवार-रविवार) आते थे। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोमवार को मंदिर निजी प्रार्थनाएं आयोजित करता है और आगंतुकों के लिए बंद रहता है, जिसका अर्थ है कि परिसर मार्च में 31 दिनों में से केवल 27 दिनों के लिए आम लोगों के लिये खुला था। उन्होंने कहा कि मंगलवार से रविवार तक हर शाम, स्वामीनारायण घाट के तट पर शाम साढ़े सात बजे गंगा आरती की जाती है, जो भारत से लाए गए गंगा और यमुना के पवित्र जल का उपयोग करके बनाया गया है। भव्य मंदिर का उद्घाटन 14 फरवरी को एक लोकार्पण समारोह के दौरान किया गया था जिसमें 5,000 से अधिक लोग शामिल हुए थे। मंदिर का निर्माण बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था द्वारा लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास अबू मुरीखा में 27 एकड़ में किया गया है।

कच्चातिवु द्वीप पर भारत के दावे को श्रीलंका ने नकारा, मंत्री ने कही बड़ी बात

कोलंबो, 05 अप्रैल (एजेंसियां) । कच्चातिवु द्वीप को लेकर भारत में लगातार बयानबाजी चल रही है। अब इसे लेकर श्रीलंका का बयान सामने आया है। श्रीलंका के मत्स्यपालन मंत्री डगलस देवानंद ने कहा है कि कच्चातिवु द्वीप को वापस लेने के भारत के बयानों का कोई आधार नहीं है। यह कहकर श्रीलंका के मंत्री ने भारत के कच्चातिवु द्वीप पर दावों को खारिज कर दिया।

कच्चातिवु द्वीप पर जारी विवाद

श्रीलंका के मंत्री का यह बयान तब सामने आया है, जब भारत में पीएम मोदी और उनकी सरकार कांग्रेस पार्टी और डीएमके पार्टी पर कच्चातिवु द्वीप को लेकर राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करने का आरोप लगा रहे हैं। भाजपा सरकार का आरोप है कि कांग्रेस और डीएमके ने कच्चातिवु द्वीप के आसपास मछली पकड़ने वाले मछुआरों के हितों की अनदेखी की। अब इस पर श्रीलंका के मंत्री डगलस देवानंद ने कहा है कि यह भारत में चुनाव का समय है और कच्चातिवु द्वीप को लेकर ऐसी बातें सुनना असामान्य नहीं है।

भारत अपने हितों के लिए काम कर रहा

देवानंद ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत अपने हितों के लिए काम कर रहा है और कोशिश कर रहा है कि उस जगह पर भारतीय मछुआरे मछली पकड़ सकें। हालांकि उन्होंने कहा कि कच्चातिवु पर श्रीलंका के कब्जे को लेकर जारी बयानों का कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि साल 1974 के समझौते के अनुसार दोनों देशों के मछुआरे कच्चातिवु द्वीप के आसपास मछली पकड़ सकते थे, लेकिन बाद में इसकी समीक्षा की गई और साल 1976 में इसमें संशोधन कर दिया गया। संशोधन के तहत दोनों देशों के मछुआरों के कच्चातिवु द्वीप के आसपास मछली पकड़ने पर रोक लगा दी गई।

श्रीलंकाई मंत्री ने कहा कि भारत और श्रीलंका में हुए समझौते के तहत कन्याकुमारी के पास स्थित एक अन्य द्वीप वेस्ट बैंक पर भारत के दावे को स्वीकार किया गया। देवानंद ने कहा कि वेस्ट बैंक द्वीप, कच्चातिवु द्वीप की तुलना में 80 गुना बड़ा है। श्रीलंका के मत्स्य मंत्री डगलस देवानंद को हाल के महीनों में स्थानीय मछुआरों के दबाव का सामना करना पड़ा है। श्रीलंकाई मछुआरों का आरोप है कि भारतीय मछुआरे उनके जलक्षेत्र में मछली

22 साल पहले भारतीय समेत दो लोगों की हुई थी हत्या, अब दोषी को दी गई मौत की सजा

वॉशिंगटन । अमेरिका के ओकलाहोमा राज्य में साल 2002 में एक भारतीय सहित दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इन हत्याओं के दोषी को मौत की सजा दी गई। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, दोषी माइकल ड्वेन स्मिथ (41 वर्षीय) को ओकलाहोमा की जेल में जहरीला इंजेक्शन देकर मौत की सजा दी गई। साल 2002 में हुई थी शरद और मूर की हत्या स्मिथ ने साल 2002 में भारतीय नागरिक शरद पुल्लुर और जेनेट मूर की हत्या कर दी थी। स्मिथ ने ये दोनों हत्याएं अलग-अलग घटनाओं में की थी। अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। ओकलाहोमा के अटॉर्नी जनरल जेंटनर ड्रमंड ने स्मिथ की सजा के बाद एक बयान जारी करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आज का दिन मूर और शरद के परिवारों के लिए कुछ हद तक शांति लेकर आएगा। ओकलाहोमा राज्य में यह इस साल की पहली मौत की सजा है। परिजनों ने जताया संतोष ड्रमंड ने कहा कि दोनों पीड़ित अच्छे इंसान थे और उनके साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था। शरद अपने परिवार का पहला व्यक्ति था, जो शिक्षा प्राप्त करने अमेरिका आया था। उसका भविष्य उज्जवल था। ड्रमंड ने कहा कि दोनों पीड़ित गलत समय पर गलत जगह पर थे और हमें खुशी है कि अब उनके साथ न्याय हुआ है। दोनों पीड़ितों के परिवारों ने भी दोषी को मौत की सजा मिलने पर संतुष्टि जाहिर की और कहा कि अब उनके साथ न्याय हुआ है।

बाइडन के दबाव में झुके नेतन्याहू, गाजा के लोगों लिए किया इरेज क्रॉसिंग खोलने का एलान

यरूशलम, 05 अप्रैल । हमास और इजराइल के बीच कई माह से जंग जारी है। इस युद्ध को रुकवाने के लिए हर कोई कोशिश कर रहा है, लेकिन फिर भी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच गाजा की हालत बिगड़ती जा रही है। यहां मानवीय सहायता पहुंचाने के सभी रास्ते धीरे-धीरे इजराइल ने लगभग बंद कर दिए हैं। कुछ मुल्क गाजा में एयरड्रॉप कर मदद सामग्री पहुंचा रहे हैं। हालांकि, अब गाजा के लोगों के लिए अच्छी खबर सामने आई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक-दूसरे से फोन पर बातचीत की। इस दौरान गाजा के हालात पर चर्चा की गई। फोन पर बात करने के कुछ ही घंटों बाद गाजा के लोगों के लिए एक राहत की खबर सामने आई। दरअसल, इजराइली अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि गाजा में अधिक मानवीय सहायता के लिए एरेज सीमा क्रॉसिंग को फिर से खोलने की मंजूरी दे दी है।

इसे खोलने की भी अनुमति

इजराइली अधिकारी ने कहा कि गाजा में अधिक मानवीय सहायता पहुंचाने की अनुमति देने के लिए इरेज सीमा फिर से खोली जाएगी। इसके अलावा, इजराइल के बंदरगाह अशदोद को भी खोलने की मंजूरी दी गई है। बता दें, इरेज क्रॉसिंग बॉर्डर को बीट हनौन के नाम से भी जाना जाता है। यह इजराइल और उत्तरी गाजा पट्टी के बीच सीमा पर है।

सात अक्तूबर को हमास ने किया था हमला

बता दें, इजराइल और हमास के बीच युद्ध लगातार जारी है। हर तरफ चीख-पुकार मची हुई है। सात अक्तूबर से लेकर अब तक 30 हजार से अधिक लोगों की इस संघर्ष में मौत हो चुकी है। वहीं, हमास के बाद इजराइली सेना भी कार्रवाई करते हुए बिना रुके हमले कर रही है। इजराइल ने गाजा में जमीन, हवाई, समुद्र समेत सभी यात्राओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। पहले लोगों की आवाजाही के लिए इरेज और माल के लिए केरेम शालोम बॉर्डर थे। कल हुई थी अमेरिका-इजराइल के बीच बातचीत इजराइल का नया फैसला बाइडन और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत के कुछ घंटों बाद आया है। व्हाइट हाउस के अनुसार, जो बाइडन ने मारे जा रहे इंसानों के लिए ठोस कदमों की घोषणा करने और लागू करने के लिए कहा है।

मालदीव का अच्छा दोस्त है भारत, दोनों देशों के बीच चल रही तनातनी पर बोले मंत्री मोहम्मद सईद

माले, 05 अप्रैल (एजेंसियां) । मालदीव के वित्त मंत्री मोहम्मद शफीक ने हिंद महासागर में द्वीप राष्ट्र में विदेशी सैनिकों की मौजूदगी के खिलाफ राष्ट्रपति मुइज्जू के रुख का बचाव करते हुए कहा कि मालदीव अभी भी भारत को दोस्त ही मानता है। मालदीव के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 3 अप्रैल तक आने वाले कुल 6,20,358 पर्यटकों में से चीन 69,028 के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद रूस (63,272), ब्रिटेन (61,394), इटली (58,613),जर्मनी (48,581) और भारत (35,378) का स्थान रहा है।

क्या है मामला

गौरतलब है कि पिछले नवंबर में शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर, चीन समर्थक झुकाव के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू ने भारत से अपने 88 सैन्य कर्मियों को देश से वापस लेने के लिए कहा था। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति मालदीव की संप्रभुता के लिए खतरा थी। मालदीव के वित्त मंत्री मोहम्मद शफीक से पूछा गया कि क्या माले चीन और भारत दोनों के साथ दोस्त हो सकता है, जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि मालदीव सभी देशों का दोस्त है।

मालदीव सभी देशों का मित्र- मोहम्मद शफीक

एक साक्षात्कार में मोहम्मद शफीक ने कहा कि मुझे लगता है कि मालदीव सभी देशों का मित्र है। हम एक पर्यटक देश हैं और दुनिया के लिए खुले हैं। एक छुट्टियां बिताने की जगह के रूप में चीनी और भारतीय दोनों ही हमारी सराहना करते हैं। शफीक ने इस बात पर भी जोर दिया कि मालदीव अभी भी भारत को दोस्त मानता है। उन्होंने कहा कि बेशक, हम दोस्त हैं। हमारे राष्ट्रपति, हमारी सरकार और लोग यहां विदेशी सैनिकों की मौजूदगी को अस्वीकार करते हैं।मुइज्जू ने कहा था 10 मई के बाद कोई भी भारतीय सैन्यकर्मी, यहां तक कि नागरिक कपड़ों में भी, उनके देश के अंदर मौजूद नहीं होगा।

राष्ट्रपति बनते ही मुइज्जू ने कही थी ये बात

पिछले साल नवंबर में राष्ट्रपति पद संभालने वाले मुइज्जू ने जनवरी में चीन का दौरा किया था और दोनों देशों ने हाल के हफ्तों में हथियारों और प्रशिक्षण की आपूर्ति सहित कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

पाकिस्तान में चीनी नागरिकों की मौत के बाद राष्ट्रपति बोले, देश में चीनियों की सुरक्षा के लिए करेंगे उपाय

इस्लामाबाद, 05 अप्रैल (एजेंसियां) । पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा कि देश में विभिन्न परियोजनाओं पर कार्यरत चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी उपाय करेगा।

दरअसल, चीनी राजदूत जियांग जैदोंग ने राष्ट्रपति भवन में पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी की। मुलाकात का विषय पिछले सप्ताह खैबर-पखतूनख्वा में हुए आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों की मौत पर केंद्रित था।

आपसी हितों के मुद्दों पर भी हुई चर्चा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति और चीनी राजदूत ने आतंकवाद के खतरे पर काबू पाने के लिए आतंकवाद विरोधी सहयोग और खूफिया जानकारी साझा करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए आपसी हितों पर चर्चा की। राष्ट्रपति ने चीनी दूत को आश्वस्त किया कि पाकिस्तान में विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे है हमारे चीनी भाइयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे।

चीनी प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान का किया था दौरा

इसके अलावा, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा कि चीनी विदेश मंत्रालय के बाहरी सुरक्षा विभाग के महानिदेशक बाई तियान के नेतृत्व में एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल ने हमले के बाद पाकिस्तान का दौरा किया। यात्रा का उद्देश्य चीनी नागरिकों की सुरक्षा पर विचारों का आदान-प्रदान करना और आतंकवाद विरोधी क्षेत्र में हमारे मौजूदा सहयोग को और गहरा करना था। बैठकें विदेश मंत्रालय, आंतरिक मंत्रालय और हमारे कानून प्रवर्तन अधिकारियों दोनों के साथ काफी महत्वपूर्ण रहीं। चीनी जलविद्युत परियोजनाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था हालांकि, सुरक्षा ऑडिट और सुरक्षा उपायों के बाद परियोजनाओं को शुरू कर दिया गया है। बलूच ने यह भी कहा कि पाकिस्तान बेशम में हुए आतंकवादी हमले की जांच के विभिन्न पहलुओं को पूरा करने की प्रक्रिया में है और पूरी जानकारी के बाद इसे मीडिया के साथ साझा करेगा।

हमले की किसी भी संगठन ने नहीं ली जिम्मेदारी

बता दें, चीनी नागरिकों पर हुए हमलों की जिम्मेदारी अब तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। हालांकि, खैबर-पख्तूनख्वा आतंकवाद-रोधी विभाग ने हमले के लिए प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान, पाकिस्तान को जिम्मेदार माना है। गौरतलब है कि 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तत्वावधान में हजारों चीनी पाकिस्तान की कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

साल 2024 के लिए डरा रही बाबा वेंगा की भविष्यवाणी, कुछ हो चुकी हैं सच....कुछ के सच होने का डर

लंदन, 05 अप्रैल (एजेंसियां) ।

क्या 2024 में तबाही मचने वाली है ये सवाल इसलिए क्योंकि बुल्गारिया के 'नास्त्रेदमस' कहलाने वाले बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां सच हो रही हैं। 2024 के लिए उन्होंने जो-जो बातें कहीं हैं, बीते चार महीने में वे सब सच साबित हुई हैं। उन्होंने कहा था कि यूरोप में आतंकी हमला होगा। साइबर हमलों में वृद्धि होगी चिकित्सा और तकनीकी जगत में काफी हलचल रहेगी। आइए जानते हैं कि अगले 8 महीनों के लिए उन्होंने क्या-क्या भविष्यवाणी की है।

बाबा वेंगा की मौत 28 साल पहले हो चुकी है। अपनी मौत से पहले ही उन्होंने 2024 के लिए लिए भविष्यिवाणियां की थीं। उनका कहा सबकुछ सच साबित हो रहा है। बाबा वेंगा ने यूक्रेन में चेरनोबिल आपदा, राजकुमारी डायना की मृत्यु, न्यूयॉर्क में 9/11 अटैक और यहां तक कि अपनी मौत के बारे में भी बिल्कुल सटीक भविष्यिवाणी की थी। अब बाबा के फॉलोवर्स ने बताया कि 2024 के लिए उन्होंने जो भविष्यवाणियां की थीं। सब सच साबित हो रही हैं।

बाबा वेंगा ने चेतावनी दी थी कि 2024 में यूरोप में कई आतंकी हमले हो सकते हैं। हाल ही में रूस के मॉस्को में हुआ आतंकी हमला इस बात का संकेत देता है कि उन्होंने बिल्कुल सटीक भविष्यिवाणी की थी। वेंगा की भविष्यिवाणी को देखकर जर्मनी सहित पूरा यूरोप इन दिनों हाईअलर्ट पर है।

बाबा वेंगा ने कहा था कि साइबर हमलों में तेजी आएगी। ऐसा होने लगा है। ग्रेग्स, मैकडॉनल्ड्स, टेस्को और सेन्सबरीज सहित कई कंपनियों में हैकिंग के हालात बने। यहां तक कि कई देशों की एजेंसियां भी हैकरों के निशाने पर थीं। ब्रिटिश स्वास्थ्य सेवा से जुड़े मरीजों का डेटा वायरल करने की धमकी तक दी। पावर ग्रिड, वाटर सिस्टम पर हमले हुए। बाबा वेंगा ने कहा था कि तकनीक और चिकित्सा के क्षेत्र में कमाल का साल रहेगा। सच में ऐसा हो रहा है। अल्जाइमर और कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों के इलाज का रास्ता मिलता दिख रहा है। ऐसा टीका बना है, जो अल्जाइमर से बचा सकता है। कैंसर की दवा की खोज हो गई है। इस दवा को लेने के बाद कैंसर के मरीज चार गुना ज्यादा जिंदगी जी सकते हैं।

- 1. बाबा वेंगा ने भविष्यिवाणी की है कि इस साल रूस के राष्ट्रपति पुतिन की हत्या का प्रयास किया जाएगा। उनके ही देश का एक शख्स ऐसा करने वाला है।
- 2. एलियन से मुठभेड़ का दावा भी उन्होंने किया था। इसकी पुष्टि नहीं हुई। लेकिन कई जगह यूएफओ मिलने के दावे जरूर किए गए। एक यूएफओ भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्र के ऊपर भी मंडराता हुआ नजर आया। अभी आठ महीने बाकी हैं।
- 3.बाबा वेंगा के मुताबिक, 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा देश जैविक हथियारों का टेस्ट कर सकता है। अगर ऐसा हुआ तब मानव जाति पर नया संकट आएगा।
- 4. बाबा वेंगा ने 2024 में ग्लोबल वॉर्मिंग की चेतावनी दी है। भयानक गर्मी परेशान करने वाली है। इससे भारी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी।
- 5. बाबा वेंगा के अनुसार साल 2024 में पूरा विश्व एक बड़े आर्थिक संकट से गुजरने वाला है। कई देश गहरे आर्थिक संकट में घिर जाएंगे।

शनि का नक्षत्र परिवर्तन

आज से इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 06 अप्रैल 2024 को कर्मफल दाता और न्याय के देवता शनिदेव गोचर करने जा रहे हैं । दरअसल, शनिदेव 06 अप्रैल की शाम 03 बजकर 55 मिनट पर पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यूं तो इस गोचर से सभी 12 राशि वाले जातकों के जीवन पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। लेकिन ये 4 राशियां ऐसी हैं जिन्हें शनि गोचर के दौरान जमकर लाभ मिलने वाला है। शनि का गोचर इनके लिए भाग्यशाली साबित होगा। आइए जानते हैं कहीं इसमें आपकी राशि तो नहीं।

इन 4 राशियों की चमक जाएगी किस्मत ...

मेष राशि–शनि के पूर्वभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करने से मेष राशि वाले जातकों के जीवन में खुशियां ही खुशियां आएंगी। इस दौरान आपपर शनिदेव की जमकर कृपा बरसेगी। शनिदेव की कृपा से आपकी आमदनी बढ़ सकती है। धन लाभ के योग बन रहे हैं। आय के नए स्रोत बनेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले छात्रों को सफलता मिलेगी।

कन्या राशि–इस गोचर के दौरान कन्या राशि वाले जातकों को जमकर लाभ मिलने वाला है। इस दौरान आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। दांपत्य जीवन में प्यार बना रहेगा। सुख–सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। शनिदेव की कृपा से आपके जीवन में खुशहाली आएगी।

मकर राशि– शनि गोचर से मकर राशि वाले जातकों के जीवन में खुशियां आएगी। इस दौरान इन्हे भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। बिजनेस में मुनाफा होगा। नई प्रॉपर्टी की खरीदारी कर सकते हैं। सेहत बेहतर रहेगा। धन लाभ होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि– शनि के नक्षत्र गोचर करने से धनु राशि वाले जातकों को मन मुताबिक सफलता मिलेगी। आपके दांपत्य जीवन में प्यार बना रहेगा। नौकरी खोज रहे लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। नौकरी पेशा हैं तो नई नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है।

शनि त्रयोदशी पर राशि अनुसार करें इन मंत्रों का जप

दूर होंगे सभी दुख और संताप

आज प्रदोष व्रत है। यह पर्व हर माह कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को रखा जाता है। शनिवार के दिन पड़ने के चलते यह शनि प्रदोष व्रत कहलाएगा। इस दिन देवों के देव महादेव और न्याय के देवता शनि देव की पूजा की जाती है। धार्मिक मत है कि शनि त्रयोदशी प्रदोष व्रत करने से नवविवाहित दंपति को पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। वहीं, साधकों को जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुखों से मुक्ति मिलती है। अतः साधक श्रद्धा भाव से भगवान शिव संग शनि देव की पूजा करते हैं। अगर आप भी शनि देव की कृपा पाना चाहते हैं, तो शनि प्रदोष व्रत पर विधि–विधान से भगवान शिव की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय राशि अनुसार इन मंत्रों का जप करें।

राशि अनुसार मंत्र जप

–मेष राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ शनैश्चराय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

–वृषभ राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ वरेण्याय नमः' मंत्र का जप करें।

–मिथुन राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ शरण्याय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

–कर्क राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ सर्वेशाय नमः' मंत्र का जप करें।

–सिंह राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ सौम्याय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

–कन्या राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ सुन्दराय नमः मंत्र का एक माला जप करें।

–तुला राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ घनाय नमः' मंत्र का जप करें।

–वृश्चिक राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ महेशाय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

–धनु राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ शर्वाय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

–मकर राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ निश्चलाय नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

–कुंभ राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ वैराग्यदाय नमः' मंत्र का जाप एक माला जप करें।

–मीन राशि के जातक शनि त्रयोदशी पर 'ऊँ वीतरोगभयाय नमः' मंत्र का पांच माला जप करें।

नवरात्र में पाना चाहते हैं पूजा–पाठ का पूर्ण फल

तो जरूर रखें इन बातों का ध्यान

हिंदू धर्म में नवरात्र का पर्व बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्र के समय को देवी की कृपा प्राप्ति के लिए उत्तम माना जाता है। इस बार 09 अप्रैल, मंगलवार के दिन से चैत्र होने जा रही है। ऐसे में यदि आप नवरात्र के दौरान ये गलतियां करते हैं, तो इससे आपको देवी मां की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि वह कौन–से कार्य हैं, जिन्हें नवरात्र के दौरान करने से बचना चाहिए।

भूलकर भी न करें ये काम

नवरात्र की पवित्र अवधि में भूलकर भी मांस–मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करना पाप के समान माना जाता है, जिससे जीवन में परेशानियां बनी रहती हैं। नवरात्र की अवधि में बाल, नाखून आदि भी नहीं काटने चाहिए। इसके साथ ही देवी मां पूजा के दौरान काले कपड़े पहनने से बचना चाहिए, वरना माता दुर्गा नाराज हो सकती हैं।

नवरात्र के दौरान साफ–सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। साथ ही यह भी माना जाता है कि जो भी व्यक्ति नवरात्र का व्रत रखता है, उसे बिस्तर पर नहीं सोना चाहिए, अन्यथा ऐसा करने से आपका व्रत भंग हो सकता है। कई मान्यताओं के अनुसार, नवरात्र के दौरान नए कपड़े की खरीदारी करना भी शुभ नहीं माना जाता।

इन बातों का रखें ध्यान

नवरात्रि के समय हमेशा सात्विक भोजन ही करें।

नवरात्र की पूजा में लाल, पीला और सफेद वस्त्र धारण करना शुभ होता है।

नवरात्र में नियमित रूप से मंदिर की सफाई गंगाजल से करें।

नवरात्र में देवियों को प्रतिदिन लाल रंग की चुनरी, लाल फूल और लाल चूड़ी अर्पण करें।

9 दिनों तक अखंड ज्योत जलाकर उसके सामने दुर्गा चालीसा का पाठ करें।

विंध्याचल मेले की तैयारी चरम पर

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में श्रद्धालु इस बार विंध्य कोरिडोर निर्माण के बाद पहली बार भव्यता के बीच मां विंध्यवासिनी देवी की अभ्यर्थना करेंगे। विंध्याचल नवरात्रि मेले की तैयारियां एक माह पहले शुरू कर दी जाती है। जिला प्रशासन, एवं अन्य संबंधित विभाग के साथ नगर पालिका परिषद के लोग जुट जाते हैं मगर अंतिम समय दिन रात काम शुरू हो जाता है।

विंध्याचल में तैयारियों का अद्भुत दृश्य है। चौदह वर्ग किलोमीटर मेला क्षेत्र में तैयारियों का मंजर है । एक हजार सफाई कर्मचारी साफ सफाई में जुटे हैं। विद्युत विभाग जल निगम आदि विभागों के कर्मचारियों की पूरी फौज जुटी है।तो दूसरी ओर अस्थाई दुकानें अपने अपने पूर्व निर्धारित स्थानों पर लगनी शुरू है। स्वयं सेवी संस्थाएं अपनी अपनी पंडाल को भव्य रूप देने में जुटे हैं।स्थायी दुकानदार अपनी अपनी दुकानो को रंग रोगन कर सजा रहे हैं। इस बार भारी भीड़ से अच्छी आय होने की आशा से उत्साहित भी है ।

मंदिर परिसर में देवी के मंदिर को रंग–रोगन कर सजाया जा रहा है। विदेशी फूलो से पूरे को एक दम अलग लुक भी दिया जाएगा।जिला प्रशासन अधिकारियों के साथ कैंम्प कार्यालय में प्रतिदिन तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन रोज स्थलीय निरीक्षण कर आदेश निर्देश जारी करती है। चुनावों के माहौल में नवरात्रि मेला प्रशासन के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। नव्य भव्य मंदिर के निर्माण के बाद अन्य नवरात्रि से इस बार भारी भीड़ इकट्ठी होने की पूरी संभावना है। लिहाजा दर्शनार्थियों को मौलिक सुविधा उपलब्ध कराना एवं सुरक्षा व्यवस्था एक बड़ी चुनौती होगी।

मेला प्रभारी एवं अपर जिलाधिकारी शिवप्रताप शुक्ल ने बताया कि मां विंध्यवासिनी धाम के साथ त्रिकोण पथ पर स्थित मां अष्टभुजा एवं मां काली मंदिर परिसर एवं रास्ते आदि पर भी काम चल रहा है। पेयजल आपूर्ति,अस्थाई शौचालय, गंगा घाटों पर काम चल रहा है। सड़को की मरम्मत कार्य भी जारी है।हर हाल में नवरात्रि मेला शुरू होने से पहले सारी तैयारियां पूरी कर ली जाएगी।

दांपत्य जीवन की खुशहाली के लिए घर पर रखिए चांदी का मोर

रिश्ते में हमेशा मिठास बनाए रखना बहुत मुश्किल होता है खासकर रिलेशनशिप में यह एक ऐसा रिश्ता है अगर इसमें पॉजिटिविटी ना हो तो दरार आने लगती है। वही आज हम वास्तु के नियम अनुसार, बता रहे हैं कि घर में रखी चीज सुख–समृद्धि का संकेत देती है। अगर आपके घर में सही दिशा में चीज नहीं रखी गई है, तो व्यक्ति का नुकसान होता है यह केवल शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि पारिवारिक संबंध को भी प्रभावित करता है। वहीं, इसके विपरीत कुछ ऐसी चीज भी है जिन्हें घर में रखने पर शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यदि आप चांदी का मोर घर में रखते हैं, तो इस शुभ माना जाता है यह देवी देवताओं को प्रिय होता है।

दांपत्य जीवन की कड़वाहट को दूर करने के लिए आप अपने घर में चांदी का मोर रख लीजिए। वास्तु शास्त्र के नियम के अनुसार, यह पति–पत्नी के रिश्ते में प्यार और शांति बनाता है।

नेगेटिविटी दूर :

यदि आपके घर में किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर रही है, तो चांदी का मोर रखने से नेगेटिविटी हमेशा दूर रहेगी। इस तरह से आपके घर में

सुख–समृद्धि का संचार हमेशा होता रहेगा। इतना ही नहीं व्यक्ति को हर एक कार्य में सफलता मिलेगी।

पूजा घर में रखें :

हर घर में पूजा घर तो जरूर बनाया जाता है आप इस घर में चांदी का मोर जरूर रखिए, इसे शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूजा का दुगना लाभ मिलता है और व्यक्ति का जीवन सुखमय गुजरता है।

सिंदूर की डिब्बी :

अगर आप अपने घर में हमेशा सुख समृद्धि बनाए रखने के साथ पति–पत्नी के रिश्ते की करवट को दूर करना चाहते हैं, तो शादीशुदा महिलाएं चांदी के मोर को सिंदूर की डिबिया में रखें। इससे अखंड सौभाग्य का वरदान प्राप्त होता है।

कथा के जरिए विदुर नीति को समझिए

मित्रो! आजकल हम लोग विदुर नीति के माध्यम से महात्मा विदुर के अनमोल वचन पढ़ रहे हैं, तो आइए! महात्मा विदुर जी की नीतियों को पढ़कर कुशल नेतृत्व और अपने जीवन के कुछ अन्य गुणो को निखारें और अपना मानव जीवन धन्य करें।

प्रस्तुत प्रसंग में विदुर जी ने हमारे जीवनोपयोगी बिन्दुओं पर बड़ी बारीकी से अपनी राय व्यक्त की है। आइए ! देखते हैं ---

षडिमान्पुरुषो जह्याद्भिन्नां नावमिवार्णवे ।
अप्रवक्तारमाचार्यमनधीयानमृत्विजम् ।।
अरक्षितारं राजानं भार्यां चाप्रिय वादिनीम् ।
ग्रामकारं च गोपालं वनकामं च नापितम् ।।

विदुर जी कहते हैं.... हे राजन ! उपदेश न देने वाले आचार्य, मंत्र का उच्चारण न करने वाले यज्ञकर्ता, रक्षा करने में असमर्थ राजा, कटु वचन बोलनेवाली स्त्री गाँव में रहने की इच्छा वाले ग्वाले तथा वन में रहने की इच्छा वाले नाई–इन छः को उसी तरह छोड़ देना चाहिए जैसे समुद्र की सैर करने वाला मनुष्य टूटी फूटी हुई नाव का परित्याग कर देता है ।।

षडेव तु गुणाः पुंसा न हातव्याः कदाचन ।
सत्यं दानमनालस्यमनसूया क्षमा धृतिः ।।

मनुष्य को कभी भी सत्य, दान, कर्मशीलता, अनसूया (दूसरों में दोष देखने की प्रवृत्ति का अभाव), क्षमा तथा धैर्य–इन छः गुणों का त्याग नहीं करना चाहिये।।

अर्थागमो नित्यमरोगिता च प्रिया च भार्या प्रियवादिनी च ।
वश्यश्च पुत्रोऽर्थकरी च विद्या षट् जीवलोकस्य सुखानि राजन् ।।

हे राजन् ! इस जगत में पूर्णरूप से वही सुखी है, जिसके पास धन की आय हो, नित्य निरोगी रहे, पत्नी अनुकूल तथा प्रियवादिनी हो, पुत्र आज्ञाकारी हो तथा धन उपार्जन की विद्या हो ये छः बातें इंस मनुष्य लोक में सुखदायिनी होती हैं।

षण्णामात्मनि नित्यानामैश्वर्यं योऽधिगच्छति ।
न स पापैः कुतोऽनर्थैर्युज्यते विजितेन्द्रियः ।।

मनमें नित्य रहने वाले छः शत्रु–काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद तथा मात्सर्य को जो अपने वश में कर लेता है, वह जितेन्द्रिय पुरुष किसी भी पाप का भागी नहीं होता।

षडिमे षट्सु जीवन्ति सप्तमो नोपलभ्यते ।
चोराः प्रमत्ते जीवन्ति व्याधितेषु चिकित्सकाः ।।
प्रमदाः कामयानेषु यजमानेषु याजकाः ।
राजा विवदमानेषु नित्यं मूर्खेषु पण्डिताः ।।

निम्नाङ्कित छः प्रकार के मनुष्य छः प्रकार के लोगों से अपनी जीविका चलाते हैं। चोर असावधान पुरुष से, वैद्य रोगी से, व्यभिचारी स्त्रियाँ कामी पुरुषों से, पुरोहित अपने यजमान से, राजा झगड़ने वालों से तथा विद्वान् पुरुष बेवकूफ़ों से अपनी जीविका चलाते हैं ।।

षडेते ह्यवमन्यन्ते नित्यं पूर्वोपकारिणम् ।
आचार्यं शिक्षिता शिष्याः कृतदारश्च मातरम् ।। 92 ।।
नारिं विगतकामस्तु कृतार्थाश्च प्रयोजकम् ।
नावं निस्तीर्णकान्तारा नातुराश्च चिकित्सकम् ।। 93 ।।

विदुर जी कहते हैं---अक्सर ये छः लोग अपने पूर्व उपकारी का अनादर करते हुए देखे जाते हैं- शिक्षा समाप्त हो जाने पर शिष्य आचार्य का, विवाहित बेटे माता–पिता का, कामवासना की शान्ति हो जाने पर मनुष्य स्त्री का, कार्य की सिद्धि हो जाने पर सहायक का, नदी की दुर्गम धारा पार कर लेने वाले पुरुष नाविक का तथा रोंगी पुरुष रोग छूटने के बाद वैद्य का तिरस्कार कर देते हैं ऐसा करने से बचना चाहिए।

आरोग्यमानृण्यमविप्रवासः सद्भिर्मनुष्यैः सह संप्रयोगः ।
स्वप्रत्यया वृत्तिरभीतवासः षट् जीवलोकस्य सुखानि राजन् ।।

हे राजन् ! सदा निरोग रहना, ऋणी न होना, परदेश में न रहना, अच्छे लोगों के साथ उठाना–बैठना, अपनी वृत्ति से जीविका चलाना और निडर होकर रहना–ये छः मनुष्य लोक के सुख हैं।

ईर्षुर्घृणी नसन्तुष्टः क्रोधनो नित्यशङ्कितः ।
परभाग्योपजीवी च षडेते नित्यदुःखिताः ।।

ईर्ष्या करने वाला, घृणा करनेवाला, असन्तोषी, क्रोधी, सदा शङ्कित रहनेवाला और दूसरे के भाग्य पर जीवन–निर्वाह करने वाला- ये छः सदा दुःखी रहते हैं हमें उपरोक्त अवगुणों से दूर रहना चाहिए।

सप्त दोषाः सदा राज्ञा हातव्या व्यसनोदयाः ।
प्रायशो यैर्विनश्यन्ति कृतमूलाश्च पार्थिवाः ।। 96 ।।
स्त्रियोऽक्षा मृगया पानं वाक्पारुष्यं च पञ्चमम् ।
महच्च दण्डपारुष्यमर्थदूषणमेव च ।। 97 ।।

जो राजा स्त्री में अति आसक्ति रखता हो, जूआ, शिकार, मद्यपान करता हो वचन कठोर हो, अत्यन्त कठोर दण्ड देता हो और धनका दुरुपयोग करता हो ऐसे राजा को सदा के लिए त्याग देने चाहिये। ऐसे राजा अपने आप नष्ट हो जाते हैं ।।

अष्टौ पूर्वनिमित्तानि नरस्य विनशिष्यतः ।
ब्राह्मणान्प्रथमं द्वेष्टि ब्राह्मणैश्च विरुध्यते ।।
ब्राह्मण स्वानि चादत्ते ब्राह्मणांश्च जिघांसति ।
रमते निन्दया चैषां प्रशंसां नाभिनन्दति ।।
नैतान्स्मरति कृत्येषु याचितश्चाभ्यसूयति ।
एतान्दोषान्नरः प्राज्ञो बुद्ध्या बुद्धा विवर्जयेत् ।।

विनाश के मुख में पड़ने वाले मनुष्यों की आठ पहचान बताते हुए विदुर जी कहते हैं--- प्रथम तो वह ब्राह्मणों से द्वेष करता है, फिर उनके विरोधका पात्र बनता है, ब्राह्मणों का धन हड़प लेता है, उनको मारना चाहता है, ब्राह्मणों की निन्दा में आनन्द मानता है, उनकी प्रशंसा सुनना नहीं चाहता, यज्ञ–यागादि में उनका स्मरण नहीं करता तथा कुछ माँगने पर उनमें दोष निकालने लगता है । इन सब दोषों को बुद्धिमान् मनुष्य समझे और समझकर त्याग दे ।।

श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारे हे नाथ नारायण वासुदेव ....
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

महान संगीतकार उस्ताद इलैयाराजा की जिंदगी को पर्दे पर उतारने को तैयार धनुष

बॉलीवुड और साउथ सुपरस्टार धनुष ने अपने नये प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। एक्टर जल्द एक बायोपिक में दमदार रोल निभाने वाले हैं। एक्स (ट्विटर) पर धनुष ने एक पोस्टर के साथ फिल्म की अनाउंसमेंट कर दी है। धनुष साउथ फिल्म इंडस्ट्री के महान संगीतकार उस्ताद इलैयाराजा का किरदार निभाएंगे। धनुष अपने अंदाज में इलैयाराजा की जिंदगी को बड़े पर्दे पर उतारने के लिए हैं। फिल्म डायरेक्टर अरुण मथेश्वरन इलैयाराजा के जीवन को बड़े पर्दे पर दिखाना चाहते हैं। वहीं इलैयाराजा के बेटे हैं युवान शंकर राजा ने प्रोडक्शन का जिम्मा संभाला है। इलैयाराजा की बायोपिक से धनुष की पहली झलक सामने आ चुकी है। चन्नई में एक कार्यक्रम में फिल्म का पहला लॉन्च किया गया है। दिग्गज एक्टर कलम हासन ने भी इस इवेंट में शामिल हुए थे जिन्होंने पोस्टर लॉन्च किया था। इलैयाराजा की फिल्म के पोस्टर को चेन्नई में एक कार्यक्रम में कमल हासन, वेट्री मारन, गंगई अमरेन और भारतीराजा की उपस्थिति में लॉन्च किया गया था। फिल्म, जिसका इलैयाराजा ही रखा गया है। नीरव शाह को सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।पोस्टर में युवा धनुष कंधे पर बैग लटकाए दुनिया से मुकाबला करने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। पोस्टर में पुराने चेन्नई को भी दिखाया गया है जिसे पहले मद्रास के नाम से जाना जाता पोस्टर शेयर करते हुए धनुष ने कहा कि यह किरदार निभाकर वह सम्मानित महसूस कर रहे हैं।इलैयाराजा दक्षिण भारतीय सिनेमा में एक महान संगीतकार हैं। उनके जीवन को पर्दे पर दिखाना ऐतिहासिक माना जा रहा है। उनकी बायोपिक एक नहीं, बल्कि पांच भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इस फिल्म आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में देख सकते हैं। हालांकि अभी फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है।

फिल्म का म्यूजिक खुद इलैयाराजा तैयार करने वाले हैं।रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की शूटिंग इसी साल जुलाई में शुरू होगी तो वहीं यह फिल्म में सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। पोस्टर लॉन्च कार्यक्रम में धनुष ने संगीत उस्ताद के प्रति गहरा प्यार जताया था। उन्होंने कहा, मैं इलैयाराजा का फैन और भक्त हूं। उनका संगीत मेरा साथी है और यह हर किसी को पसंद आता है। उनका संगीत मेरा अभिनय शिक्षक है।

किसी दृश्य से पहले एक गाना या बीजीएम सुनता था – और उसका संगीत मुझे बताता है कि सीन में कैसे अभिनय करना है। कई लोग कहते हैं कि यह एक बड़ी चुनौती और जिम्मेदारी है, लेकिन, मुझे ऐसा नहीं लगता।वह मेरे साथ रहे हैं और हमेशा मेरे साथ रहेंगे।

राजेश खन्ना की इस फिल्म को देखने के बाद बुजुर्गों ने बदल ली थी अपनी वसीयत

बच्चों से छीन लिया था मालिकाना हक

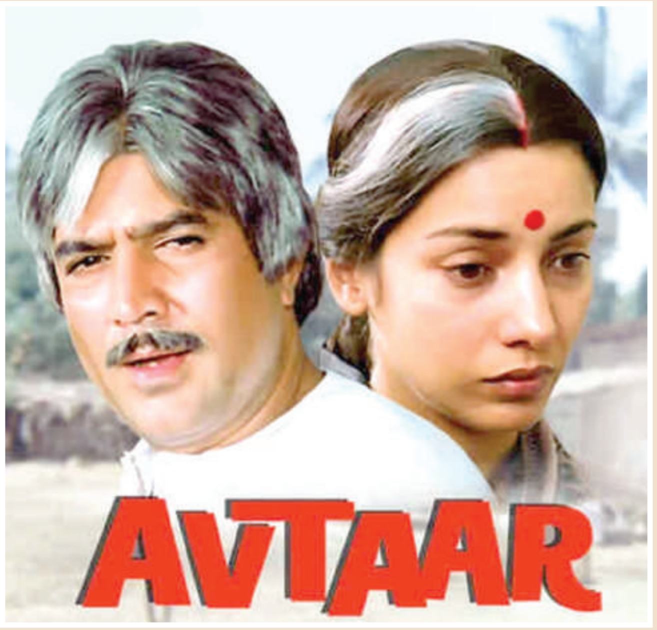

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई ऐसी फिल्में बनी है, जिसने हमारे मन पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। खासकर 80-90 के दौर जो फिल्में बनती थीं, उसे देखकर लोग बहुत प्रभावित होते थे और उसका गहरा असर लोगों के दिलों दिमाग पर पड़ता था। ठीक इसी तरह से 1983 में आई राजेश खन्ना और शबाना आजमी की एक फिल्म को देखकर बुजुर्ग दंपतियों ने अपनी वसीयत तक बदल दी थी और संपत्ति उन्होंने अपने बच्चों के नाम पर कर दी थी वो भी उनसे वापस ले ली थी। आखिर ऐसा क्यों और वो फिल्म कौन सी थी आइए हम आपको बताते हैं।

फिल्म देखने के बाद लोगों ने बदली अपनी वसीयत

साल 1983 में राजेश खन्ना और शबाना आजमी की अवतार बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी, जिसका डायरेक्शन मोहन कुमार ने किया था। इस फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे बूढ़े होने के बाद बच्चे मां-बाप के साथ बर्ताव करते हैं और कैसे वो उन्हें अपनी जिंदगी से निकाल देते हैं। दरअसल, इस फिल्म में अवतार किशन कि राजेश खन्ना और राधा किशन उर्फ शबाना आजमी को उनके बेटे उनके हाल पर छोड़ देते हैं। इसके बाद अवतार नई सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंच जाते हैं, जिसके बाद बदलते रिश्तों की कहानी को दिखाया गया है।

क्या थी फिल्म की कहानी

1983 में आई फिल्म अवतार प्रभाव लोगों पर इस कदर हुआ कि इस फिल्म को देखने के बाद भारत में कई बुजुर्ग दंपतियों ने अपने घर के मालिकाना हक को वापस ले लिया, जिन्होंने अपने घर का स्वामित्व अपने बच्चों को दे दिया था। उन्हें डर था कि उनके बच्चे उनके साथ भी वही सकते हैं, जो इस फिल्म में राजेश खन्ना और शबाना आजमी के बच्चों ने अपने माता-पिता के साथ किया था। इस फिल्म में राजेश खन्ना शबाना आजमी के अलावा एके हंगल रशीद, सचिन पिलगांवकर, सुजीत कुमार, राजन ग्रेवाल, प्रीति सप्रू जैसे कई एक्टर एक्ट्रेस ने बेहतरीन अभिनय किया था।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आरजे करिश्मा जिसकी वीडियो का हर कोई है फैन!

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आए दिन कई सारी वीडियोज आती रहती हैं। ये एक ऐसी जगह है जहां लोग अपना टेलेंट शो करते हुए नजर आते हैं। वहीं उनमें से कुछ लोगों का कंटेंट लोगों को इस कदर पसंद आ जाता है कि उनकी वीडियो अपलोड होते ही वायरल होने लगती हैं। ऐसी ही एक कंटेंट क्रिएटर हैं आरजे करिश्मा उनके वीडियोज भी काफी ज्यादा मजेदार होते हैं और लोगों को काफी पसंद भी आता है।

आरजे करिश्मा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं और आए दिन अपने नए-नए मजेदार वीडियोज फैंस के बीच शेयर कर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं।वो कोई भी वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।

हालांकि उनका मसाला भरा कंटेंट और मनोरंजन वाला अंदाज देखने के लिए हर कोई बेताब रहता है।आरजे करिश्मा ने कई ऐसे कंटेंट बनाएं हैं जिसे फैंस ने खूब पसंद भी किया है, जैसे भाई-बहन के झगड़े को लेकर, पति-पत्नि को लेकर, मां-बेटी के बीच की नोंक-झोंक को लेकर और फ्रेंड्स के रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर जिनपर काफी लोगों ने लाइक्स भी किए हैं।बता दें कि आरजे करिश्मा का सोशल मीडिया पर मजाकिया वीडियो देखकर ये साफ झलकता है कि वो खुद भी खुश रहना पसंद करती हैं और दूसरों को भी हंसाने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं।आरजे करिश्मा इंदौर की रहने वाली हैं और वो एक रेडियो स्टेशन में रेडियो जॉकी हैं। वो काफी वक्त से अलग-अलग कंटेंट पर वीडियो बना रही हैं।

उन्होंने पैनडेमिक के समय ये वीडियोज बनाना स्टार्ट किया था।एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर जब भी अपनी वीडियोज शेयर करती हैं तो लाखों फैंस उनकी वीडियो पर जमकर कॉमेंट्स और लाइक्स करते हैं।उनका इंस्टाग्राम पर आरजे करिश्मा नाम से अकाउंट है। उन्हें इंस्टा पर 7 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

ऐश्वर्या राय की रिजेक्ट की गई इस फिल्म से हुआ था श्रीदेवी का हिट कमबैक

थियेटर से इमोशनल होकर निकल रहे थे दर्शक

श्रीदेवी बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस में से एक थीं। आज भले ही वो हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी फिल्में, एक्टिंग और स्टारडम जेहन में ताजा हैं। श्रीदेवी की सबसे अच्छी फिल्मों में 'इंग्लिश विंग्लिश' का नाम भी आता है। यह उनकी सबसे ज्यादा पसंदीदा फिल्मों में से एक है। साल 2012 में आई इस फिल्म में एक ऐसी महिला के बारें में बताया गया है जो अपनी फैमिली में सम्मान पाने के लिए अमेरिका में इंग्लिश सीखने की हरसंभव कोशिश करती है और एक दिन ऐसा होता है जब वह अच्छी इंग्लिश तो बोलती है और सबको हैरान कर देती है। इस फिल्म में श्रीदेवी की एक्टिंग को तारीफ मिली लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि फिल्म 'इंग्लिश विंग्लिश' के लिए पहली पसंद श्रीदेवी बिल्कुल भी नहीं थी। उनसे पहले यह फिल्म एक और दिग्गज एक्ट्रेस के पास गई थी। पढ़िए दिलचस्प किस्सा।

इंग्लिश विंग्लिश' की पहली पसंद नहीं थीं श्रीदेवी

फिल्म 'इंग्लिश विंग्लिश' जब सिनेमाघरों में आई थी तब इसे खूब तारीफें मिली थीं। फिल्म को श्रीदेवी के पति और फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने ही बनाया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में बोनी कपूर ने खुलासा किया कि इस फिल्म के लिए पहली चॉइस श्रीदेवी नहीं बल्कि ऐश्वर्या राय बच्चन थीं। फिल्म उन्हीं के साथ बनाई जाने वाली थी। फिल्म की डायरेक्टर गौरी शिंदे इसके लिए ऐश्वर्या राय बच्चन को कॉस्ट करना चाहती थीं लेकिन फिल्म प्रोड्यूसर आर बाल्की श्रीदेवी के साथ इस फिल्म को करना चाहते थे। वह इस फिल्म को साउथ इंडियन भाषाओं में भी लाना चाहते थे।

श्रीदेवी को ऐसे मिली 'इंग्लिश विंग्लिश'

जब बोनी कपूर ने आर बाल्की से पूछा कि वह सिर्फ लोकल लैंग्वेज में ही काम क्यों करना चाहते हैं तब उन्होंने बताया कि फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए श्रीदेवी बिल्कुल फिट रहेंगी क्योंकि इंग्लिश से जूझने का किरदार निभा पाना इतना आसान नहीं है और श्रीदेवी ही इसे अच्छी तरह से निभा चुकी हैं।

ऐश्वर्या राय पर क्यों राजी नहीं हुए फिल्म प्रोड्यूसर

बोनी कपूर ने बताया कि ऐश्वर्या राय बच्चन मिस इंडिया भी रह चुकी हैं लेकिन उन्हें लगता है कि 'इंग्लिश विंग्लिश' के कैरेक्टर के लिए किसी की तुलना में श्रीदेवी ज्यादा परफेक्ट थीं। इस वजह से बाद में ऐश्वर्या राय बच्चन की बजाय श्रीदेवी को इस फिल्म में कास्ट किया गया और उन्होंने बखूबी इस किरदार को निभाया।

रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन में इस फ्लॉप एक्टर को क्यों दिया बड़ा काम?

इसने कई साल से नहीं दी एक भी हिट फिल्म

रोहित शेट्टी की 'सिंघन अगेन' साल 2024 की मचअवेटेड फिल्मों में से एक है। इसे लेकर रोहित कोई कसर छोड़ने को राजी नहीं हैं तभी तो स्टार कास्ट भी लंबी तगड़ी फाइनल की है। फिल्म में अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, कियारा आडवाणी, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर तक का नाम शामिल है। अब बाकी सब तो ठीक है लेकिन लोग अर्जुन कपूर के नाम से काफी हैरान थे कि भाई को इस फिल्म में क्यों लिया गया। इससे पहले उन्होंने कोई खास दमदार पुलिस वाले का रोल तो किया नहीं है फिर अर्जुन को किसलिए और क्यों रखा गया ? ऐसी कौनसी परफॉर्मेंस थी जिससे रोहित इतने इंप्रेस हुए कि फिल्म ही दे डाली।

अर्जुन कपूर को क्यों मिली 'सिंघम अगेन'?

अर्जुन कपूर को क्यों मिली ? आखिर उन्होंने ऐसा क्या कर डाला ? अगर आपके दिमाग में भी यही सवाल चल रहा है तो चलिए बता देते हैं कि उनकी कौनसी परफॉर्मेंस थी जिसने रोहित शेट्टी का दिल जीत लिया। बोनी कपूर ने हाल में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि रोहित को 'एक विलेन रिटर्न्स' में अर्जुन कपूर की परफॉर्मेंस बेहद शानदार लगी। इससे वे इतने इंप्रेस्ड थे कि अर्जुन को 'सिंघम अगेन' के लिए साइन कर लिया।

जब बोनी कपूर से पूछा गया कि क्या 'सिंघम अगेन' के साथ अर्जुन कपूर की जिंदगी में फेम और सक्सेस लौटेगा तो उन्होंने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि ये फिल्म उनके लिए भी अच्छी साबित होगी। एक विलेन रिटर्न्स में भी उन्होंने अच्छा काम किया था और फिर वो अपनी परफॉर्मेंस दोहराएंगे। उनकी आंखें बहुत ही इंटेन्स हैं और इसका उन्हें फायदा होता है। बता दें कि एक विलेन रिटर्न्स 2022 में रिलीज हुई थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहायता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही ख़राब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस-ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 06 अप्रैल 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रातः 10:21 तक
नक्षत्र : शतभिषा सायं 03:40 तक
योग : शुभ प्रातः 06:14 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:21 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : एकादशी का पारणा , शनि प्रदोष व्रत , महावारुणी योग प्रातः 10:20 से सायं 03:40 तक , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आरपीएससी में बदल गई शुल्क भुगतान की प्रक्रिया

जानिए अब किस माध्यम से जमा करानी होगी राशि

जयपुर,05 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग संशोधन शुल्क, विस्तृत आवेदन-पत्र के साथ लिया जाने वाला शुल्क इत्यादि केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जा रहे हैं। एक जनवरी 2024 पोस्टल आर्डर के माध्यम से शुल्क भुगतान की प्रक्रिया को बंद कर दिया गया है। आयोग की ओर से कहा गया कि आयोग को किया जाने वाला शुल्क भुगतान ऑनलाइन माध्यम से ही किया जाए। किसी भी परिस्थिति में पोस्टल आर्डर इत्यादि से किया जाने वाला ऑफलाइन शुल्क आयोग नहीं करेगा।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि आयोग को भेजे जाने वाले ऑनलाइन शुल्क हेतु अभ्यर्थी एसएसओ आईडी पर लॉगिन करने के बाद रिक्रूटमेंट पोर्टल पर उपलब्ध 'पेमेंट फॉर ऑफलाइन सर्विस' पर क्लिक कर शुल्क के प्रयोजन का चयन कर ऑनलाइन माध्यम से ही शुल्क जमा कराएं।

शुल्क जमा करने के बाद रसीद का प्रिंट अवश्य लें। इस रसीद को आयोग में प्रस्तुत किए जाने वाले विस्तृत आवेदन-पत्र अथवा संशोधन के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले ऑफलाइन पत्र के साथ संलग्न किया जाए। इसी प्रकार आयोग द्वारा 1 जनवरी 2024 से आरटीआई के तहत आवेदन को केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किया जा रहा है। इसके तहत की जाने वाली प्रथम अपील को भी एक जुलाई 2024 से ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। उल्लेखनीय है आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की सुविधार्थ सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से विभिन्न प्रक्रियाओं को निरंतर ऑनलाइन किया जा रहा है। अभ्यर्थियों को विभिन्न आवेदन, शुल्क भुगतान तथा परिवेदना दर्ज कराने जैसी सुविधाएं ऑनलाइन ही प्राप्त हो रहीं है। इससे आयोग की प्रक्रियाओं में गति के साथ ही अभ्यर्थियों के समय, श्रम एवं धन की बचत भी हो रही है।

शराब पीकर स्कूल में पढ़ाने वाला शिक्षक निलंबित

प्रारंभिक जिला शिक्षा अधिकारी ने की कार्रवाई

झुंझुनू,05 अप्रैल (एजेंसियां)। शराब पीकर स्कूल में दुर्व्यवहार करने के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी मनोज ढाका ने आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया। अध्यापक निलंबन काल के दौरान मुख्यालय सीबीईओ कार्यालय उदयपुरवाटी रहेगा।

गौरतलब है कि झुंझुनूं के गुढ़ागौड़जी कस्बे के पंजी का बास, केड़ में स्थित सरकारी स्कूल में कार्यरत शिक्षक रोहिताश का शराब पीकर स्कूल में जाकर बच्चों पढ़ाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। शराब पीकर स्कूल में दुर्व्यवहार करने के मामले में प्रारंभिक जिला शिक्षा अधिकारी मनोज ढाका ने आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया। अध्यापक निलंबन काल के दौरान मुख्यालय सीबीईओ कार्यालय उदयपुरवाटी रहेगा।

वायरल वीडियो में शिक्षक बदहवास नजर आ रहे लेट पहुंचने पर प्रधानाध्यापक निर्मला ने शिक्षक की अनुपस्थिति लगा दी थी, इसके बाद शिक्षक ने प्रधानाध्यापक के साथ भी अभद्रता की, ग्रामीणों को जब पता चला तो शिक्षक को क्लासरूम के अंदर बंद कर दिया वायरल वीडियो में शिक्षक की गाड़ी के अंदर शराब की बोतले भी वायरल थी।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध खनन में लिप्त फॉरेस्टर और वनपाल निलंबित

दौसा,05 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा जिले में लगातार हो रहे अवैध खनन को लेकर मिल रही शिकायतों के बाद भी अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना वनविभाग के कर्मचारियों को भरी पड़ गया। दौसा उप वनसंरक्षक अजीत अजीत ऊंचोई ने गुरुवार को बालाजी नाके के फॉरेस्टर दिनेश मीना और वनपाल महेंद्र बैरवा को निलंबित कर दिया है। वहीं, निलंबन के दौरान दोनों का मुख्यालय डिविजन कार्यालय के आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार मामला सिकराय में लगातार अवैध खनन की शिकायतों का है। ये शिकायतें लगातार दौसा उप वनसंरक्षक को मिल रही थीं। इसके वनकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उप वनसंरक्षक अजीत अजीत ऊंचोई ने बताया कि अवैध खनन के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा। साथ ही अवैध खनन में लिप्त पाए गए विभागीय अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि अजीत ऊंचोई ने यह भी कहा इस अवैध खनन में लोगों की कितनी भूमिका है। इस बात की जांच की जा रही है।

उधर, राजस्थान की भजनलाल सरकार ने आते ही अपने तेवर स्पष्ट कर दिए थे कि अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उसके बावजूद जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार यादव और एसपी रंजिता शर्मा ने जिले में जॉइनिंग के दौरान जिले में हो रहे अवैध खनन को लेकर चिंता जाहिर की थी। ऐसे में जिला कलेक्टर और एसपी ने जिले के अधिकारियों की बैठक कर अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के आदेश दिए थे।

हैरानी की बात ये है कि उच्चाधिकारियों के बार-बार जारी आदेशों की लगातार अवहेलन हुई। दौसा जिले के सिकराय उपखंड में वन अधिकारी अवैध खनन पर लगाम लगाने में नाकाम साबित होने के साथ संलिप्त होने की बात भी समाने आई है।

सहायक लेखा अधिकारी 55 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अजमेर,05 अप्रैल (एजेंसियां)। भीलवाड़ा एसीबी की ओर से पुष्कर नगर पालिका में तैनात सहायक लेखा अधिकारी को 55 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ट्रैक किया गया है। इस मामले में भीलवाड़ा एसीबी कर आरोपी दीपक अग्रवाल के घर और अन्य ठिकानों पर दबिश दी। दस्तावेजों की जांच कर संपत्ति का आंकलन किया जा रहा है। अजमेर के साइनवर्ल्ड इलाके में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार आरोपी दीपक अग्रवाल 3:00 बजे नगर पालिका कार्यालय से अजमेर के लिए नवन गया था। जानकारी देते हुए भीलवाड़ा एसीबी फर्स्ट के उपाधीक्षक पारसमल जांगिड़ ने बताया कि सिविल ठेकेदार कोटडा निवासी विष्णु कुमार गुप्ता ने भीलवाड़ा एसीबी को शिकायत दी। पुष्कर नगर पालिका में तैनात सहायक लेखा अधिकारी दीपक अग्रवाल अलग-अलग विकास कार्यों के दौरान किए गए काम की एवज में की मांग कर रहा है।

बीडीओ से मारपीट करने वाला सरपंच गिरफ्तार

एसपी ने घोषित किया था पांच हजार का इनाम

दौसा,05 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा पुलिस ने सिकराय बीडीओ के साथ मारपीट कर राजकार्य में बाधा डालने के मामले में आरोपी सरपंच को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी सरपंच के खिलाफ दौसा एसपी ने पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था।

बता गतमाह 16 मार्च को ठिकरिया सरपंच कमलेश मीना पुत्र रामजीलाल ने अपने ड्राइवर बलराम ने मिलकर बीडीओ बाबूलाल के ऑफिस में घुसकर मारपीट की थी। दौसा पुलिस ने इस मामले की गंभीरता के लेते हुए आरोपी सरपंच के ड्राइवर बलराम मीना को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। सरपंच को अंजाम देने के बाद से ही फरार चल रहा था।

मारपीट के मामले में मानपुर थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि 16 मार्च को बीडीओ बाबूलाल ने आरोपी सरपंच कमलेश मीना और सरपंच के ड्राइवर बलराम के खिलाफ मारपीट करने और राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज कराया था। उसने बताया कि ठिकरिया सरपंच कमलेश मीना और उसका ड्राइवर बलराम 16 मार्च को ऑफिस में आए थे। इस दौरान आरोपी सरपंच कार्य स्वीकृति के लिए कहने लगा। ऐसे में सरपंच को बताया कि कार्य प्लान में डालने के बाद स्वीकृत कर दिए जाएंगे।

बात से नाराज सरपंच कमलेश मीना और ड्राइवर बलराम मीना ने बीडीओ बाबूलाल मीन के साथ गाली गलौच करने के साथ ही मोबाइल छीनकर तोड़ दिया। इसके बाद सरपंच और ड्राइवर द्वारा बीडीओ के साथ मारपीट की गई थी। वहीं इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बीडीओ ऑफिस में लगे कैमरे में कैद हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सरपंच और ड्राइवर मौके से फरार हो गए। ऐसे में आरोपी बलराम मीना को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

काउंसिलिंग से संख्या बढ़ाने पर जोर

शिक्षक और शिक्षक स्टाफ को कराने होंगे दो नए दाखिले

रोहतक,05 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की घटती संख्या ने शिक्षा विभाग को चिंता में डाल दिया है। बच्चों का स्कूलों में दाखिला कराने में रुचि नहीं दिखा रहे अभिभावकों की शिक्षकों की ओर से काउंसिलिंग की जाएगी। विभाग ने प्रदेश दाखिला संख्या में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है। साथ ही तय किया है कि हर शिक्षक और गैर शिक्षक स्टाफ को दो-दो नए दाखिले करवाने होंगे।

विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में 53 हजार से अधिक विद्यार्थी सरकारी विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। नए सत्र सरकारी विद्यालयों में 13 अप्रैल तक दाखिले किए जाएंगे। तय किया गया है 72 हजार बच्चों के दाखिले हों। लक्ष्य को प्राप्त करने में शिक्षा विभाग की ओर से अधिकारियों से लेकर विद्यालयों के शिक्षक एवं गैर शिक्षक स्टाफ की ड्यूटी तय की गई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तहत 2030 तक प्रदेश के अंदर छह वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु के सौ प्रतिशत बच्चों का नामांकन का लक्ष्य है। इसी कड़ी में सरकारी विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षा विभाग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क प्रशिक्षण, निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार, अनुसूचित के कक्षा छठी एवं नौंवी के विद्यार्थियों के लिए मुफ्त साइकिल सुविधा, मेधावी विद्यार्थियों के लिए अनेक प्रकार की छात्रवृत्ति सुविधा, पिछड़ा वर्ग के बच्चों के लिए मासिक व वार्षिक प्रोत्साहन राशि, कक्षा पहली से आठवीं तक मुफ्त वर्दी, पुस्तकें, स्कूल बैग, स्टेशनरी व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा।

पूर्व प्राथमिक कक्षा से 18 वर्ष आयु तक के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्य धारा में लाने का और जीरो ड्रॉप आउट लक्ष्य तय किया हुआ है। 72 हजार से अधिक दाखिले कराने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्टाफ का प्रत्येक सदस्य दो नए दाखिले इस में कराएगा।

गांव नाड़ा में किसानों ने दुष्यंत चौटाला को दिखाए काले झंडे

गाड़ी के सामने खड़े होकर नारेबाजी की

हिसार,05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार के नारनौंद गांव के नाड़ा में प्रदर्शनकारी किसानों ने पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को काले झंडे दिखाकर विरोध किया। प्रदर्शनकारी किसानों ने दुष्यंत चौटाला के काफिले को रोक लिया। रोड पर किसानों का प्रदर्शन देखकर दुष्यंत चौटाला गाड़ी से नीचे उतरे। कुछ देर तक उन्होंने किसानों से बातचीत का प्रयास किसानों ने किसानों के हत्यारे मुर्दाबाद के नारे लगाए। जब किसान सवाल जवाब करने लगे तो दुष्यंत चौटाला गाड़ी में बैठक कर वापस चले गए।

जानकारी के अनुसार पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला लोकसभा चुनाव को लेकर प्रचार अभियान के तहत गांव नाड़ा पहुंचे थे। यहां कुछ किसान सड़क खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। प्रदर्शनकारी किसान सड़क के बीच खड़े हो गए। किसानों ने नारेबाजी विरोध किया। किसानों ने कहा कि दुष्यंत को जाना हो तो पैदल जाएं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमने दुष्यंत चौटाला को वोट दिया लेकिन इन्होंने लोगों के साथ गद्दारी करते हुए भाजपा साथ दिया। किसानों ने जजपा भाजपा की बी टीम बन कर काम कर रही है। यह लोग अलग अलग होने का नाटक कर रहे हैं। किसानों ने कहा कि दुष्यंत चौटाला ने किसान आंदोलन के समय मृत 750 किसानों के लिए कभी आवाज नहीं उठाई।

विधायक के निजी कोष से बनवाए जा रहे थे व्यायामशाला व बैडमिंटन कोर्ट, नपा जेसीबी से तोड़ा

महेंद्रगढ़,05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में शुक्रवार का दिन महेंद्रगढ़ नगरपालिका में हंगामें के नाम रहा। एक ओर सचिव की ओर से प्रधान के खिलाफ विधायक व पूर्व विधायक के कहने पर अवैध कब्जे कराने के आरोप का मामला थमा नहीं था।

वहीं दूसरी शहर के हुडा पार्क में विधायक राव दान सिंह द्वारा निजी कोष से लोगों की मांग पर बनाई जा रही व्यायामशाला व बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण ढहा दिया गया। इस निर्माण में चाहरदीवारी व डीपीसी तैयार कर दी गई थी। उधर नपा प्रधान, सचिव के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने महाबीर प्रसाद व उपमंडल अधिकारी संजीव कुमार पहुंचे थे। दूसरी ओर नपा द्वारा हुडा पार्क में निर्माणाधीन व्यायामशाला व बैडमिंटन कोर्ट की डीपीसी तोड़ने से शहरवासी एवं विधायक समर्थक भारी संख्या में पार्क पहुंच गए जहां उन्होंने जमकर हंगामा किया।

इसके बाद नपा कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी शुरू कर दी। दौरान नपा सचिव प्रशांत व एमई दिनेश नपा कार्यालय में नहीं दिखे। लोगों ने जमकर नपा विरोधी नारेबाजी शुरू कर दी। जोरदार नारेबाजी के उपरांत लोगों ने एसडीएम से मुलाकात करने का निर्णय लिया।

सिजेरियन डिलीवरी के दौरान जच्चा बच्चा की मौत

पानीपत,05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में भावना चौक स्थित निजी अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के दौरान एक जच्चा बच्चा की मौत हो गई। गर्भवती की गुरुवार शाम को अचानक तबीयत बिगड़ी थी। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने इलाज में लापरवाही बरती है। इसलिए जच्चा की मौत हुई है। परिजनों ने यहां निजी अस्पताल में जमकर हंगामा भी किया।

हंगामे की सूचना पर तहसील कैंप थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को शांत किया। पुलिस ने परिजनों के बयानों पर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। अब पुलिस की जांच कर रही है। परिजनों ने सिविल सर्जन डॉ. जयंत आहूजा को भी इस मामले की शिकायत दी है।

तहसील कैंप के विष्णु नगर निवासी जितेंद्र सिंह ने बताया कि वह आठ साल की बेटी हरसिरत कौर व पांच साल के तरुणजीत का पिता है। उसकी पत्नी जसविंद्र (38) छह माह की गर्भवती थी। जसविंद्र को गुरुवार शाम चार बजे अचानक पेट में दर्द हो गया और रक्त रिसाव शुरू हो गया। वह उसे भावना चौक स्थित निजी अस्पताल में लेकर गया। यहां डॉक्टर ने काफी देर तक उसका इलाज शुरू नहीं किया। जसविंद्र का रक्तचाप गिर वह डॉक्टर से सर्जरी से डिलीवरी करने की कहते रहे। उसके पहले दो बच्चे भी सर्जरी से हुए थे। डॉक्टर सामान्य डिलीवरी पर अड़ी रही। शाम सात बजे उनसे रक्त मंगाया गया। उन्होंने निजी ब्लड बैंक से रक्त की यूनिट लाकर डॉक्टर को दे दी। उनको जसविंद्र कौर से भी नहीं दिया। डॉक्टर ने सर्जरी से डिलीवरी की। कुछ देर बाद उन्हें बताया गया कि अस्पताल में संसाधनों की कमी है। वह जसविंद्र को निजी अस्पताल में ले जाए। जब तक उसकी व जन्मी बच्ची की मौत हो चुकी थी। जसविंद्र की मौत डॉक्टर की लापरवाही से हुई डॉक्टर ने देरी से इलाज शुरू किया। जब पहले दो डिलीवरी सर्जरी से हुई थी तो डॉक्टर ने जबरदस्ती सामान्य डिलीवरी का प्रयास क्यों किया।

कांग्रेसी दिग्गज के पास पहुंचे जदयू के लोकसभा प्रत्याशी

राजद और निर्दलीय भी ले चुके आशीर्वाद

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया लोक सभा सीट बिहार में चर्चा का विषय बना हुआ है। हर किसी की नजर पूर्णिया लोक सभा सीट पर अटकी हुई है। गुरुवार को पूर्णिया के सियासी गलियारों में दिलचस्प घटनाक्रम देखने को मिला। जहां एक तरफ कांग्रेस नेता राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव निर्दलीय उम्मीदवार नामांकन करने में व्यस्त थे तो वहीं पूर्णिया के निवर्तमान सांसद संतोष कुशवाहा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान करने वाले पूर्व कांग्रेस नेता उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह से मुलाकात कर अपने पक्ष में समर्थन मांग रहें थे।

इस संबंध में पूछे जाने पर संतोष कुशवाहा ने कहा कि आज पूर्व सांसद उदय सिंह के मधुबनी स्थित आवास पर उनसे शिष्टाचार मुलाकातकी।लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनसे राजनीतिक-विमर्श हुआ। मैंने बतौर प्रत्याशी उनसे सहयोग और बड़े भाई के रूप में उनका आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद पप्पू सिंह से आशीर्वाद भी मिला है। निवर्तमान सांसद संतोष कुशवाहा ने पूर्व सांसद पप्पू सिंह से मिले आशीर्वचनों के लिए आपका आभार व्यक्त किया हैं।

पूर्व सांसद उदय सिंह 2019 के लोक सभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में मैदान में थे। उन्होंने राजनीति की शुरुआत कांग्रेस से की थी, लेकिन भाजपा के कमल के सहारे दो बार लगातार पूर्णिया लोक सभा सीट से विजयी रहे थे। 2019 में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर भाजपा छोड़ कांग्रेस से चुनाव लड़े थे, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस बार उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है।

इसके बाद दो दिन पूर्व ही पूर्व सांसद उदय सिंह के आवास पर पहले उनसे मिलने पूर्व सांसद पप्पू यादव पहुंचे फिर उनके निकलते ही महागठबंधन से राजद प्रत्याशी बीमा भारती भी पहुंच गईं। ये दोनों उनसे अपने -अपने समर्थन में पूर्व सांसद पप्पू सिंह से आशीर्वाद लेने उनके आवास पर पहुंचे थे।

शव यात्रा की गाड़ी में ट्रक ने मारी टक्कर

पत्नी का शव लेकर जा रहे पति समेत तीन की मौत, छह घायल

पटना (एजेंसियां)। भोजपुर में भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना भोजपुर जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के ओरैया टोला के समीप पास की है। बताया जा रहा है कि महिला का शव लेकर दाह संस्कार के लिए बक्सर जा रही सवारी गाड़ी में ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण तीन लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं आधा दर्जन से ज्यादा लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। इनका इलाज आरा सदर अस्पताल और अन्य निजी अस्पतालों में कराया जा रहा है। एक शख्स को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है।

घटना के बाद शव और दाह संस्कार का सारा सामान सवारी गाड़ी पर ही रह गया। लाश भी सवारी गाड़ी के ऊपर ही बंधी हुई है। गाड़ी पूरी तरह से दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। वहीं ग्रामीणों की मदद से स्थानीय थाना को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई। पुलिस ने लाशों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मरने वालों ने मृतकों में जिले के चरप-ोखरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रिया गांव निवासी स्वर्गीय मुसाफिर सिंह के 65 वर्षीय पुत्र राम लाल सिंह, बिंदेश्वरी सिंह के 40 वर्षीय पुत्र कमलेश सिंह, स्वर्गीय बबन सिंह के 40 वर्षीय कृष्णा सिंह शामिल है। घटना को लेकर ग्रामीण अभिजीत सिंह बताया कि चरपोखरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रिया गांव निवासी राम लाल सिंह की पत्नी गूंजा देवी का निधन हो गया था। उनकी शव को अंतिम संस्कार के लिए बक्सर घाट ले जा रहे थे। तभी ओरैया टोला के समीप ट्रक वाले ने टक्कर मार दिया। इससे गाड़ी पलट गई।

जिसकी वजह से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं घटना को लेकर एसआई ने बताया कि सवारी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई है। जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। घटना रीगल ढाबा से दस कदम पीछे हुई है। वहीं इस घटना में लगभग आधा दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी है।

ग्रामीणों का कहना है कि चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी राम लाल सिंह की 55 वर्षीय पत्नी गूंजा देवी का निधन गुरुवार की दोपहर अचानक हार्ट अटैक आने पर हो गया था। जिसके बाद गूंजा देवी के शव का अंतिम संस्कार के लिए सवारी गाड़ी से बक्सर ले जाया जा रहा था। उसी दौरान जिले के ओरैया टोला के समीप सवारी गाड़ी सड़क हादसे की शिकार हो गई। इस घटना में गूंजा देवी के पति राम लाल सिंह की भी मौत हो गई। वहीं इस घटना में बेटा पवन कुमार जख्मी है। उसका इलाज निजी अस्प-ताल में कराया जा रहा है।

इस घटना में आधा दर्जन से ज्यादा लोग जख्मी हुए है। जिसमें स्वर्गीय बृजा सिंह के 55 वर्षीय पुत्र कृष्णा सिंह, स्वर्गीय गणपत सिंह के 60 वर्षीय पुत्र धर्मनाथ सिंह, स्वर्गीय वृदा नंद सिंह के 60 वर्षीय पुत्र दयानंद सिंह, बिहारी सिंह के 55 वर्षीय वीर बहादुर सिंह शामिल है।

यह सभी चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव के रहने वाले है। वहीं एक और जख्मी जगदीशपुर के निवासी स्वर्गीय राजेंद्र सिंह के 35 वर्षीय पुत्र मदन सिंह है। इसका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। वहीं दयानंद सिंह की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इसकी वजह से दयानंद सिंह को डॉक्टर ने प्राथमिकी इलाज के बाद पटना रेफर कर दिया गया है।

पशुपति पारस अब भतीजे चिराग पासवान के साथ

लोकसभा चुनाव के पहले दोनों की रंजिश दूर

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार की जमुई लोकसभा सीट पर पहले चरण में चुनाव है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की पहली चुनावी जनसभा गुरुवार को इसी सीट पर हो रही है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। दिवंगत रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान इस सीट से उनकी बनाई लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद हैं। अब 2024 के लोकसभा चुनाव में यहां से रामविलास के दामाद अरुण भारती चुनाव में उतरे हैं। परिवार के लिए इतना बड़ा मौका है और ऐसे में राहत की बात यह है कि उनके भाई पशुपति कुमार पारस की अपने भतीजे से सुलह हो गई है। पारस ने चिराग पासवान को समर्थन देने की बात कही है और चिराग ने भी चाचा का स्वागत किया है।

पशुपति कुमार पारस पिछले महीने तक केंद्र सरकार के मंत्री थे। खुद जाकर इस्तीफा नहीं देते तो अब भी रहते, जैसे बाकी कायम हैं। लेकिन, उन्होंने एनडीए के सीट बंटवारे में अपनी अनद-ेखी का आरोप लगाते हुए मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। इसके अगले दिन वह बिहार आ गए और महागठबंधन से अच्छे प्रस्ताव का इंतजार करते रहे। जब यह प्रस्ताव नहीं आया और महागठबंधन ने सीट बंटवारे की घोषणा कर दी तो फिर पशुपति पारस ने वापस एनडीए के प्रति आस्था जता दी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए एनडीए के 400 पार अभियान का समर्थन किया। पारस ने अपनी हाजीपुर सीट से इस बार भी चुनाव लड़ने की घो-षणा कर रखी थी, जबकि चिराग पासवान का कहना था कि वह अपने पिता दिवंगत रामविलास पासवान की सीट से इस बार चुनाव लड़ना चाहते हैं। दोनों अपनी बात पर अडिग रहे और एनडीए में चिराग की बात मानी गई। इसी के गुस्से में पारस ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था।

पशुपति पारस पहले की परिस्थितियों को तो नहीं ही समझ सके थे, सीट बंटवारे के समय सामने आयी स्थिति भी नहीं संभाल सके। इसी चक्कर में इधर-उधर झांकने निकले।

राजद ने अपने कोटे की तीन सीटें मुकेश सहनी की वीआईपी को दी

पटना (एजेंसियां)। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के मुकेश सहनी को आखिरकार ठौर मिल गया। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन में से किसी से शुरुआती तौर पर उनकी बात नहीं बन सकी थी। अब राष्ट्रीय जनता दल ने उनसे डील कर ली है। राजद ने अपने कोटे से वीआईपी को तीन सीटें दे दी हैं। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी खगड़िया से पिछली बार लोकसभा चुनाव हार गए थे। इस बार यह सीट सीपीएम के खाते में चली गई है। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी को राजद अपने कोटे से तीन सीटें दे रहा है- झंझारपुर, गोपालगंज और मोतिहारी। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की ओर से हरी झंडी मिलने के बाद तेजस्वी यादव ने पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर इसकी घोषणा की। पिछली बार भी वीआईपी महागठबंधन का हिस्सा था और उसे तब भी तीन सीटें चुनाव लड़ने के लिए मिली थीं।

संवाददाता सम्मेलन में तेजस्वी यादव ने कहा कि आप जो देख रहे हैं, वह भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण चित्र है। राजनीतिक तौर पर काफी मजबूत और भविष्य के गठबंधन को लेकर मुकेश सहनी आए हैं। हम इनका स्वागत करते हैं। भाजपा ने इनके दल को तोड़ने का प्रयास किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारा गठबंधन बिहार के विधानसभा के लिए भी है। विधानसभा के चुनाव में भी हमलोग इनका सम्मान करेंगे।

मुकेश सहनी ने कहा कि आज हमलोग इंडी गठबंधन के साथ आए हैं। हमलोग लालू प्रसाद की विचारधारा पर चलने वाले लोग हैं। आपने देखा कि किस तरह से भाजपा ने हमारे विधायकों को खरीद लिया। हमारे सहयोग से सरकार बनाई और हमें ही बाहर का रास्ता दिखा दिया। इसके बाद हमलोग गांव-गांव घूमे जनता के बीच गए। सहनी ने निषाद समाज को आरक्षण देने की बात कही। मैं कर्पूरी और लालूजी के रास्तों पर चलने के लिए इंडी गठबंधन में आया हूं। हमलोग चालीस के चालीस सीटों जीतेंगे। पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए मुकेश सहनी ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार और स्वास्थ्य की बात करते हैं, लेकिन आज गरीब के पास रोज-गार नहीं है। उनका इलाज नहीं हो पा रहा है।

तेजस्वी ने कहा कि जो लोग 400 पार का नारा लगा रहे हैं, इस बार बिहार की धरती उन्हें धूल चटाने का काम करेगी। मैं फिर दोहरा रहा कि इस बाद बिहार चौंकाने वाला रिजल्ट देगा। भाजपा के लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं। लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। शांति को भंग करना चाहते हैं। भाजपा के मंत्री प्रेम कुमार के सामने भाजपा के वरीय नेता के कहा कि हमें चार सौ सीट चाहिए और हमलोग देश का संविधान खत्म देंगे। बाबा साहब के लिखे संविधान को भाजपा वाले खत्म करना चाहते हैं। इनका एजेंडा ही देश में तानाशाही लागू करना है। यह पहली बार नहीं, इससे पहले भी दक्षिण भारत और राजस्थान में भाजपा ने ऐसा बयान दिया है।

दियारा का आतंक कहा जाने वाला कुख्यात पुलिस के हत्थे चढ़ा

तीन अवैध राइफल सहित 29 गोलियां बरामद

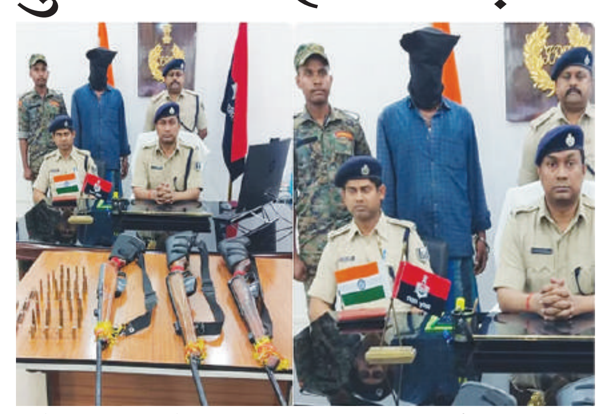

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार के खगड़िया जिले में लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी के बीच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दियारा के आतंक कहे जाने वाले पवन चौधरी नामक एक वांछित अपराधी को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस को तीन थ्री फिफ्टीन राइफल सहित 29 गोलियां बरामद हुई हैं।

पकड़े गए आरोपी पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जो खगड़िया पुलिस की रडार में था। उक्त कार्रवाई बीते गुरुवार को की गई।

मामले में खगड़िया पुलिस अधीक्षक चंदन कुशवाहा ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी अपने साथियों के साथ मिलकर अपराध की योजना बना रहा था, जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

खगड़िया एसपी चंदन कुशवाहा के मुताबिक, पुलिस को परबत्ता प्रखंड के भारत खंड थाना क्षेत्र के मथुरापुर निवासी परमानंद चौधरी के बेटे पवन चौधरी की तलाश काफी दिनों से थी। गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि कुछ अपराधी परबत्ता थाना क्षेत्र के सलारपुर दियारा के गौरा गोपी बहियार में हथियार के साथ जुटे हैं। जो अपराध की योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर कार्रवाई कर पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार अपराधी दियारा क्षेत्र में आतंक का दूसरा नाम कहा जाता था।

पुलिस ने बताया कि दियारा से गिरफ्तार पवन चौधरी पर जबरन किसानों की जमीन कब्जा कर फसल लूटने का आरोप है। उसपर कई मामले दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि पवन चौधरी दियारा में कई अपराधियों का नेटवर्क भी चलाता था। एसपी ने बताया कि सभी अपराधियों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उन सभी को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नीतीश सरकार में मंत्री के भाई थामेंगे राजद की लालटेन

भाजपा के विधायक रह चुके हैं अजय प्रताप सिंह

मुंगेर (एजेंसियां)। जमुई में लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक तापमान गरम है। हर तरफ चुनावी चर्चाएं गूंज रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जमुई दौरा भी लोगों की जुवान पर है। प्रधानमंत्री का भाषण कर जाते ही जमुई में एनडीए को बड़ा झटका लगा है। मिली जानकारी के मुताबिक जमुई के पूर्व भाजपा नेता सह पूर्व विधायक अजय प्रताप के राजद में शामिल होने जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक तेजस्वी यादव कल यानी शनिवार को जमुई में चुनावी सभा करने जा रहे है और इसी कार्यक्रम में अजय प्रताप को राष्ट्रिय जनता दल में शामिल करने की औपचारिक घोषणा भी की जाएगी।

पूर्व विधायक अजय प्रताप जमुई के दिवगंत पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह के बड़े पुत्र हैं और बिहार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह के बड़े भाई हैं। अजय प्रताप साल 2010 के विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड के टिकट से जमुई से चुनाव लड़े थे और राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व विधायक को कड़ी शिकस्त दी थी। वहीं साल 2015 में भारतीय जनता दल के टिकट से जमुई विधानसभा का चुनाव लड़े लेकिन इस बार अजय प्रताप को हार का सामना करना पड़ा। फिर साल 2020 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता दल से टिकट कटने के बाद राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का टिकट फिर से मैदान में उतरे लेकिन उन्हें दुबारा हार का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व विधायक अजय प्रताप का एनडीए छोड़ राजद में शामिल होने से जमुई लोकसभा के महागठबंधन से राजद प्रत्याशी अर्चना रविदास को काफी फायदा मिलेगा।

दीपांकर भट्टाचार्य ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा-

यह बलात्कारी और भ्रष्टाचारी पार्टी

पटना (एजेंसियां)। भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य आज भोजपुर पहुंचे और वहां भारतीय जनता पार्टी पर जमकर बरसे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा बलात्कारी जुटाओ पार्टी और भ्रष्टाचारी जुटाओ पार्टी बन गया है। भारतीय जनता पार्टी देश को लूट लेना चाहती है और अगर मोदी सरकार तीसरी बार लौट कर आई तो देश भी नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि सभी सांसद अपना रिपोर्ट कार्ड जारी करें। संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ, भाजपा हराओ देश बचाओ कार्यक्रम को लेकर भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने माले कार्यलय पहुंचे। शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि सरकार ने 400 पार का नारा दिया है ताकि बहुमत हो तो संविधान को हम बदल दें। भाजपा को वीवीपैट से चुनाव पर क्यों दिक्कत हो रही है। भाजपा इलेक्टोरल बॉन्ड पर बात क्यों नहीं कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह सवाल आयोग से पूछा है। राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि मुझे लगता है आयोग को सुप्रीम कोर्ट की सुननी चाहिए।दीपांकर भट्टाचार्य ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि कहा कि भाजपा इलेक्टोरल बॉन्ड पर बात क्यों नहीं कर रही है। मोदी जी बोल रहे हैं जो इनपर बात करेगा वो समझा जायेगा। उन्होंने कहा कि एक कहावत है सत्ता के साथ भ्रष्टाचार की संभावना जुड़ी रहती है। इसलिए सबसे भ्रष्ट पार्टी भाजपा है और सबसे भ्रष्ट सरकार मोदी जी की सरकार है। दीपांकर भट्टाचार्य ने आर-ोप लगाते हुए कहा कि चारों तरफ से भ्रष्टाचार है। भाजपा द्वारा अब तक 400 से ज्यादा विधायकों को खरीदा गया है। विपक्ष के ऊपर हमले हो रहे है। राजनीति के लिए भारत रत्न का इस्तेमाल किया गया है। झारखंड के मुख्यमंत्री और दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए लोगों को भारी संख्या में मत करें ताकि लोकतंत्र को बचाया जा सके। वहीं मनोज मंजिल पर पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा कि मनोज मंजिल को झूठा केस में फंसाया गया है यह सभी जानते है, लेकिन मुझे न्याय प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है। अभी हाई कोर्ट है सुप्रीम कोर्ट है, न्याय प्रक्रिया चल रही है। इस वक्त भाजपा बलात्कारी जुटाओ पार्टी और भ्रष्टाचारी जुताओ पार्टी बन गया है। सभी सांसद अपना रिपोर्ट कार्ड जारी करें। भारतीय जनता पार्टी देश को लूट लेना चाहती है और अगर मोदी सरकार तीसरी बार लौट कर आई तो देश भी नहीं बचेगा। वहीं दीपांकर भट्टाचार्य से राहुल गांधी को आरा आने पर पूछे गए सवाल पर दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि राहुल गांधी भाकपा माले के लिए चुनाव प्रचार नहीं करेंगे, लेकिन इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार प्रसार जरूर करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com